THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 194 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) कार्तिक कृ.4 2082 शुक्रवार, 10 अक्टूबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

केरल विधानसभा में हंगामा : कांग्रेस के तीन विधायक निलंबित

तिरुवनंतपुरम, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केरल के सबरीमाला मंदिर में द्वारपालक मूर्तियों पर चढ़ाई गई स्वर्ण-पल्लवन (सोने की परत) में कथित अनियमितताओं को लेकर राज्य भर की राजनीति में जबरदस्त गर्माहट तेज है। वहीं इस राजनीतिक गर्माहट की गूंज बीते कुछ दिनों से विधानसभा में भी सुनने को मिल रहा है। फलस्वरूप केरल विधानसभा में गुरुवार को लगातार चौथे दिन विपक्ष के विरोध के चलते कार्यवाही बाधित रही। इसके चलते कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के तीन विधायकों को मौजूदा सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया।

एफटीए से एमएसएमई को मिलेगा बढ़ावा : पीएम

ब्रिटेन के नौ विश्वविद्यालय भारत में खोलेंगे कैंपस

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि ब्रिटेन के नौ विश्वविद्यालय भारत में अपने परिसर खोलेंगे। उन्होंने कहा कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को बढ़ावा देगा और युवाओं के लिए रोजगार पैदा करेगा। उन्होंने 'इंडिया-यूके सीईओ फोरम' को संबोधित करते हुए कहा कि वह आश्वास्त हैं कि 2030 से पहले भारत और ब्रिटेन के बीच व्यापार मौजूदा 56 अरब डॉलर से दोगुना हो जाएगा। उन्होंने कहा, यह साल अप्रत्याशित रहा है। इसमें मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के बीच भारत-ब्रिटेन संबंधों में स्थिरता बढ़ी है।

इस साल जुलाई में ब्रिटेन यात्रा के दौरान हमने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए। मैं अपने मित्र प्रधानमंत्री (कीर) स्टार्मर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए प्रतिबद्धता और दृष्टिकोण की गहरी प्रशंसा करता हूं। यह केवल एक व्यापार समझौता नहीं है, बल्कि दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच साझा प्रगति, साझा समृद्धि और लोगों के लिए एक रोडमैप है। बाजार पहुंच के साथ-साथ यह समझौता दोनों देशों के एमएसएमई को मजबूत करेगा और लाखों युवाओं के लिए नए रोजगार के द्वार खोलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा, यह सुनिश्चित करने के लिए कि व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचे, मैं इस सीईटीए में चार नए आयाम पेश करना चाहता हूं। मेरे इस सीईटीए के नए आयाम इसे संभवतः काफी विस्तार देंगे। 'सी' का मतलब वाणिज्य और अर्थव्यवस्था (कॉमर्स एंड इकोनॉमी) है। 'ई' का मतलब शिक्षा (ऐजुकेशन) और लोगों का आपस में संपर्क है। 'टी' का मतलब तकनीक और नवाचार (टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन) है।

ब्रिटेन भारत को हल्की मल्टीरोल मिसाइल देने को तैयार

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन भारत को हल्की मल्टीरोल मिसाइल देने को तैयार हो गया है। इसके साथ ही ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता को समर्थन देने का ऐलान किया है। ब्रिटिश पीएम कीर स्टार्मर ने मुंबई में यह ऐलान किया। उन्होंने यह भी कहा कि ब्रिटेन की 9 यूनिवर्सिटी भारत में कैंपस खोलेंगी। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि स्टार्मर के नेतृत्व में भारत और ब्रिटेन के रिश्तों में प्रगति हुई है। इस साल जुलाई में लंदन यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) पर हस्ताक्षर किए थे। मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के बीच आयात आसान होगा।

'हमारे लिए अब यह बीता अध्याय है'

बार एसोसिएशन से सदस्यता को तत्काल प्रभाव से खत्म करने की घोषणा की

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर बीते सोमवार को 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर द्वारा जूता फेंकने की कोशिश करने के मामले में देशभर में चर्चा तेज है। ऐसे में सीजेआई गवई ने गुरुवार को इस मामले में फिर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि सोमवार को जो कुछ हुआ, उससे मैं और मेरे साथी जस्टिस विनोद चंद्रन बहुत स्तब्ध रह गए। हालांकि, अब यह हमारे लिए एक भूला हुआ अध्याय है। गवई ने मामले को आगे न बढ़ाने का संकेत भी दिया। बता दें कि यह टिप्पणी उस समय आई जब अदालत वनाशक्ति फैसले से जुड़े पुनर्विचार याचिकाओं की सुनवाई कर रही थी। इस बेंच में जस्टिस उज्जल भुयान भी शामिल थे।

उन्होंने वकील राकेश किशोर के इस हरकत पर सख्त प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि इस हरकत पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए थी। उन्होंने इसे सुप्रीम कोर्ट का अपमान बताया। मामले में सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस हरकत को अक्षम्य बताया और सीजेआई की गरिमा और संयम की प्रशंसा की। वहीं वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने मामले को यहीं खत्म करने की बात कही।

सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने गुरुवार को राकेश किशोर (71) की सदस्यता को तत्काल प्रभाव से खत्म करने की घोषणा की है। किशोर ने मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई पर अदालत में जूता फेंकने की कोशिश की थी।

इस दौरान उन्होंने 'सनातन का अपमान नहीं सहेंगे' का नारा भी लगाया था। न्यायालय की सुरक्षा और शिष्टाचार के लिहाज से बेहद गंभीर मानी जा रही है। एससीबीए ने कहा कि किशोर का बेहद अनुचित, अव्यवस्थित और अतिशयोक्ति भरा व्यवहार सीधे तौर पर न्यायिक स्वतंत्रता पर हमला था।

वक्फ संपत्ति पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की याचिका को मंजूरी, केंद्र ने जताई आपत्ति

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ संपत्तियों की अनिवार्य पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने पर विचार के लिए याचिका को सूचीबद्ध करने की मंजूरी दे दी है। इससे पहले वक्फ-बाय-यूजर प्रावधान को लेकर पहले भी कोर्ट ने अधिनियम की कुछ धाराओं पर रोक लगाई थी। इसके बाद कोर्ट ने गुरुवार को सभी वक्फ संपत्तियों, जिसमें वक्फ-बाय-यूजर भी शामिल है, की अनिवार्य पंजीकरण की समय सीमा बढ़ाने की मांग वाली याचिका को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने पर सहमति दी।

इससे पहले 15 सितंबर को कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की कुछ मुख्य धाराओं पर अस्थाई रोक लगा दी थी। इनमें यह शर्त शामिल थी कि केवल वे ही वक्फ बना सकते हैं जो पिछले पांच वर्षों से इस्लाम धर्म का पालन कर रहे हों। हालांकि कोर्ट ने पूरी अधिनियम पर रोक लगाने से इनकार किया था और इसे संवैधानिक माना था। मामले में अदालत ने कहा कि केंद्र सरकार का 'वक्फ-बाय-यूजर' प्रावधान हटाने का फैसला गैर-तर्कसंगत नहीं है और यह धारणा कि इससे वक्फ जमीन सरकार द्वारा कब्जा ली जाएगी, गलत है। बता दें कि 'वक्फ-बाय-यूजर' का मतलब है कि यदि किसी संपत्ति का लंबे समय तक बिना रुके धार्मिक या चैरिटेबल कामों के लिए उपयोग हो रहा है, तो उसे वक्फ माना जाएगा।

20 हजार के इनाम के बाद सिरप कंपनी का डायरेक्टर गिरफ्तार

> एमपी एसआईटी ने चेन्नई से पकड़ा > जहरीला कफ सिरप इसी की कंपनी का

छिंदवाड़ा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन की गिरफ्तारी हो गई है। मामले में मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी की टीम ने बुधवार रात चेन्नई में दबिश देकर रंगनाथन को पकड़ा।

एसआईटी ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपये का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। चेन्नई में रंगनाथन का चेन्नई-बेंगलुरू राजमार्ग पर स्थित 2,000 वर्ग फुट का अपार्टमेंट सील कर दिया गया था, जबकि कोडम्बक्कम स्थित

उसका रजिस्टर्ड ऑफिस बंद मिला था। छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई के सैदापेट में मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेश किया गया। उसकी ट्रांजिट रिमांड मांगी जाएगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा। वहीं, मामले की जांच को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार को सुनवाई कर सकता है।

वकील विशाल तिवारी की याचिका में इस मामले की जांच राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या सीबीआई के जरिए विशेषज्ञों की समिति बनाकर कराए जाने की मांग की गई है। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है।

ममता बनर्जी का दावा राज्य के अधिकारियों को धमका रहा है चुनाव आयोग

कोलकाता, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को निर्वाचन आयोग पर तीखा हमला करते हुए आरोप लगाया कि आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि उनकी सरकार ऐसी धमकियों को बर्दाश्त नहीं करेगी। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भाजपा को चेतावनी देते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर आग से खेल रही है। बनर्जी ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्ष रखने के नाम पर राजनीतिक दखल की कोशिश की जा रही है। उन्होंने भाजपा को घेरते हुए चेतावनी दी कि मतदाता सूची से छेड़छाड़ का कोई भी प्रयास लोकतंत्र के साथ विश्वासघात होगा।

पश्चिम बंगाल सचिवालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बनर्जी ने कहा, चुनाव आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे।

टीएमसी सुप्रीमो ने आश्चर्य जताया कि चुनाव आयोग के अधिकारी राज्य का दौरा करके सरकारी अधिकारियों को कैसे बुला सकते हैं, जबकि चुनाव की तारीखों की घोषणा अभी बाकी है।

अगले साल बंगाल में विधानसभा चुनाव :

ममता बनर्जी ने दावा किया कि यह एसआईआर जैसा दिखता है वैसा नहीं है।

इसका इस्तेमाल पश्चिम बंगाल में एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर) जैसी प्रक्रिया को लागू करने के लिए एक कवच के रूप में किया जा रहा है।

असम में भाजपा को लगा झटका

डिब्रूगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। असम में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा झटका लगा है। बता दें कि पूर्व केंद्रीय मंत्री और चार बार के भाजपा सांसद राजेन गोहेन ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उनके साथ कुल 17 अन्य सदस्यों ने भी पार्टी से अपना त्यागपत्र सौंपा। राजेन गोहेन ने यह फैसला राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया को लिखे पत्र में बताया, जिसमें उन्होंने कहा कि वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता और सभी जिम्मेदारियों से तुरंत प्रभाव से हट रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस्तीफा देने वाले अधिकांश सदस्य ऊपरी और मध्य असम से हैं। राजेन गोहेन ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने इस्तीफा इसलिए दिया क्योंकि पार्टी ने असम के लोगों से किए गए वादों को पूरा नहीं किया और स्थानीय समुदायों को धोखा दिया, जबकि बाहरी लोगों को राज्य में बसने की अनुमति दी।

2022 से पहले भ्रूण फ्रीज, तो सरोगेसी कानून से छूट

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक याचिका पर फैसला सुनाते हुए कहा कि 2022 से पहले अगर महिला ने भ्रूण (फर्टिलाइज एग्स) फ्रीज करा दिया है तो उसे सरोगेसी कानून के तहत एज लिमिट से छूट मिल सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस केवी विश्वनाथन ने सरकार की तरफ से बढ़ती उम्र को चिंता का कारण बताने पर फटकार भी लगाई। कोर्ट ने कहा- कौन मां-बाप बन सकता है, ये सरकार तय नहीं कर सकती क्योंकि नेचुरल प्रोसेस में भी कोई एज लिमिट नहीं है। दरअसल यह पूरा मामला सरोगेसी कानून 2021 से जुड़ा है, जो जनवरी 2022 में लागू हुआ था। कानून के मुताबिक, जिन पुरुष की आयु 26-55 साल और महिला की आयु 23-50 साल के बीच है, उन्हीं को सरोगेसी की परमीशन होगी। इस कानून के खिलाफ कई याचिकाएं लगाई गईं। मुख्य याचिकाकर्ता चेन्नई बेस्ड इनफर्टिलिटी स्पेशलिस्ट डॉ. अरुण मुथुवेल हैं, जिन्होंने कमर्शियल सरोगेसी पर बैन हटाने की भी मांग की थी।

आईएसआईएस मॉड्यूल केस को लेकर एटीएस की बड़ी कार्रवाई

> 19 संदिग्धों के ठिकानों पर छापा

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र आतंकवाद निरोधी दस्ता (एटीएस) ने पुणे में बुधवार देर रात से कई जगह छापेमारी की। यह कार्रवाई शहर में सक्रिय एक संदिग्ध आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े कुछ लोगों की कथित कट्टरपंथी गतिविधियों की जांच के तहत की गई। एटीएस अधिकारियों ने बताया कि 2023 में दर्ज हुए पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में 19 संदिग्धों के घरों और दफ्तरों में छानबीन चल रही है।

सूचना मिलने के बाद एटीएस की टीमें पुणे के कोंढवा, खड़क, खड़की, वानवाड़ी और भोसरी इलाकों में पहुंचीं। रात भर कार्रवाई चलती रही और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार, सभी की पहचान और भूमिका की जांच की जा रही है। जरूरत पड़ने पर जांच का दायरा बढ़ाया जा सकता है।

'शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय'

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेस्ट एशिया शांति योजना के पहले चरण का समर्थन करने और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तारीफ करने पर कांग्रेस ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने इस बयान को शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय बताया है।

मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गाजा को लेकर हुए नए समझौते का स्वागत किया और ट्रंप की सराहना की, जो हैरानी की बात नहीं है। लेकिन नेतन्याहू की बिना शर्त तारीफ करना शर्मनाक और नैतिक रूप से निंदनीय है, जिन्होंने पिछले बीस महीनों से गाजा में नरसंहार मचाया है।

कांग्रेस नेता ने यह भी कहा कि मोदी सरकार ने फलस्तीन के स्वतंत्र और संप्रभु राष्ट्र के भविष्य पर पूरी तरह से चुप्पी साध रखी है, जिसे भारत ने नवंबर 1988 में ही मान्यता दे दी थी और जिसे अब 150 से अधिक देश मान्यता दे चुके हैं।

'प्रधानमंत्री ने जो बातें मुझ पर थोपीं, वो पूरी तरह गलत'

पीएम मोदी पर क्यों हमलावर हुए चिदंबरम

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी, जिसमें पीएम ने 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के बाद तत्कालीन सरकार पर पाकिस्तान पर हमला न करने का आरोप लगाया था। पी. चिदंबरम ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो बातें उन पर थोपी हैं, वे पूरी तरह गलत हैं। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, माननीय प्रधानमंत्री ने जो तीन बातें कही हैं, वेप7 तीनों गलत हैं, बहुत गलत हैं। दुख की बात है कि उन्होंने कल्पना की और उन्हें मेरे नाम से जोड़ दिया।

पीएम मोदी ने क्या कहा था :

बुधवार को एक रैली में पीएम मोदी ने बिना नाम लिए कहा था कि हाल ही में एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि 26/11 के हमलों के बाद भारतीय सेनाएं पाकिस्तान पर हमला करने को तैयार थीं, लेकिन कांग्रेस सरकार ने किसी विदेशी दबाव में सेना को कार्रवाई से रोक दिया। प्रधानमंत्री ने कहा, मुंबई भारत की आर्थिक राजधानी ही नहीं, बल्कि सबसे जीवंत शहरों में से एक है। इसी वजह से आतंकियों ने 2008 में मुंबई को निशाना बनाया। उस समय की कांग्रेस सरकार ने आतंक के सामने कमजोरी और समर्पण का संदेश दिया। उन्होंने कांग्रेस से सवाल किया कि आखिर किसके दबाव में सेना को रोका गया और यह निर्णय किसने लिया?

पीएम मोदी के हमले पर चिदंबरम का जवाब :

इस बयान के बाद कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने कहा कि उन्होंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया, जैसा प्रधानमंत्री कह रहे हैं। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने जो कहा, वह मेरे शब्द नहीं हैं। यह निराशाजनक है कि उन्होंने मेरी बात की गलत व्याख्या की। बता दें कि, 1 अक्टूबर को एक समाचार चैनल से बातचीत में पी. चिदंबरम ने उस समय की घटनाओं को याद किया। उन्होंने बताया कि 26/11 हमलों के बाद भारत पर अंतर्राष्ट्रीय दबाव था, खासकर अमेरिकी गृह विभाग की ओर से। उन्होंने कहा कि भारत ने सैन्य कार्रवाई के बजाय कूटनीतिक रास्ता चुना ताकि स्थिति और न बिगड़े। चिदंबरम ने याद किया कि 30 नवंबर 2008 को उन्होंने तत्कालीन गृह मंत्री शिवराज पाटिल के इस्तीफे के बाद जिम्मेदारी संभाली थी। हमलों के तुरंत बाद कई अहम बैठकें हुईं और निर्णय हुआ कि पाकिस्तान पर हमला न करके अंतर्राष्ट्रीय समर्थन जुटाया जाए।

केदारनाथ में रिकॉर्ड 16.56 लाख श्रद्धालु पहुंचे

देहरादून, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केदारनाथ यात्रा ने इस साल एक नया रिकॉर्ड बनाया है। केदारनाथ जाने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या 16.56 लाख पहुंच गई है, जबकि मंदिर के कपाट बंद होने में अभी 14 दिन बाकी हैं। 2025 में अकेले बुधवार को 5,614 तीर्थयात्रियों ने केदारनाथ धाम में पूजा-अर्चना की।

मंदिर के कपाट 23 अक्टूबर को भाई दूज के दिन बंद होंगे। 2024 में पूरे यात्रा सीजन के दौरान कुल 16,52,076 श्रद्धालु केदारनाथ के दर्शन करने पहुंचे थे। बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमुनोत्री धामों में भी तीर्थयात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। बद्रीनाथ धाम के कपाट 25 नवंबर को दोपहर 2:56 बजे शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। उत्तराखंड आपातकालीन परिचालन केंद्र की तरफ से जारी 8 अक्टूबर को जारी आंकड़ों के मुताबिक 4 मई से लेकर 7 अक्टूबर की शाम 7 बजे तक कुल 47 लाख 29 हजार 555 श्रद्धालुओं ने चारधाम यात्रा की है।

बीकेआई के दो आतंकी ढाई किलो विस्फोट के साथ काबू

दीपावली से पहले पुलिस को सफलता

जालंधर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने दो आतंकियों को 2.5 किलो आईईडी/आरडीएक्स और एक रिमोट कंट्रोल के साथ पकड़ा है। ये मॉड्यूल बीकेआई मास्टरमाइंड हरविंदर सिंह रिंदा के निर्देश पर यूके स्थित हैंडलर निशान जौरियन और आदेश जमाराय द्वारा संचालित था। दो आतंकी गुरजिंदर सिंह और दीवान सिंह को जालंधर से पकड़ा गया। जांच से पता चला है कि आईईडी का उद्देश्य लक्षित आतंकी हमला था। यूएपीए और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत पीएस एसएसओसी अमृतसर में एफआईआर दर्ज की गई है। डीजीपी गौरव यादव का कहना है कि पाकिस्तान की आईएसआई द्वारा प्रायोजित अंतरराष्ट्रीय आतंक और संगठित अपराध नेटवर्क को खत्म करने और पंजाब में शांति और सद्भाव बनाए रखने के अपने मिशन पर दृढ़ है।

पुलिस ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के दक्षिण पूर्व जिला पुलिस के बांग्लादेशी प्रकोष्ठ ने 28 अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे पाए गए।

पूछताछ में पता चला कि वे कई अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा से अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। दिल्ली पुलिस ने बताया, सभी 28 लोगों को अब एक अस्थायी हिरासत केंद्र में रखा गया है, जहां उनके निर्वासन के लिए आगे की आवश्यक कानूनी औपचारिकताएं सक्रिय रूप से चल रही हैं। अब तक कुल 235 अवैध बांग्लादेशियों को निर्वासित किया जा चुका है।

गरबा में हंगामा करने वालों के खिलाफ बुलडोजर एक्शन! गिराए जाएंगे 186 अवैध निर्माण

गांधीनगर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जरात के गांधीनगर में जिला प्रशासन बड़ा कदम उठाने जा रहा है। दरअसल, बीते 24 सितंबर को जिले के देहगाम तालुका में नवरात्रि के पर्व पर गरबा का आयोजन रखा गया था। बहियाल गांव में इस कार्यक्रम के दौरान दंगाइयों ने हमला कर दिया था। बहियाल गांव में हुई इस हिंसक घटना के बाद प्रशासन और पुलिस तंत्र सक्रिय हो गए।

अब उपद्रवी तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। उनके अवैध कब्जों को हटाने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। आज (गुरुवार, 9 अक्टूबर) सुबह से बहियल गांव में बुलडोजर चला कर ध्वस्तीकरण की प्रक्रिया चल रही है। बताया जा रहा है कि प्रशासन द्वारा बहियाल में जिन 186 अवैध निर्माणों की पहचान की गई थी, वहां अवैध निर्माण करने वालों को 2 दिनों का नोटिस भी जारी किया गया था। 150 में से 70 प्रतिशत से अधिक निर्माण में नवरात्रि में हिंसा फैलाने वाले तत्वों के होने का पता चला था।

डिप्टी इंजीनियर अक्षय पटेल ने जानकारी दी है, यहां आर एंड बी राज्य की सड़क पर स्थायी और अस्थायी, दोनों तरह के 135 अतिक्रमण हैं। सड़क पर 18 मीटर का राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) है। इन अतिक्रमणों को हटाने की प्रक्रिया जारी है। आज पूरे 18 मीटर का आरओडब्ल्यू पूरी तरह से साफ कर दिया जाएगा

इसके लिए गांधीनगर एसपी समेत 300 पुलीसकर्मी मौके पर तैनात है। एसपी ने जानकारी दी कि 24 सितंबर की रात में नवरात्रि गरबा पर हमले की कोशिश की गई थी। पुलिस के अलावा, जिला प्रशासन के सभी विभाग के अधिकारी स्थल पर तैनात किए गए हैं।

लखीमपुर हिंसा मामला

सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को दिवाली पर घर जाने की अनुमति दी, वापसी की तारीख भी तय की

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में आरोपी और पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा को सुप्रीम कोर्ट से थोड़ी बहुत राहत मिलती हुई नजर आ रही है। इसके तहत कोर्ट ने आशीष मिश्रा को 20 अक्तूबर को दिवाली मनाने के लिए अपने घर लखीमपुर जाने की इजाजत दे दी है।

मामले में सुनवाई के दौरान जस्टिस सूर्यकांत और जॉयमाल्य बागची की बेंच ने साफ किया कि पहले की शर्तें लागू रहेंगी, यानी इस दौरान किसी भी राजनीतिक कार्यकर्ता या आम जनता को उनके साथ इस समारोह में शामिल नहीं होने दिया जाएगा। आशीष मिश्रा की ओर से पेश वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि मिश्रा 22 अक्तूबर तक वापस लौट आएंगे। सुप्रीम कोर्ट पहले ही निर्देश दे चुका है कि ट्रायल पूरा होने तक आशीष मिश्रा को लखीमपुर से दूर रहना होगा। हालांकि राम नवमी के मौके पर 24 मार्च को भी कोर्ट ने उन्हें परिवार से मिलने की इजाजत दी थी।

कोर्ट को जानकारी दी गई कि अब तक 23 गवाहों की गवाही हो चुकी है, जबकि नौ गवाहों को हटा दिया गया है। कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस से मामले की जांच की वर्तमान स्थिति पर रिपोर्ट मांगी है। पीड़ित पक्ष की ओर से वकील प्रशांत भूषण ने सुनवाई तेज करने की मांग की, लेकिन कोर्ट ने कहा कि ऐसा करना ट्रायल की निगरानी जैसा होगा, जो उचित नहीं है।

बता दें कि ये पूरा मामला तीन अक्तूबर 2021 का है। जब लखीमपुर खीरी के टिकुनिया इलाके में किसानों के प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई थी। आरोप है कि प्रदर्शन कर रहे चार किसानों को एक एसयूवी से कुचला गया, जिसके बाद गुस्साए लोगों ने वाहन चालक, दो भाजपा कार्यकर्ताओं और एक पत्रकार की हत्या कर दी थी।

इसके बाद दिसंबर 2023 में ट्रायल कोर्ट ने आशीष मिश्रा और 12 अन्य के खिलाफ हत्या, आपराधिक साजिश और अन्य धाराओं में आरोप तय किए, जिससे मुकदमे की प्रक्रिया औपचारिक रूप से शुरू हुई। सुप्रीम कोर्ट ने आशीष मिश्रा को जुलाई 2022 में सशर्त जमानत दी थी, जिसमें उन्हें सिर्फ दिल्ली और लखनऊ तक सीमित रहने की इजाजत दी गई थी। यह मामला अभी ट्रायल कोर्ट में चल रहा है।

कफ सिरप से मासूमों की मौत पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, जनहित याचिका पर आज होगी सुनवाई

भोपाल\छिंदवाड़ा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत के मामले में दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट सहमत हो गया। अदालत ने दवा सुरक्षा तंत्र में जांच और व्यवस्थागत सुधार की मांग वाली याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई करने का फैसला किया है। मुख्य न्यायाधीश बी।आर। गवई, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुयान और न्यायमूर्ति के। विनोद चंद्रन की पीठ ने अधिवक्ता और याचिकाकर्ता विशाल तिवारी की दलीलों पर विचार करते हुए कहा कि यह मामला गंभीर है और तत्काल सुनवाई योग्य है।

याचिका में इन घटनाओं की अदालत की निगरानी में जांच और एक सेवानिवृत्त सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश की अध्यक्षता में राष्ट्रीय न्यायिक आयोग या विशेषज्ञ समिति के गठन का अनुरोध किया गया है। इसके अलावा, याचिका में कहा गया है कि जहरीली कफ सिरप से बच्चों की मौत से जुड़े सभी एफआईआर और जांचों को सीबीआई को ट्रांसफर किया जाए, ताकि पूरे देश में जांच एक समान और निष्पक्ष रूप से की जा सके। याचिकाकर्ता ने कहा है कि अलग-अलग राज्यों में जांच होने से जवाबदेही बिखर जाती है, जिससे बार-बार ऐसी घटनाएं होती रहती हैं और खतरनाक दवाएं बाजार में पहुंच जाती हैं।

इसलिए एक केंद्रीकृत जांच की जरूरत है जो पूरे सिस्टम में सुधार सुनिश्चित करे। याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह यह पता लगाए कि दवा सुरक्षा और गुणवत्ता जांच प्रणाली में कौन सी चूक हुई, जिनकी वजह से निम्न गुणवत्ता वाली दवाएं बाजार में पहुंचीं।

इसमें अदालत से यह भी आग्रह किया गया है कि आगे किसी भी बिक्री या निर्यात की अनुमति देने से पहले सभी संदिग्ध उत्पादों का एनएबीएल-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के माध्यम से विष विज्ञान परीक्षण अनिवार्य किया जाए।

'धर्मांतरण पीड़ितों पर भी हो सकती है कार्रवाई गुजरात हाई कोर्ट की सख्त टिप्पणी

अहमदाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात हाईकोर्ट ने कहा है कि अगर कोई व्यक्ति खुद को धर्म परिवर्तन का 'पीड़ित' बताता है, लेकिन बाद में दूसरों को धर्म बदलने के लिए दबाव डालता है, तो उसके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। जस्टिस नीरजर देसाई की अदालत ने 1 अक्तूबर को यह टिप्पणी करते हुए कुछ याचिकाएं खारिज कर दीं। अदालत ने कहा कि जब कोई व्यक्ति दूसरों पर धर्म परिवर्तन का दबाव डालता है या लालच देता है, तो वह भी अपराध की श्रेणी में आता है।

याचिकाकर्ताओं ने कहा था कि वे मूल रूप से हिंदू थे और दूसरों के दबाव में आकर इस्लाम में धर्मांतरित हुए। इसलिए वे खुद पीड़ित हैं, आरोपी नहीं। लेकिन अदालत ने पाया कि उन्होंने ही आगे चलकर दूसरों को धर्म बदलने के लिए प्रभावित किया और उन पर दबाव डाला।

मामला भरूच जिले के आमोद पुलिस थाने का है। एफआईआर में आरोप है कि तीन लोगों ने करीब 37 हिंदू परिवारों के 100 से ज्यादा लोगों को लालच देकर इस्लाम में धर्मांतरित किया। जब एक व्यक्ति ने इसका विरोध किया तो उसे धमकाया गया, जिसके बाद उसने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

इसके अलावा, एक विदेशी नागरिक पर भी धर्म परिवर्तन के लिए फंडिंग करने का आरोप है। अदालत ने उसके मामले में भी राहत देने से इनकार किया। अदालत ने कहा कि वह कई बार भारत आ चुका है और जांच में सहयोग नहीं कर रहा है। यह मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 120बी (षड्यंत्र), 153ब (समुदायों में वैमनस्य फैलाना) और 295ए (धार्मिक भावनाएं भड़काने वाले कृत्य) के तहत दर्ज किया गया है।

जंगल की नई जंग बाघों के आगे घुटने टेकते तेंदुए, आबादी में मचा कहर; सीटीआर में वन्यजीव को बाहर खदेड़ा

नैनीताल, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जंगलों में बढ़ते बाघ तेंदुओं को जंगल से बाहर खदेड़ रहे हैं। वहीं आबादी में तेंदुए की आमद से मानव-वन्य जीव संघर्ष बढ़ रहा है। ऐसे में जंगल और आबादी क्षेत्र के बीच तेंदुए इंसानों और बाघों की नजरों से बचकर अपना अस्तित्व बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। तेंदुओं की इस दशा को लेकर वन विभाग और वन्य जीव विशेषज्ञ भी चिंतित हैं।

जिम कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में बाघों का कुनबा बढ़ने के साथ ही उससे सटे तराई पश्चिमी वन प्रभाग में भी 57 बाघों की मौजूदगी है। तराई के जंगलों में तेजी से बढ़ती बाघों की संख्या तेंदुओं के लिए खतरा है। बाघ अब तेंदुओं के घर यानी जंगल के सीमावर्ती क्षेत्रों तक पहुंच गए हैं। ऐसे में बाघ जंगल से खदेड़कर तेंदुओं को आबादी की ओर भेज रहे हैं। इस कारण तेंदुए आबादी वाले क्षेत्रों में कुत्ते व बिल्ली का शिकार कर रहने को मजबूर हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जैश-ए-मोहम्मद की नई चाल

अब महिलाओं की ब्रिगेड बना रहा आखिर कहां तक फैला है नेटवर्क

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में निर्दोष पर्यटकों की हत्या के बाद भारत के ऑपरेशन सिंदूर में जब पाकिस्तान में बैठे आतंकियों की कमर टूट गई वतो अब वही आतंकी संगठन नई चालें चल रहे हैं। जैश-ए-मोहम्मद अब महिलाओं का एक खास ब्रिगेड बना रहा है, जिसका नाम रखा गया है 'जमात अल-मुमिनात'। सूत्रों के मुताबिक, यह ग्रुप 2024 के बाद से एक्टिव है और इसका मकसद है महिलाओं को ब्रेनवॉश करके उन्हें अपने नेटवर्क में शामिल करना। इस ब्रिगेड को जैश के महिला विंग के तौर पर तैयार किया गया है, जो साइकोलॉजिकल वारफेयर, यानी मानसिक तौर पर असर डालने वाले प्रचार और ग्राउंड लेवल पर भर्ती का काम कर रहा है।

'जमात अल-मुमिनात' जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश और दक्षिण भारत के कुछ इलाकों में ऑनलाइन नेटवर्क के ज़रिए एक्टिव है। सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप ग्रुप्स और कुछ मदरसों के नेटवर्क के ज़रिए इस ग्रुप की गतिविधियां फैल रही हैं। इसका मकसद है , महिलाओं को धर्म के नाम पर बरगलाना और संगठन के लिए इस्तेमाल करना। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक, जैश के इस नए सर्कुलर में मक्का और मदीना की तस्वीरें लगाई गई हैं ताकि इसे धार्मिक रंग दिया जा सके। साथ ही इसमें भावनात्मक बातें लिखी गई हैं ताकि पढ़ी-लिखी और शहरी मुस्लिम महिलाओं को प्रभावित किया जा सके।

यानी, यह पूरा अभियान महिलाओं की भावनाओं को छूकर उन्हें संगठन के मकसद से जोड़ने की कोशिश है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि 'जमात अल-मुमिनात' जैश की तरह ही सेल-बेस्ड स्ट्रक्चर पर काम कर रहा है। मतलब अलग-अलग छोटे ग्रुप्स जो सोशल मीडिया या मदरसों के ज़रिए भर्ती, चंदा जुटाने और संदेश फैलाने का काम कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों ने इस सर्कुलर के पाकिस्तान कनेक्शन के भी ठोस सबूत मिलने की बात कही है।

आपको बता दें, मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान और पीओके में कई आतंकी ठिकाने तबाह कर दिए थे,जिसमें जैश-ए-मोहम्मद का हेडक्वार्टर भी शामिल था।

इस ऑपरेशन में मसूद अजहर के भाई और परिवार के कई सदस्य मारे गए थे। अब उसी बौखलाहट में जैश भारत के खिलाफ महिलाओं को ढाल बनाकर नई साजिश रच रहा है। साफ है, भारत की सर्जिकल स्ट्राइक्स और ऑपरेशनों से हिल चुके आतंकी संगठन अब अपने तौर-तरीके बदल रहे हैं। लेकिन खुफिया एजेंसियां भी हर चाल पर नज़र रखे हुए हैं।

एनसीआरबी की रिपोर्ट में खुलासा

अवैध असलहा रखने में उत्तराखंड पहाड़ी राज्यों में नंबर वन, देश में 7वें स्थान पर

ऊधमसिंह नगर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अवैध असलहा रखने के मामले में उत्तराखंड के लोग हिमालयी राज्यों में सबसे आगे हैं। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड्स ब्यूरो (एनसीआरबी) की वर्ष 2023 की रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार 1767 लोगों पर असलहा रखने के मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। 1184 लोग अवैध चार लोग वैध असलहों के साथ पकड़े गए। इतना ही नहीं असलहा रखने के मामले में उत्तराखंड का देश में सातवां स्थान भी है।वैध और अवैध असलहा रखने को लोग शौक समझने लगे हैं। आधुनिक दौर में असलहों को इंटरनेट मीडिया में वायरल करने से भी परहेज नहीं किया जा रहा है। खासकर ऊधमसिंह नगर और हरिद्वार जैसे जिलों में छोटी-छोटी बातों को लेकर गोली चला दी जाती है। हालांकि इसे पुलिस की तत्परता ही कहा जाएगा कि वर्ष 2023 में 1767 लोगों के विरुद्ध शस्त्र अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया और 1184 अवैध व चार को वैध असलहों को बरामद किया गया। गौर करने वाली बात ये है कि अवैध असलहों का प्रयोग आपराधिक वारदातों के लिए हुआ हैं। असलहों से सबसे अधिक हत्याएं व जान से मारने की कोशिश हुई।

एनसीआरबी की रिपोर्ट के मुताबिक राज्य में हिंसक अपराध हत्या, लूट, अपहरण जैसे मामले बढ़ गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 में प्रदेश में 3162 हिंसक अपराध के मामले दर्ज हुए। वर्ष 2022 में 3923 व वर्ष 2023 में 3570 मामले रिकॉर्ड हुए हैं। वर्ष 2023 में पुलिस ने मात्र 58 प्रतिशत मामलों में ही कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। यानी अधिकांश मामले लंबित पड़े हैं। के लिहाज से अतिसंवेदनशील ऊधमसिंह नगर में टींगर का शौक सिर चढ़कर बोलता है। तराई के जंगल में कई बार पुलिस और एसटीएफ ने अवैध हथियार बनाने की फैक्टिरयां पकड़ी हैं। इसके अलावा जिले से सटे यूपी के इलाकों से यहां असलहों की खेप चोरी-छिपे पहुंच ही जाती है।

डॉक्टर 21 अक्टूबर से ओपीडी में पहनेंगे काली टी-शर्ट, सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

भुवनेश्वर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा मेडिकल सर्विस एसोसिएशन (ओएमएसए) ने राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने की तैयारी कर ली है। संगठन ने घोषणा की है कि 21 अक्टूबर से डॉक्टर ओपीडी में काली टी-शर्ट पहनकर विरोध दर्ज कराएंगे। इसके बाद 3 नवंबर से प्रदेशभर में ओपीडी सेवाओं समेत सभी सरकारी कार्यक्रमों का बहिष्कार किया जाएगा। ओएमएसए अध्यक्ष डॉ। किशोर मिश्र ने बताया कि जब तक राज्य सरकार डॉक्टरों की 18 सूत्रीय मांगों को पूरा नहीं करती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि जुलाई में स्वास्थ्य मंत्री और सचिव ने संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर मांगों को मानने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सितंबर में हुई ओएमएसए की केंद्रीय कार्यकारिणी समिति (सीईसी) की बैठक में सरकार को एक महीने की मोहलत दी गई थी। डॉ। मिश्र ने चेतावनी दी कि यदि 20 अक्टूबर तक सरकार ने मांगों पर कार्रवाई नहीं की, तो संगठन पूर्व घोषणा के अनुसार विरोध कार्यक्रम शुरू करेगा। ओएमएसए ने वेतन विसंगति दूर करने, पदोन्नति नीति में सुधार, कार्यस्थल पर सुरक्षा, और चिकित्सकों के लिए बेहतर सुविधाओं की मांग की है। संगठन का कहना है कि सरकार की उदासीनता से राज्यभर के डॉक्टरों में गहरा आक्रोश है।

सरकारी समारोह में कुरान पढ़ने पर विवाद

कर्नाटक में बीजेपी विधायक ने उठाए सवाल

हुबली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के हुबली में 5 अक्टूबर को आयोजित एक सरकारी कार्यक्रम के दौरान कुरान पढ़े जाने पर जमकर बवाल हो रहा है। बीजेपी विधायक ने इस पर आपत्ति जताई है। उन्होंने इसे सरकारी मंच का दरुपयोग करार दिया है। बीजेपी विधायक और विपक्ष के उपनेता अरविंद बेलाड ने इस कार्यक्रम के तरीके की आलोचना की है। उनका आरोप है कि कांग्रेस नेताओं और अधिकारियों ने इस समारोह को एक पार्टी शो में बदल दिया।

प्रशासनिक प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन

बीजेपी विधायक बेलाड ने कहा कि सरकारी कार्यक्रम के मंच पर कुरान का पाठ और अधिकारियों का पार्टी कार्यकर्ताओं की तरह व्यवहार प्रशासनिक प्रोटोकॉल का खुला उल्लंघन है। उन्होंने विशेष रूप से एचडीएमसी कमिश्नर रुद्रेश घाली और जिला पंचायत के सीईओ भुवनेश पाटिल का जिक्र करते हुए कहा कि वे सरकारी नियमों को लागू करने के बजाय पार्टी के मेहमानों की तरह कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

सरकारी कार्यक्रम में हुआ कुरान का पाठ

बता दें कि कर्नाटक सरकार ने इस कार्यक्रम को लाभार्थियों को मुफ्त सिलाई मशीनें वितरित करने और देवर गुड़ीहाल रोड पर विकास कार्यों के शुभारंभ के लिए आयोजित किया था। श्रम और जिला प्रभारी मंत्री संतोष लाड ने विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया था। इस कार्यक्रम के दौरान लगभग 14 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की घोषणा की गई थी। लेकिन कार्यक्रम में कुरान के पाठ की बीजेपी जमकर आलोचना कर रही है।

मुख्य सचिव से जांच की मांग

बीजेपी विधायक ने कहा कि उन्होंने इसे लेकर मुख्य सचिव को पत्र लिखकर जांच की मांग की है। साथ ही अधिकारियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की भी मांग की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहाकि अगर सरकार कार्रवाई नहीं करती है, तो वह इस मामले को आगामी विधानसभा सत्र में उठाएंगे।

24 घंटे में तीन पुरुषों ने दो बार किया गैंगरेप गुजरात में कंपा देने वाली हैवानियत

अहमदाबाद/राजकोट, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में महिला के साथ हैवानियत की घटना सामने आई है। जिले में ऊना में तीन पुरुषों ने एक महिला के साथ 24 घंटे में दो-दो बार सामूहिक गैंगरेप किया। इतना ही नहीं इसके बाद उन्होंने महिला को मुंह बंद रखने के लिए धमकाया। इस घटना का खुलासा तब हुआ जब महिला पेट में उठे दर्द को बर्दाश्त नहीं कर पाई और उसे हॉस्पिटल जाना पड़ा। महिला के अनुसार आरोपियों ने उसे घर तक सुरक्षित छोड़ने की पेशकश की। इसके बाद वे उसे एक सुनसान जगह पर ले गए। इतना ही नहीं बाद में अपने एक घर में ले गए।

जहां उसके साथ बलात्कार हुआ। गिर सोमनाथ जिले के तटीय शहर ऊना में यह घटना पिछले हफ्ते सामने आई। नवबंदर पुलिस स्टेशन के प्रभारी निरीक्षक एमएन राणा ने कि यह मामला तब सामने आया जब मजदूरी करके अपनी आजीविका चलाने वाली विधवा महिला को मंगलवार को ऊना के सरकारी अस्पताल में भर्ती हुई। पेट में तेज दर्द की शिकायत के बाद उसके परिवार वाले उसे इलाज के लिए ले गए। डॉक्टरों को बलात्कार के बारे में बताने के बाद अस्पताल ने एक मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) जारी किया और पुलिस को सूचित किया। विधवा ने नवबंदर मरीन पुलिस स्टेशन में तीनों पुरुषों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। रेप करने वाले मछुआरे हैं। जांच में पता चला है कि विधवा के पति का 10 साल पहले निधन हो गया था।

महिला एएसआई की उतर गई वर्दी, इतना ब्लैकमेल किया, टीआई ने कर ली आत्महत्या

इंदौर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के चर्चित टीआई हाकम सिंह पंवार आत्महत्या मामले में सवा तीन साल बाद बड़ी कार्रवाई हुई है। मध्य प्रदेश शासन ने आरोपी महिला असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर (एएसआई) रंजना खांडे को पुलिस सेवा से बर्खास्त कर दिया है। एक उच्च-स्तरीय विभागीय जांच में यह साबित हुआ है कि रंजना ने टीआई हाकम सिंह पंवार को ब्लैकमेल किया। इससे पुलिस विभाग की छवि धूमिल हुई। बर्खास्तगी के आदेश से पहले तक रंजना धार जिले में पदस्थ थी।

यह घटना जून 2022 की है। भोपाल के श्यामला हिल्स थाने के टीआई हाकम सिंह पंवार इंदौर के रीगल चौराहे स्थित पुलिस कंट्रोल रूम परिसर में आकर महिला एसआई रंजना खांडे के साथ कॉफी पी रहे थे। दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ और टीआई ने अचानक गोली चला दी। कंट्रोल रूम के बाहर दो फायर की आवाज सुन अन्य पुलिसकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो वहां कार के पास टीआई हाकम सिंह पवार और एसआई रंजना लहूलुहान पड़े थे। पुलिसकर्मियों ने समझा कि दोनों को किसी ने गोली मारी है। जब वे पास पहुंचे तो माजरा समझ आया। टीआई के पैरों के पास उनकी सर्विस रिवॉल्वर पड़ी हुई थी। जब महिला तो हिलाया तो वह उठकर बैठ गईं और सड़क पर आ गईं। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया। इस हमले में रंजना के कान के पास से गोली निकलने के कारण वह बच गई थी, जबकि टीआई की मौके पर ही मौत हो गई थी।

घटना के बाद इस मामले की दो बार जांच की गई। शुरुआत में टीआई के परिवार ने रंजना पर ब्लैकमेलिंग के गंभीर आरोप लगाए थे, जिसके आधार पर रंजना के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार भी किया गया था। पहली विभागीय जांच एक एसआईटी ने की थी, जिसने रंजना को दोषी मानते हुए उसकी एक वेतनवृद्धि रोकने की सजा दी थी। हालांकि, तत्कालीन पुलिस कमिश्नर संतोष सिंह इस जांच के नतीजों से संतुष्ट नहीं थे।

पुलिस कमिश्नर के आदेश पर अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर मुख्यालय आरके सिंह ने मामले की दोबारा जांच की। इस जांच में यह बात स्पष्ट रूप से सामने आई कि एएसआई रंजना, टीआई हाकम सिंह को लगातार ब्लैकमेल कर परेशान कर रही थी। जांच अधिकारी ने माना कि रंजना के इस कृत्य से पुलिस जैसे अनुशासित विभाग की छवि पर गंभीर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर रंजना खोडे को सेवा से बर्खास्त करने की सिफारिश की गई, जिसे अब शासन ने मंजूरी दे दी है।

पुलिस ने दो आरोपी किए काबू, पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए मंगवाते थे हथियार; पिस्टल-बाइक बरामद

अमृतसर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत अमृतसर जिला देहाती पुलिस के स्पेशल सेल की टीम ने खुफिया जानकारी के आधार पर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 3 पिस्टल (.30 बोर), 10 जिंदा राउंड, एक मोबाइल फोन और एक बिना नंबर की मोटरसाइकिल बरामद हुई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान प्रभजीत सिंह उर्फ हप्पा पुत्र कनवलजीत सिंह और जसनदीप सिंह पुत्र सुखदेव सिंह, दोनों निवासी गांव दाऊके के रूप में हुई है।

सुविचार: सबको सम्मान देने वाला व्यक्ति सदा सम्मान में रहता है

बीआरएस ने आरटीसी किराया वृद्धि की निंदा की

> केटीआर को नज़रबंद कर दिया, बाद में बस भवन जाने की मिली अनुमति
> वरिष्ठ नेताओं ने टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक को ज्ञापन सौंपा

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) द्वारा बस किराए में की गई भारी वृद्धि के खिलाफ अपना विरोध तेज कर दिया है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के. टी. रामा राव (केटीआर) ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के साथ टीएसआरटीसी के प्रबंध निदेशक से मुलाकात की और बढ़े हुए किराए को तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। केटीआर ने कांग्रेस सरकार से बढ़े हुए किराए को वापस लेने का पुरजोर आग्रह किया, जिससे हैदराबाद के नागरिकों पर भारी बोझ पड़ा है।

उन्होंने यह भी मांग की कि सरकार टीएसआरटीसी की मुख्य समस्याओं का तत्काल समाधान करे और अपने कर्मचारियों से किए गए वादों को पूरा करे। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने कांग्रेस प्रशासन पर निगम को निजीकरण की ओर धकेलने की जानबूझकर की गई साजिश का आरोप लगाया। केटीआर ने आरोप लगाया, "सरकार टीएसआरटीसी की संपत्तियों को बेचने की कोशिश कर रही है और अंततः संगठन के निजीकरण की साजिश रच रही है।" उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि सरकार आरटीसी को आर्थिक रूप से कमज़ोर करने की सक्रिय कोशिश कर रही है। एमडी के साथ बैठक के दौरान, बीआरएस नेताओं ने सरकारी बकाया राशि पर स्पष्टीकरण की माँग की। एमडी ने कथित तौर पर उन्हें बताया कि 'महालक्ष्मी' मुफ़्त बस योजना से संबंधित 1,353 करोड़ रुपए बकाया हैं। बदले में, बीआरएस नेताओं ने दावा किया कि उनकी पिछली सरकार ने आरटीसी अनुदान के रूप में 9,246 करोड़ रुपए जारी किए थे।

बैठक के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए, केटीआर ने राज्य सरकार के कामकाज पर तीखा हमला बोला। केटीआर ने गुस्से में कहा, "यह सरकार सरकार चलाना नहीं जानती; वे केवल सर्कस चलाना जानते हैं।" उन्होंने किराया वृद्धि की आलोचना करते हुए कहा कि तेलंगाना के आम और मध्यम वर्ग के लोगों पर इतना बोझ डालना अन्यायपूर्ण है, खासकर जब राज्य पिछले दो वर्षों से आर्थिक कठिनाइयों और रोज़गार के अवसरों में गिरावट का सामना कर रहा है। केटीआर ने किराया बढ़ोतरी के पीछे के औचित्य पर सवाल उठाया: "हम महिलाओं के लिए मुफ़्त बस सेवा का स्वागत करते हैं, लेकिन बसों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए। महिलाओं की मुफ़्त यात्रा की भरपाई के लिए वे पुरुषों से दोगुना किराया वसूल रहे हैं। एक हाथ से मुफ़्त सेवा देना और दूसरे हाथ से टिकट की कीमत बढ़ाना क्रूरता है।" केटीआर ने कहा, "अगर मुफ़्त बस सेवा से घाटा होता है, तो इसका बोझ सरकार को उठाना चाहिए, जनता को नहीं। सार्वजनिक परिवहन सरकार की सामाजिक ज़िम्मेदारी है।"

उन्होंने यह भी बताया कि पिछली केसीआर सरकार ने आरटीसी को हुए घाटे को वहन किया था। किराया वृद्धि के विरोध में आयोजित बीआरएस के 'चलो बस भवन' कार्यक्रम में भारी तनाव देखा गया। सुबह-सुबह, बड़ी संख्या में तैनात पुलिस ने केटीआर को नज़रबंद कर दिया। व्यापक आलोचना के बाद, सरकार ने केटीआर और पार्टी के अन्य नेताओं को बस भवन जाने की अनुमति दे दी। केटी रामा राव, तलसानी श्रीनिवास यादव और पद्मा राव गौड़ जैसे वरिष्ठ नेताओं के साथ, सिकंदराबाद के रेजिमेंटल बाज़ार बस स्टॉप से बस से बस भवन गए। पुलिस ने उन्हें आरटीसी चौराहे के पास रोकने की कोशिश की, जिससे तीखी बहस हुई। बीआरएस ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके कार्यकर्ताओं और नेताओं के साथ सख्ती बरती। अंततः, केवल निर्वाचित प्रतिनिधियों को ही बस भवन में प्रवेश की अनुमति दी गई।

घर में नज़रबंदी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, केटीआर ने कहा, "जब हमने आरटीसी एमडी को एक पत्र सौंपने के लिए बस लेकर शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन करने का प्रयास किया, तो राज्य सरकार ने भारी पुलिस बल तैनात कर दिया और सभी को गिरफ्तार कर लिया। हमें गिरफ्तार किया जा रहा है, जबकि राज्य और राजधानी में अपराध दर लगातार बढ़ रही है। पुलिस और सरकार को राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार करने के बजाय अपराध नियंत्रण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। सरकार हमारे द्वारा आरटीसी एमडी को पत्र सौंपने से इतना क्यों डरती है?" उन्होंने सवाल किया।

मानसिक स्वास्थ्य सप्ताह के उपलक्ष्य में विशेष फिल्म का प्रदर्शन

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कारगिल युद्ध के अनुभवी और जी जिंदगी फाउंडेशन के संस्थापक ग्रुप कैप्टन जी.जे. राव द्वारा निर्मित पुरस्कार विजेता फिल्म "सितंबर-10" को गुरुवार को विश्व मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह के अंतर्गत एर्रागड्डा स्थित मानसिक स्वास्थ्य संस्थान में आयोजित एक विशेष स्क्रीनिंग के दौरान मानसिक स्वास्थ्य चिकित्सा जगत से व्यापक सराहना मिली।

आत्महत्या रोकथाम पर केंद्रित इस फिल्म को इस विषय के संवेदनशील और यथार्थवादी चित्रण के लिए सराहा गया। राव के प्रयास की सराहना करते हुए, मनोचिकित्सा विभाग की प्रोफेसर, संस्थान की अधीक्षक और राज्य मानसिक स्वास्थ्य प्राधिकरण की सीईओ डॉ. अनीता रायिराला ने कहा कि आज की तेज-तर्रार दुनिया में मानसिक स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। स्क्रीनिंग में उपस्थित लोगों में मनोचिकित्सा विभाग की प्रोफेसर और प्रमुख डॉ.के. सुधा रानी, मीना गुप्ता, आईएएस, भारत सरकार की सेवानिवृत्त सचिव, डॉ.पी. रघुरामी रेड्डी, सलाहकार मनोचिकित्सक और मानसिक स्वास्थ्य संस्थान के पूर्व अधीक्षक डॉ.के. अशोक रेड्डी, सलाहकार मनोचिकित्सक और सरकारी मेडिकल कॉलेज, महबूबनगर के संस्थापक निदेशक और ग्रुप कैप्टन जी.जे. राव शामिल रहे। इस कार्यक्रम में संस्थान के लगभग 150 नर्सिंग स्टाफ सदस्यों और लगभग 50 स्नातकोत्तर छात्रों और संकाय सदस्यों ने भाग लिया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, ग्रुप कैप्टन राव ने मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य के महत्व पर जोर देते हुए कहा, स्वस्थ मन ही स्वस्थ समाज का निर्माण करता है। आयोजकों ने आत्महत्या रोकथाम और मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता के प्रति ग्रुप कैप्टन राव की दो दशकों की समर्पित सेवा और प्रतिबद्धता की सराहना की और उन्होंने सभी को यह फ़िल्म देखने की पुरजोर सिफारिश की क्योंकि यह निश्चित रूप से जीवन बचाएगी। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकारों से भी अपील की कि वे इस फ़िल्म को अपनाएं और युद्धस्तर पर अनमोल जीवन बचाने के लिए हर संभव तरीके से इसका प्रदर्शन करें, क्योंकि हर 4 मिनट की देरी आत्महत्याओं के कारण जान गंवा रही है।

तेलंगाना में अगले तीन दिनों तक बारिश जारी रहेगी

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक तेलंगाना में लगातार बारिश का अनुमान जताया है। विभाग के अनुसार, दक्षिण ओडिशा से मन्नार की खाड़ी तक तटीय आंध्र, रायलसीमा और कोमोरिन क्षेत्र से होकर गुजरने वाली एक द्रोणिका समुद्र तल से औसतन 0.9 किमी की ऊंचाई पर बनी रहेगी। इसके प्रभाव से, भूपालपल्ली, मुलुगु, कोत्तागुडेम, खम्मम, नलगोंडा, सूर्यपेट, महबूबाबाद, रंगारेड्डी, हैदराबाद, मेडचल-मलकजगिरी, विकाराबाद, नागरकर्नूल, वानापर्थी और जोगुलम्बा गदवाल सहित कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है।

शुक्रवार को कोत्तागुडेम, खम्मम, सूर्यपेट और महबूबाबाद जिलों में गरज के साथ बिजली गिरने और 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। शनिवार को भी कोत्तागुडेम, खम्मम और महबूबाबाद में इसी तरह का मौसम बना रहने की उम्मीद है। मौसम विभाग ने संबंधित जिलों के लिए येलो अलर्ट जारी किया है और निवासियों से सतर्क रहने का आग्रह किया है।

भाजपा, बीआरएस 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण में रोड़ा अटका रहे हैं : शब्बीर अली

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और सरकार के सलाहकार मोहम्मद अली शब्बीर ने गुरुवार को भाजपा और बीआरएस पर स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के कार्यान्वयन में संयुक्त रूप से बाधा डालने का आरोप लगाया।

चुनाव अधिसूचना पर उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई रोक पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, शब्बीर अली ने कहा कि दोनों दल पहले आरक्षण का समर्थन करने के बावजूद लोगों को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार ने पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के आधार पर दो बार विधेयक पारित किया, जिसमें पाया गया था कि तेलंगाना की 56 प्रतिशत आबादी पिछड़ी जातियों की है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राज्यपाल ने विधेयक को केंद्र को भेजने में देरी की, जबकि बीआरएस की याचिका के कारण स्थगन आदेश जारी हुआ और भाजपा ने इसे नौवीं अनुसूची में शामिल करने से रोक दिया। उन्होंने आरोप लगाया, दोनों दलों ने मिलकर पिछड़ा वर्ग को उनका उचित हिस्सा देने से इनकार किया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस 42 प्रतिशत पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और अदालत के फैसले की प्रति मिलने के बाद आगे के कदम तय करेगी।

एफटीसीसीआई ने अवार्ड्स की घोषणा की

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई) ने अपने एचआर अचीवर्स अवार्ड्स 2025 के सातवें संस्करण का शुभारंभ किया है, जिसमें मानव संसाधन प्रथाओं में उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले संगठनों और मानव संसाधन पेशेवरों से नामांकन आमंत्रित किए गए हैं। पुरस्कार पोस्टर का अनावरण एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने केके माहेश्वरी, श्रीनिवास गरिमेला और समिति के सदस्यों सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ किया। एफटीसीसीआई के अध्यक्ष आर. रवि कुमार ने कहा, ये पुरस्कार उन नवीन मानव संसाधन रणनीतियों को मान्यता देते हैं जो संगठनात्मक उत्कृष्टता और कर्मचारी विकास को बढ़ावा देती हैं।

हम कंपनियों और पेशेवरों को अपनी सबसे प्रभावशाली पहलों को प्रदर्शित करने के लिए आमंत्रित करते हैं। संगठनों के लिए पुरस्कार श्रेणियों में प्रतिभा अधिग्रहण और प्रबंधन में सर्वश्रेष्ठ, शिक्षण और विकास में सर्वश्रेष्ठ, सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली, सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी जुड़ाव रणनीति और मानव संसाधन प्रौद्योगिकी में सर्वश्रेष्ठ शामिल हैं। व्यक्तियों के लिए 1. सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन प्रबंधक 2. सर्वश्रेष्ठ मानव संसाधन प्रमुख। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर 2025 है।

जेनएआई उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आईआईआईटी हैदराबाद और टैलेंटस्प्रिंट की पहल

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईआईटी हैदराबाद ने जेनरेटिव एआई (जेनएआई) के क्षेत्र में नेतृत्व करना चाहने वाले पेशेवरों के लिए टैलेंटस्प्रिंट के साथ मिलकर एक उन्नत तीन महीने का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। यह कार्यक्रम अनुभवी पेशेवरों के लिए डिजाइन किया गया है और इसमें लाइव इंटरैक्टिव कक्षाओं, संरक्षक-निर्देशित प्रयोगशालाओं और एक कैपस्टोन परियोजना का मिश्रित प्रारूप शामिल है।

प्रतिभागियों को ओपनएआई और हगिंग फेस एपीआई का उपयोग कर एप्लिकेशन बनाने, लैंगचेन और वेक्टर डेटाबेस जैसे एफएआईएसएस और क्रोमा में महारत हासिल करने, त्वरित इंजीनियरिंग रणनीतियां डिजाइन करने, आरएजी पाइपलाइनों का विकास करने और बुद्धिमान एआई प्रणालियां तैनात करने का अनुभव मिलेगा। आईआईआईटी हैदराबाद के निदेशक प्रोफेसर संदीप के. शुक्ला ने बताया कि यह पाठ्यक्रम प्रतिभागियों को जेनएआई स्टैक में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।

10 करोड़ की ड्रग के साथ चार गिरफ्तार

पीएनएम लाइफ साइंसेज फैक्ट्री सील

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पुलिस की स्पेशल यूनिट ईगल (इलीट एक्शन ग्रुप फार ड्रग ला इनफोर्समेंट) द्वारा हैदराबाद के जीडीमेटला क्षेत्र स्थित साई दत्ता रेसिडेंसी, स्प्रिंगफील्ड कॉलोनी, सुचित्रा क्रॉस रोड्स के एक फ्लैट पर छापेमारी की गई।

इस कार्रवाई में 4 ड्रग निर्माताओं को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 220 किलोग्राम एफेड्रिन ड्रग तथा 4 मोबाइल फोन बरामद किए गए। जब्त की गई एफेड्रिन ड्रग की कीमत भारतीय बाजार में लगभग 10 करोड़ और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में 70 करोड़ आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम वस्तवयी शिवा रामकृष्ण परमा वर्मा, डंगेटी अनिल, मुसिनी दोराबाबू और मड्डू वेंकट कृष्णा राव हैं, जबकि एक अन्य आरोपी एम. प्रसाद फरार है।

पूछताछ में पता चला कि मुख्य आरोपी शिवा रामकृष्ण परमा वर्मा पूर्व में भी एनसीबी बेंगलुरू और हैदराबाद द्वारा 2017 और 2019 में क्रमशः एम्फेटामीन और एल्प्राजोलाम तस्करी के मामलों में गिरफ्तार हो चुका है। दिसंबर 2024 में शिवा रामकृष्ण ने बोलारम स्थित पीएनएम लाइफ साइंसेज फैक्ट्री में अनिल से संपर्क किया और उसे एफेड्रिन निर्माण का प्रस्ताव दिया। यह प्रस्ताव कंपनी के निदेशकों वेंकट कृष्णा राव और प्रसाद के पास भी गया, जिन्होंने मोटी रकम के लालच में फैक्ट्री का उपयोग करने की अनुमति दी। शिवा रामकृष्ण ने रासायनिक फॉर्मूला, कच्चा माल (टोलीन, ब्रोमिन, एसीटोन) और 8 लाख रुपए नकद ट्रांसफर किए, जिससे अनिल ने अन्य रसायन जैसे सोडियम हाइड्रॉक्साइड, हाइड्रोक्लोरिक एसिड, सोडियम बोरोहाइड्राइड आदि खरीदे। तैयार एफेड्रिन को आरोपी के फ्लैट में छिपा दिया गया था।

आरोपी दोराबाबू, जो अनिल का मित्र है, को खरीदारों की तलाश के लिए लगाया गया था। ईगल टीम पूर्व में गिरफ्तार हुए अपराधियों पर गुप्त निगरानी रखे हुए थी और शिवा रामकृष्ण की गतिविधियों के आधार पर टीम ने फ्लैट पर छापा मारकर सभी चार आरोपियों को रंगे हाथों पकड़ लिया। पूछताछ में यह भी सामने आया कि एफेड्रिन से मेथामफेटामीन जैसी अत्यधिक नशीली ड्रग तैयार की जा सकती है, जिसकी कीमत दस गुना तक बढ़ जाती है।

पीएनएम लाइफ साइंसेज़ फैक्ट्री को भी सील कर दिया गया है, जहां से यह ड्रग तैयार की गई थी। फैक्ट्री के पास कोई वैध लीज डीड, बोर्ड मीटिंग रिकॉर्ड, बैंक ट्रांजेक्शन या वैध अनुमति पत्र नहीं था, जिससे यह स्पष्ट होता है कि फैक्ट्री मालिक भी इस अवैध निर्माण में पूर्ण रूप से संलिप्त थे। एफेड्रिन के सेवन से व्यक्ति को गंभीर दुष्प्रभाव जैसे घबराहट, नींद न आना, मतली, उल्टी, भूख की कमी, वजन घटना, चक्कर आना आदि हो सकते हैं।

ईगल टीम, ने आम जनता विशेषकर युवाओं और छात्रों से अपील की जाती है कि वे ड्रग्स जैसे जानलेवा जाल में न फंसें और माता-पिता से अनुरोध है कि वे अपने बच्चों की गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखें।

न्याय व मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग तेलंगाना पुलिस की मूल कार्यशैली होनी चाहिए : बी. शिवधर रेड्डी

डीजीपी ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी ने गुरुवार को पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि 'न्यायपूर्ण, सख्त, मैत्रीपूर्ण और व्यावसायिक पुलिसिंग" तेलंगाना पुलिस की मूल कार्यशैली होनी चाहिए। डीजीपी कार्यालय में आयोजित बैठक में सभी अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक , आयुक्त , पुलिस अधीक्षक और डीसीपी मौजूद थे।

श्री रेड्डी ने कहा कि आधुनिक पुलिसिंग का मूल मंत्र जनता-केन्द्रित दृष्टिकोण और जवाबदेही है। उन्होंने समझाया कि न्यायपूर्ण पुलिसिंग का अर्थ है सभी नागरिकों को समान रूप से कानून के दायरे में लाना; सख्त पुलिसिंग कानून के शासन को बिना किसी भय या पक्षपात के लागू करना; मैत्रीपूर्ण पुलिसिंग से जनता में विश्वास और सहयोग बढ़ता है, जबकि व्यावसायिक पुलिसिंग में दक्षता, ईमानदारी और अनुशासन की जरूरत होती है। डीजीपी ने कहा कि बेसिक पुलिसिंग में बीट पेट्रोलिंग, निगरानी, अपराध रोकथाम, गश्त, खुफिया जानकारी, आपात प्रतिक्रिया, और सामुदायिक भागीदारी शामिल हैं, यह पुलिसिंग की रीढ़ है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस की सफलता केवल अपराध दर से नहीं बल्कि जनता के विश्वास और संतोष से आंकी जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक तकनीक को बुनियादी पुलिसिंग से जोड़ने से अपराधों की रोकथाम, पूर्वानुमान, जांच और प्रशासनिक कार्यों में उल्लेखनीय सुधार लाया जा सकता है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से तकनीक आधारित कामकाज को पूरी ईमानदारी से लागू करने और फीडबैक साझा करने को कहा। कानून व्यवस्था पर बोलते हुए डीजीपी ने कहा कि प्रभावी गुप्तचर जानकारी, त्वरित कार्रवाई और निष्पक्षता के साथ काम करना जरूरी है।

हत्या, यौन अपराध, संगठित अपराध, साइबर क्राइम और मादक पदार्थों से जुड़े मामलों में पेशेवर और ठोस जांच कर शीघ्र चार्जशीट दायर की जानी चाहिए ताकि सजा की दर बढ़े। प्रशासनिक अनुशासन पर बात करते हुए उन्होंने रिकॉर्ड संधारण, नियमित ऑडिट, प्रदर्शन की निगरानी और अन्य विभागों से बेहतर समन्वय पर बल दिया, विशेषकर आपदा प्रबंधन और चुनाव ड्यूटी में। पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य, आवास और कार्यस्थल की स्थिति को बेहतर बनाने तथा साइबर क्राइम, फॉरेंसिक और सॉफ्ट स्किल्स पर नियमित प्रशिक्षण की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया।

सड़क सुरक्षा को लेकर डीजीपी ने चौंकाने वाला आंकड़ा साझा करते हुए बताया कि हर साल तेलंगाना में औसतन 900 हत्याएं होती हैं जबकि सड़क दुर्घटनाओं में 8,000 से अधिक लोगों की जान जाती है। उन्होंने सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लेने, रात्रि गश्त, नशे में ड्राइविंग की जांच, जन-जागरूकता अभियान और जिला सड़क सुरक्षा समितियों के गठन के निर्देश दिए।

अपने समापन भाषण में डीजीपी श्री शिवधर रेड्डी ने कहा, "हम समाज से अनुशासन की अपेक्षा नहीं कर सकते यदि हम स्वयं उसका पालन नहीं करें। हमारी वर्दी सम्मान का प्रतीक है। हमें हर दिन अपने आचरण से उस सम्मान को बनाए रखना चाहिए।"

बैठक में कानून व्यवस्था एडीजी महेश एम. भगवत ने जुबली हिल्स उपचुनाव एवं स्थानीय निकाय चुनावों के लिए की जा रही तैयारियों की जानकारी दी। प्रशिक्षण एडीजी वी.वी. श्रीनिवास राव ने बताया कि नवचयनित डीएसपी का प्रशिक्षण 2% अक्टूबर से आरंभ होगा और सभी अभ्यर्थियों को 26 अक्टूबर को आरबीवीआरआर टीजीपीए में रिपोर्ट करना होगा।

उन्होंने बताया कि यह अब तक का सबसे बड़ा डीएसपी बैच होगा। बैठक में अतिरिक्त डीजीपी श्रीमती स्वाति लकड़ा, श्रीमती चारु सिन्हा, अनिल कुमार, संजय कुमार जैन, खुफिया एडीजीपी विजय कुमार, हैदराबाद सीपी वी.सी. सज्जनार, राचकोंडा सीपी सुधीर बाबू, साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती सहित सभी यूनिट अधिकारी उपस्थित रहे।

दो ड्रग तस्कर गिरफ्तार, 107.4 ग्राम कोकीन बरामद

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद के नरसिंगी थाना पुलिस एवं तेलंगाना नारकोटिक्स ब्यूरो की ईगल टीम द्वारा संयुक्त रूप से कार्यवाही करते हुए मनचिरेवुला क्षेत्र में दो ड्रग तस्करों को गिरफ्तार किया गया। डीसीपी राजेन्द्रनगर मंडल, साइबराबाद योगेश गौतम ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के नाम सीरम अनंत कुमार (उम्र 50 वर्ष) और पेरुरु वीराबाबू (उम्र 32 वर्ष) हैं। इनकी तलाशी लेने पर उनके पास से 107.4 ग्राम कोकीन और दो मोबाइल फोन बरामद किए गए, जिनकी कुल बाजार कीमत लगभग 7,50,000 रुपये आंकी गई है। यह ड्रग्स मुंबई से लाया गया था और हैदराबाद में वितरित किया जाना था। आरोपियों से पूछताछ करने पर यह खुलासा हुआ कि अनंत कुमार वर्ष 2017 से कोकीन का आदी है और वह मुंबई निवासी कार्तिकेय शेखर (वर्तमान में फरार) से कोकीन मंगवाकर हैदराबाद में बेचता था। वीराबाबू ड्रग्स की डिलीवरी में उसका सहयोग करता था। यह ऑपरेशन नरसिंगी निरीक्षक हरी कृष्णा रेड्डी, टीजीएएनबी निरीक्षक रमेश रेड्डी एवं गोपी के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। आरोपियों के विरूद्ध नरसिंगी थाने में मामला दर्ज किया गया है।

नलसर कल सम्मेलन का आयोजन करेगा

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नलसर विधि विश्वविद्यालय शनिवार (11 अक्टूबर, 2025) को यहां "भविष्य के लिए न्याय क्षमता का निर्माण: तेलंगाना संवाद में" सम्मेलन का आयोजन करेगा। नलसर के न्याय तक पहुंच कार्यक्रम द्वारा इंडिया जस्टिस रिपोर्ट (आईजेआर) के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में नीति निर्माता, न्यायाधीश, अधिवक्ता और शिक्षाविद आईजेआर के 2025 के निष्कर्षों पर चर्चा करने के लिए एक मंच पर आएंगे। मुख्य भाषण न्यायमूर्ति मुरलीधर द्वारा दिए जाएंगे, जबकि तकनीकी सत्र न्यायमूर्ति सैम कोशी और अन्य प्रख्यात वक्ताओं की अध्यक्षता में कानूनी सहायता, जेल, पुलिस और न्यायपालिका पर केंद्रित होंगे, और भारत में न्याय प्रदान करने की प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए डेटा-आधारित दृष्टिकोणों की खोज करेंगे।

मायावती बोलीं- सपा दोगली पार्टी, योगी की तारीफ की

आजम खान की जॉइनिंग की अटकलों पर कहा- मैं किसी से छिपकर नहीं मिलती

लखनऊ, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 9 साल बाद लखनऊ में शक्ति प्रदर्शन किया। वह पुराने तेवर में नजर आईं। भतीजे आकाश के साथ मंच पर पहुंचीं और हाथ हिलाकर समर्थकों का अभिवादन किया। उन्होंने मंच से सीएम योगी की तारीफ की और सपा को दोगला बताया। इस पर अखिलेश यादव पलटवार किया है। X पर लिखा- क्योंकि उनकी अंदरूनी साठ-गांठ जारी है, इसीलिए वो ज़ुल्म करने वालों की आभारी हैं।

मायावती ने आजम खान के बसपा में शामिल होने की अटकलों पर भी पहली बार जवाब दिया। कहा- मैं ऐसे किसी से छिपकर नहीं मिलती, जब भी मिलती हूं, खुले में मिलती हूं। नगीना सांसद चंद्रशेखर आजाद पर बिना नाम लिए निशाना साधा। कहा- ऐसे बिकाऊ लोगों से सावधान रहने की जरूरत है। 1 घंटे के संबोधन में मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को तवज्जो दी। उन्होंने संकेतों में यह साफ कर दिया कि वही उनके उत्तराधिकारी होंगे। साथ ही बसपा के 5 सीनियर नेताओं के बेटों का नाम लेकर उनकी तारीफ की। आखिरी बार मायावती ने इतनी बड़ी रैली अक्टूबर 2016 में की थी।

मायावती अपने संबोधन के दौरान अखिलेश यादव और सपा पर सीधे हमलावर नजर आईं। कहा-सपा को जब सत्ता में रहने का मौका मिलता है, तब इन्हें न तो PDA याद आता है, न ही बहुजन समाज के हितों की चिंता होती है। लेकिन जैसे ही कुर्सी हाथ से जाती है, ये खुद को सामाजिक न्याय का सबसे बड़ा ठेकेदार बताने लगते हैं। जनता अब इनके ऐसे दोगले और स्वार्थी रवैये को अच्छी तरह समझ चुकी है।

योगी सरकार की तारीफः मैं वर्तमान सरकार की आभारी हूं। कांशीराम पार्क और अंबेडकर पार्क में आने वाले लोगों से मिले टिकटों का पैसा सपा सरकार की तरह दबाकर नहीं रखा गया। मेरी आग्रह पर पार्क की मरम्मत पर पूरा खर्च किया गया, जबकि सपा सरकार ने पार्क के रखरखाव की बजाय दूसरे मदों पर पैसा खर्च कर दिया था।

चंद्रशेखर पर निशानाःहमें कमजोर करने के लिए एक षड्यंत्र रचा जा रहा है। स्वार्थी और बिकाऊ किस्म के लोगों का इस्तेमाल करके कई संगठन बनवा दिए गए हैं। अब तो ये अंदर ही अंदर अपने वोट ट्रांसफर करवा कर इनके एक-दो उम्मीदवारों को जिता भी रहे हैं, ताकि दलित वोट बांटे जा सकें।

भतीजे की तारीफः मायावती ने कहा- आकाश आनंद एक बार फिर पार्टी के मूवमेंट से जुड़ चुके हैं, यह शुभ संकेत है। वह मेरे दिशानिर्देश में काम करेंगे। जिस प्रकार कांशीराम जी ने मुझे आगे बढ़ाया, उसी तरह मैंने आकाश आनंद को आगे बढ़ाने का निर्णय लिया है। मुझे विश्वास है और आप सभी से अपील है कि आप लोग मेरी तरह आकाश का भी हर हाल में साथ देंगे। उन्होंने सतीश चंद्र मिश्रा और उनके बेटे कपिल मिश्रा की भी तारीफ की। इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह, प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल और जमील अख्तर की भी सराहना की।

खुद के ज्यादा सक्रिय होने का वादाः कांशीराम स्मारक में उमड़ी भीड़ से उत्साहित मायावती ने कहा- अब मैं आप लोगों के बीच ज्यादा से ज्यादा समय दूंगी। इस तरह के कार्यक्रमों में अधिक नजर आऊंगी। आप लोगों को भ्रमित नहीं होना है। 2027 में हमें पांचवीं बार बसपा की सरकार बनानी है। इसके लिए सपा, भाजपा और कांग्रेस जैसी जातिवादी पार्टियों के षड्यंत्रों से सजग रहना होगा।

समर्थकों को सराहाः मायावती ने मंच से कार्यकर्ताओं की प्रशंसा करते हुए कहा-भीड़ को अन्य दलों की तरह दिहाड़ी देकर नहीं लाया गया है। ये लोग खुद चलकर आए हैं, वो भी अपने खून-पसीने की कमाई से। मंच पर मायावती की एक कुर्सी लगाई गई थी। बगल में सोफे लगे थे। इनमें मुस्लिम समुदाय के तीन चेहरे (मुनकाद अली, नौसाद अली और शमसुद्दीन) और दलित समाज के चार चेहरे (मायावती के भाई आनंद, भतीजे आकाश, गिरीश चंद्र जाटव और धनश्याम चंद्र खरवार) बैठे थे। ओबीसी और सामान्य वर्ग से सतीश चंद्र मिश्रा, उमाशंकर सिंह और विश्वनाथ पाल को जगह मिली।

ज्योति ने मोदी-योगी के बाद बाहुबली बृजभूषण से लगाई गुहार

पवन के बचाव में सपना चौधरी, बोलीं- कमर छूने के बाद अंजली मंच पर चुप क्यों रही

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पवन सिंह और ज्योति सिंह के बीच विवाद बढ़ता जा रहा है। बुधवार को पवन सिंह ने ज्योति पर टिकट के लिए पास आने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा मैं भी चाहता हूं घर जाऊं तो बच्चे दरवाजा खोले। ज्योति ने भी आरोपों का जवाब देते हुए कहा बच्चे चाहते थे तो अबॉर्शन की दवा क्यों खिलाते थे।

ज्योति ने योगी, मोदी से भी मदद की गुहार लगाई थी। ज्योति सिंह ने अब यूपी के बाहुबली बृजभूषण शरण सिंह से मदद मांगी है। इधर, हरियाणा की डांसर सपना चौधरी पवन सिंह के बचाव में उतरी हैं। सपना ने कहा कि है कि, अंजली राघव को अगर पवन सिंह का कमर छूना इतना ही बुरा लगा था तो उन्होंने मंच पर ही इसका विरोध क्यों नहीं किया।

लखनऊ में हुए पवन सिंह और ज्योति सिंह के विवाद के बाद उनकी पत्नी ने टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में भावुक अपील करते हुए अपने समाज (क्षत्रिय समाज) के प्रभावशाली नेताओं सुधीर सिंह, सुशील सिंह, धनंजय सिंह और बृजभूषण शरण सिंह से इंसाफ दिलाने की गुहार लगाई थी। ज्योति सिंह की गुहार के बाद अब अब यूपी के कैसरगंज से पूर्व सांसद और बीजेपी नेता बृजभूषण शरण सिंह ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा है कि 'जब कोर्ट में प्रकरण विचाराधीन है, एक बलिया में और एक बिहार में। ऐसे में बृजभूषण या कोई और क्या कर सकता है। जो कोर्ट तय करेगी वही अंतिम होगा। मशहूर हरियाणवी डांसर-परफॉर्मर सपना चौधरी का एक पॉडकास्ट चर्चा में है। इसमें उन्होंने कहा- विवाद मेरा पीछा नहीं छोड़ते। जहां जाती हूं विवाद पीछे-पीछे आ जाते हैं। विवादों और मुकदमों की अब तो आदत हो गई है। मुझ पर 35 मुकदमे चल रहे हैं।

इसी दौरान उन्होंने हरियाणा की एक्ट्रेस अंजलि राघव की भोजपुरी स्टार पवन सिंह के साथ हुई कॉन्ट्रोवर्सी को बेतुका बताया। लखनऊ में एक स्टेज परफॉर्मेंस के दौरान पवन सिंह ने सरेआम अंजलि की कमर पर हाथ फेरा था। इसके बाद से यह विवाद सुर्खियों में है। सपना ने कहा कि अंजलि राघव के साथ जब मंच पर यह सब हुआ, तभी विरोध करना चाहिए था। बाद में इसका विरोध किया, यह गलत था। उल्लेखनीय है कि अंजलि राघव ने सफाई दी थी कि मंच पर इस वजह से कुछ नहीं बोल पाई क्योंकि वहां पवन सिंह के फैंस ज्यादा थे। कुछ कहती तो बड़ा विवाद हो सकता था।

कानपुर धमाके में एसीपी हटाए गए

6 पुलिसकर्मी सस्पेंड कमिश्नर बोले- आतंकी कनेक्शन नहीं

कानपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर के बिसाती बाजार में बुधवार शाम हुए विस्फोट का कोई आतंकी कनेक्शन नहीं मिला। पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने बताया- घटना में किसी आतंकी संगठन के हाथ होने का प्रमाण नहीं मिला। यह पूरी तरह से अवैध पटाखों से जुड़ी घटना है। इस मामले में एसीपी कोतवाली, मूलगंज थानाध्यक्ष और चौकी प्रभारी समेत 6 पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। उधर, विस्फोट का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। इसमें दिख रहा कि धमाका स्कूटी से नहीं, बल्कि दुकान के बाहर रखे गत्ते में हुआ। धमाके की सूचना के बाद यूपी डीजीपी ऑफिस और गृह विभाग दोनों सक्रिय हो गए थे। एटीएस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की टीमों ने मौके पर पहुंचकर इनपुट जुटाए। पटाखों से विस्फोट की बात सामने आने के बाद पुलिस कमिश्नर ने देर रात सर्च ऑपरेशन भी चलाया।

पुलिस ने सर्चिंग के दौरान अवैध पटाखों के साथ 12 लोगों को अरेस्ट किया। विस्फोट में कुल 8 लोग घायल हुए थे। इनमें चार को लखनऊ रेफर किया गया, जबकि दो घायलों का कानपुर में ही इलाज चल रहा। दो लोगों को फर्स्ट एड के बाद घर भेज दिया गया था।

पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया- यह मामला अवैध पटाखों के भंडारण से जुड़ा है। जिस दुकान के सामने विस्फोट हुआ, उसके पास भी काफी मात्रा में पटाखे बरामद हुए हैं। घटना वाली जगह से 25 मीटर दूरी पर एक गोदाम मिला है, वहां भी काफी मात्रा में विस्फोटक पदार्थ पाया गया।

जांच के दौरान लापरवाही पर मूलगंज थाना प्रभारी विक्रम सिंह, चौकी प्रभारी रोहित तोमर, कॉन्स्टेबल चेतन कुमार, अमित कुमार, ब्रह्मानंद और हेड कॉन्स्टेबल इमामुल हक को सस्पेंड किया है। कोतवाली क्षेत्र के एसीपी आशुतोष कुमार को भी हटा दिया गया है।

बिना लाइसेंस पटाखे रखने वालों पर कार्रवाई की जा रही है। अब तक घटना में 12 व्यक्तियों की पहचान की गई है। घटनास्थल से दो स्कूटी बरामद की गई हैं, जिनमें से एक स्कूटी सवार को गंभीर अवस्था में लखनऊ रेफर किया गया। वहीं, दूसरी स्कूटी चोरी की है।

घटना मस्जिद के पास हुई, इसे लेकर सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई। इसे "खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स" जैसी गतिविधियों से जोड़ने वाले सभी दावे गलत हैं। यह घटना अवैध रूप से पटाखे रखने के कारण हुई।

पुलिस के अनुसार, दिवाली के पहले बिसाती बाजार पटाखों का बड़ा बाजार बन जाता है। यहां की दुकानों में अवैध ढंग से बड़ी मात्रा में पटाखों को स्टोर किया जाता है। धमाके की वजह पता चलने के बाद पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल ने सर्च एंड सीजर ऑपरेशन चलाकर दुकानों की तलाशी करवाई। कई दुकानों के ताले भी तोड़े गए। करीब दो घंटे तक चली कार्रवाई के बाद पुलिस को कई दुकानों में सामान के नीचे छिपाकर रखे गए पटाखे मिले। देर रात करीब 2 बजे तक सर्च अभियान चला। दुकानों में स्टोर किए भारी मात्रा में पटाखे मिले। पुलिस ने 12 लोगों को अरेस्ट किया।

इकलौते बेटे की लाश लेकर दौड़ता रहा पिता

प्रयागराज में स्कूल का गेट गिरने से मौत, गांववाले बोले- बच्चों को पढ़ने नहीं भेजेंगे

प्रयागराज, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। समयः सुबह 6:30 बजे, 8 अक्टूबर। जगहः प्रयागराज का धमोह गांव। यहां प्राइमरी स्कूल का मेन गेट भरभराकर गिर गया। 250 किलो भारी लोहे के दरवाजे के नीचे 7 साल का इशू पाल दब गया। पिता पहुंचे तो उसकी सांसें चल रही थीं। उसे देखकर वे चीखने लगे। 4-5 और लोग दौड़ आए। इसके बाद दरवाजे को उठाकर इशू को बाहर निकाला गया। पिता बेटे को गोद में लेकर दौड़ते हुए सीएचसी पहुंचे। मगर तब तक इशू की सांसें थम चुकी थीं।

सफेद कपड़े में लिपटी इशू की डेड बॉडी जब उसके घर पहुंची, तो पूरे गांव के लोग इकट्ठा हो गए। गांव वालों ने कहा- स्कूल प्रबंधन ने हादसे के बाद जल्दबाजी में गेट की मरम्मत तो करवा दी है, मगर जब तक बच्चों की सुरक्षा को लेकर संतुष्टि नहीं होती, हम बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे।

दरअसल, इस स्कूल में 8वीं तक क्लासें चलती हैं, करीब 165 बच्चे पढ़ते हैं। ऐसे में जर्जर लोहे के गेट से और बड़ा हादसा हो सकता था। इस लापरवाही को देखते हुए बीएसए प्रयागराज ने स्कूल के प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया। ADO पंचायत ने प्रधान और सेक्रेटरी के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस को तहरीर दी है। डीएम मनीष कुमार वर्मा ने सीडीओ हर्षिका सिंह को मामले की जांच 24 घंटे में करके रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा है।

प्रयागराज से करीब 30 किमी दूर बहरिया ब्लॉक में धमोह गांव है। दैनिक भास्कर टीम यहां पहुंची। गांव में एक छप्परनुमा घर में मनोज पाल अपने परिवार के साथ रहते हैं। घर में पत्नी कांति देवी, बेटा इशू और बेटी परी उर्फ अनुष्का हैं। मेहनत-मजदूरी करके वे परिवार की जिम्मेदारी उठा रहे थे। परिवार के ज्यादातर लोग पोस्टमॉर्टम हाउस पर गए थे। घर के आंगन में महिलाएं रो रही थीं। मां कांति देवी रोते हुए कह रही थीं- अब किसके सहारे जिएंगे, वो हमारा अकेला बेटा था, उस गेट ने मेरा परिवार ही खत्म कर दिया। गांव के लोगों ने बताया- एक महीने पहले मनोज को पैरालाइसिस का अटैक पड़ा था। माइनर अटैक की वजह से उनकी रिकवरी तेज हुई। परिवार ने उनका इलाज कराया। अब वे कुछ ठीक हुए थे।

डॉक्टर ने सुबह जल्दी उठकर टहलने की सलाह दी थी। चूंकि मनोज अकेले नहीं जा सकते थे, इसलिए अपने साथ इशू को ले जाने लगे। इशू ही रोज सुबह अपने पिता को सहारा देकर खेत पर टहलाने लेकर जाता था। मगर आज हादसा हो गया, मनोज ने अपना इकलौता बेटा खो दिया।

पटना विमेंस कॉलेज की छात्राओं को छेड़ने वाला धराया

लड़कियों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा रोज छेड़खानी करने से थीं परेशान

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पटना के नागेश्वर कॉलोनी में कॉलेज जाने वाली लड़कियों से छेड़खानी करने वाले एक मनचले को आज छात्राओं ने पकड़कर जमकर पीटा। छात्राओं का आरोप है कि आरोपी जस्टिस नारायण पथ स्थित एक टेलीफोन बॉक्स के पीछे छिपा रहता था। सुबह पटना वीमेंस कॉलेज की छात्राओं पर भद्दे कमेंट और अश्लील इशारे करता था। लड़कियों ने पहले तो उसकी हरकतों को नजरअंदाज किया, लेकिन जब यह रोज का सिलसिला बन गया तो उन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से जाल बिछाया और गार्ड की मदद से आरोपी पकड़ कर पिटाई कर दी। छात्राओं ने बताया, गुरुवार सुबह लगभग 6 बजे आरोपी अपनी उसी लोकेशन पर पहुंचकर हरकत करने लगा। लड़कियों ने पास के एक अपार्टमेंट के गार्ड को इसकी सूचना दी। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने पहले उसकी तस्वीर ली। फिर उसे पकड़कर जमकर पिटाई की। इसके बाद डायल 112 को बुलाकर पुलिस के हवाले कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने के बाद भीड़ जमा हो गई। आरोपी की मां भी मौके पर पहुंच गई और अपने बेटे को बचाने की कोशिश करने लगी। लेकिन पुलिस उसे हिरासत में लेकर कोतवाली थाने लेकर चली आई। आरोपी का नाम मुलायम सिंह यादव है, जो उतर प्रदेश का रहने वाला बताया जा रहा है।

तेजस्वी बोले- हर परिवार को सरकारी नौकरी देंगे

सरकार बनने के 20 दिन में लाएंगे कानून, 20 महीने में सभी घर में जॉब होगी

पटना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेजस्वी यादव ने चुनाव से पहले गुरुवार को बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा है,'बिहार में अब नौकरी का नवजागरण होगा। बिहार के जिस भी परिवार के पास सरकारी नौकरी नहीं है, ऐसे हर परिवार को एक नया अधिनियम बनाकर अनिवार्य रूप से नौकरी दी जाएगी।'

'सरकार बनते ही 20 दिन में अधिनियम बनाएंगे और 20 महीने के अंदर ऐसा बिहार का कोई घर नहीं बचेगा जिसके पास सरकारी नौकरी नहीं होगी।'

तेजस्वी ने कहा, '2020 में हमने घोषणा की थी। सरकार बनते ही 10 लाख लोगों को नौकरी देंगे। मौजूदा मुख्यमंत्री जी ने उस वक्त तक कहा था ये संभव है क्या। पैसा कहां से आएगा।' 'अपने बाप के पास से लाएगा क्या। सरकार बनने के 2 साल बाद भी किसी को नौकरी और किसी को रोजगार नहीं मिला।'

हर घर में सरकारी नौकरी का जश्न होगा

नेता प्रतिपक्ष ने कहा, 'तेजस्वी जो बोलता है वो करता है। बिहार को अब आगे ले जाना है। बिहार में जब लोगों को नौकरी मिलेगी तो हर कमी पूरी होगी। 20 साल में NDA ने हर घर में असुरक्षा और बेरोजगारी का खौफ दिया।'

'अब हम हर घर को जॉब देंगे। जीत का जश्न हर घर में सरकारी नौकरी और बिहार में उद्योग लगाकर, एजुकेशनल सिटी स्थापित करके, IT पार्क लगाकर, कृषि और डेयरी आधारित उद्योग को बढ़ावा देकर बिहार को विकास के नए पथ पर आगे बढ़ाने के रूप में किया जाएगा।'

ये मेरा वादा नहीं प्रण हैः तेजस्वी

तेजस्वी ने कहा, '20 साल पुरानी इस खटारा सरकार को ये मालूम ही नहीं था कि बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। हमने 17 महीने में लोगों को नौकरियां दी। आज ये लोग बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं, अब सामाजिक न्याय के बाद अब आर्थिक न्याय बनेगा और नौकरी का सृजन होगा।'

अपनी घोषणा को लेकर तेजस्वी ने कहा, 'हम जो घोषणा कर रहे हैं, उसपर बहुत लोगों का सवाल होगा कि कैसे देंगे? हमने सारा डेटा निकाला है। सभी सर्वे हमने करा लिया है और मेरा प्रण है ये और जो हो सकता है वही हम करेंगे।'

मेरा कर्म बिहार, मेरा धर्म बिहारः तेजस्वी

नेता प्रतिपक्ष ने दावा किया, 'हमारी सरकार बनने पर जीत का जश्न हर घर को सरकारी नौकरी देकर मनाया जाएगा।

अब सिर्फ एक या दो लोग या पार्टियां नहीं, बल्कि पूरा बिहार सरकार चलाएगा। हर परिवार से एक व्यक्ति सरकारी नौकरी में होगा, तो हर परिवार की सरकार में सीधी भागीदारी होगी।' मैं वादा करता हूं कि अगले 5 साल में अपने काम और बिहार की सेवा से यह साबित कर दूंगा कि ₹मेरा कर्म बिहार है और मेरा धर्म बिहारी है.₹ हम बिहार को एक सच्ची, ईमानदार, करेक्ट और परफेक्ट सरकार देंगे।

10 लाख रुपए के लिए विवाहिता का गला घोंटा

गली में लाश फेंककर फरार हुए ससुराल वाले, मां बोली- 10 दिन पहले भी मारपीट की थी

दरभंगा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दरभंगा के अलीनगर में बुधवार को घर से मात्र 20 मीटर दूर एक गली में नवविवाहिता की लाश लावारिस हालत में पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली। जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंची, तो गांव के लोगों ने बताया कि महिला का नाम खुशबू देवी है, जो टीकापट्टी गांव के रहने वाले निरंजन लाल देव की पत्नी है। पुलिस तत्काल निरंजन के घर पहुंची, लेकिन वहां कोई नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने गांव के लोगों से खुशबू के मायके के घरवालों का मोबाइल नंबर लेकर उन्हें घटना की जानकारी दी। इसके साथ ही अलीनगर थाना के SHO विनय मिश्रा ने खुशबू की लाश को पोस्टमॉर्टम के लिए डीएमसीएच भेज दिया।

उधर, खुशबू की मौत की सूचना पर डीएमसीएच पहुंचे मृतका के नाना सोनकी थाना क्षेत्र के मेकना गांव के रहने वाले कमलेश लाल देव ने थाना में आवेदन देकर बताया कि मेरी नतिनी 22 साल की खुशबू देवी की हत्या की गई है। वारदात को खुशबू के पति 27 साल के निरंजन ने अपने परिवार के लोगों के साथ मिलकर अंजाम दिया है। उन्होंने आवेदन में ये भी लिखा कि मेरी नतिनी से निरंजन और उसके परिवार के लोग लगातार शादी के बाद से मारपीट कर रहे थे। नाना ने पुलिस को दिए गए आवेदन में खुशबू के पति निरंजन लाल देव, ससुर गणेश लाल देव, सास मीना देवी, देवर रवि लाल देव के साथ-साथ सोनकी थाना क्षेत्र के मेकना गांव के रहने वाले ननदोई ललन लाल देव और ननद संगीता देवी को आरोपी बताया है।

डकैत शैतान एनकाउंटर में मारा गया

हुलिया बदलने में माहिर, रिकॉर्ड में 12 नाम; 8 साल पुलिस को चकमा दिया

बरेली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बरेली में एक लाख का इनामी डकैत शैतान उर्फ इफ्तेखार एनकाउंटर में मारा गया। मुठभेड़ में SOG के हेड कॉन्स्टेबल राहुल को भी गोली लगी है। SSP के मुताबिक, गुरुवार सुबह 5.30 बजे पुलिस ने भोजीपुरा थाने में नैनीताल हाईवे किनारे बिलवा पुल के पास डकैत शैतान (37) को घेरा, तो उसने टीम पर फायरिंग कर दी। डकैत ने पुलिस पर 17 राउंड फायरिंग की।

बचाव में पुलिस ने भी फायरिंग की। एक गोली उसके सीने और एक खोपड़ी के पार हो गई। पुलिस उसे जिला अस्पताल ले आई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसका एक साथी फरार हो गया है। डकैत शैतान पर सात जिलों में हत्या और डकैती जैसी गंभीर धाराओं में 19 मुकदमे दर्ज थे। पुलिस रिकॉर्ड में उसके 12 नाम और 5 एड्रेस मिले हैं।

SSP ने बताया- यह शातिर अपराधी था। इसने 12 अलग-अलग नामों का इस्तेमाल कर अपराध किए। पुलिस को गुमराह करने और मुकदमों में फायदा उठाने के लिए अलग-अलग नामों का इस्तेमाल करता था। पुलिस रिकॉर्ड में अभी तक इसके पांच एड्रेस भी सामने आए हैं। इस पर डकैती और मर्डर के चार मुकदमों समेत सात जिलों में 19 केस दर्ज हैं।

यूपी में प्राइवेट प्लेन टेकऑफ से पहले झाड़ियों में घुसा

उड़ान भरते वक्त बेकाबू हुआ; भोपाल की प्राइवेट कंपनी के एमडी समेत 6 लोग सवार थे

फर्रुखाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के फर्रुखाबाद में बड़ा विमान हादसा टल गया। यहां प्राइवेट प्लेन रनवे से उड़ान भरते समय नियंत्रण खो बैठा और पास की झाड़ियों में जा घुसा। हादसे में विमान के विंग्स, फ्रंट व्हील और जेट फैन टूट गए। फ्यूल टैंक भी डैमेज हुआ है। रनवे पर एयरो फ्यूल टपक रहा है।

फिलहाल, विमान में बैठे सभी 6 लोग सुरक्षित हैं। इनमें वुडपैकर ग्रीन एंग्री न्यूट्री पैड प्राइवेट लिमिटेड के एमडी अजय अरोड़ा, वाइस प्रेसिडेंट राकेश टीकू और एसबीआई अफसर सुमित शर्मा, दोनों पायलट नसीब बामल, प्रतीक फर्नांडीज और एक क्रू टेक्नीशियन शामिल हैं।

अजय अरोड़ा अपनी टीम के साथ खिमसेपुर औद्योगिक क्षेत्र में बन रही बीयर फैक्ट्री के निर्माण कार्य का निरीक्षण करने भोपाल से आए थे। घटना गुरुवार सुबह 10:30 बजे हुई। हादसे और प्लेन की स्थिति की जांच के लिए दिल्ली से एक टीम बुलाई गई है।

गयाजी में स्कूल बस से खींचकर ड्राइवर को मारी गोली

गयाजी , 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गयाजी में गुरुवार को स्कूल बस के ड्राइवर को गाड़ी से खींचकर बाइक सवार 2 अपराधियों ने गोली मार दी। बुलेट सीने में लगी है। हालत गंभीर बनी हुई है। घटना भदवर थाना क्षेत्र के बिशनपुर-रामदोहर मुख्य मार्ग की है। सूत्रों के मुताबिक एक दिन पहले जान से मारने की धमकी मिली थी। प्रेम-प्रसंग में वारदात को अंजाम देने की आशंका। मौके से एक कट्टा और खोखा मिला है। वारदात के समय बस में बच्चे मौजूद थे। अपराधियों ने बस से खींचकर ड्राइवर को पीछे ले जाकर गोली मारी है। स्कूल बस में सवार बच्चे काफी डरे सहमे थे। सभी को घर भेज दिया गया है। घायल की पहचान सेवरा पंचायत अंतर्गत बिकुआ कला के पिपरा टोला निवासी टनटन कुमार (30) के तौर पर हुई है।

ट्रैक्टर सवारों ने एएसआई को पीटकर किया अधमरा, वाहन मालिक गिरफ्तार

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। द्वारका नार्थ इलाके में चालान के लिए एक ट्रैक्टर को रोकने का प्रयास करना यातायात विभाग में तैनात एएसआई राजकुमार को भारी पड़ गया। इससे नाराज ट्रैक्टर मालिक ने दो साथियों के साथ एएसआई की लाठी डंडे से पिटाई कर दी। सिर पर डंडा लगने से एएसआई बेहोश हो गए। मौके पर पहुंचे बिंदापुर थाना के एक सिपाही ने उन्हें हमलावरों के चंगुल से छुड़ाया। ट्रैक्टर मालिक को मौके पर ही दबोच लिया गया। दो अन्य आरोपी फरार हो गए।

पुलिस मामला दर्ज कर फरार आरोपियों की तलाश कर रही है। राजकुमार सपरिवार पालम कॉलोनी में रहते हैं। वह दिल्ली यातायात विभाग में एएसआई के पद पर कार्यरत हैं और उनकी तैनाती द्वारका सर्किल में है। द्वारका नार्थ थाने में दर्ज प्राथमिकी में राजकुमार ने बताया कि 6 अक्तूबर को उनकी तैनाती अन्य पुलिसकर्मियों के साथ द्वारका मोड़ एनएसयूटी रोड पर थी। वह वाहनों का चालान कर रहे थे। इसी दौरान एक ट्रैक्टर चालक नो इंट्री होने के बावजूद वहां से जाने लगा। राजकुमार ने चालक को ट्रैक्टर रोकने का इशारा किया, लेकिन चालक उसे भगाकर ले गया। एएसआई ने उसका वीडियो बना लिया। कुछ दूर जाने के बाद उसपर सवार ट्रैक्टर का मालिक उतर कर एएसआई के पास आया और उन्हें धमकाने लगा।

इस बीच उसके दो साथी भी आ गए। तीनों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। हमलावरों ने डंडे से उनके सिर पर हमला किया, जिससे वह बेहोश हो गए। इसी दौरान बिंदापुर थाना में तैनात सिपाही मोनू वहां पहुंचे और एएसआई को हमलावरों से बचाया और ट्रैक्टर मालिक विपिन गार्डन निवासी विरेंद्र सागवान को पकड़ लिया।

क्या सुप्रीम कोर्ट जम्मू-कश्मीर को दिलाएगा राज्य का दर्जा? आज होगी महत्वपूर्ण सुनवाई

श्रीनगर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाली की याचिका पर आज सुनवाई करेगा। यह याचिका जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद दायर की गई है। वकील सोएब कुरैशी ने कहा कि यह मामला सीजेआई की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष क्रम संख्या 17 पर सूचीबद्ध है और केंद्र सरकार ने अभी तक इस मामले में कोई जवाब दाखिल नहीं किया है। आपको बता दें कि 14 अगस्त को पिछली सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जमीन पर वास्तविक स्थिति पर विचार करना होगा और पहलगाम हमले जैसी घटनाओं को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। सीजेआई ब्रायन गवई और जस्टिस के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा था कि आपको भी जमीनी हकीकत को ध्यान में रखना होगा; आप पहलगाम में हुई घटना को नजरअंदाज नहीं कर सकते हैं। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि राज्य का दर्जा बहाली में देरी संघवाद के सिद्धांत का उल्लंघन है, जो संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के दिसंबर 2023 के निर्देश के अनुसार राज्य का दर्जा बहाली के लिए कोई समयसीमा निर्धारित नहीं की गई है और न ही कोई कदम उठाया गया है।

राजनीतिक और आर्थिक परिदृश्य

जम्मू-कश्मीर में हाल ही में विधानसभा चुनाव हुए हैं और नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस की गठबंधन सरकार बनी है। हालांकि, इस सरकार को अभी भी कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जिनमें आर्थिक विकास और सुरक्षा की समस्याएं शामिल हैं। जम्मू-कश्मीर की आर्थिक स्थिति भी चिंताजनक है, जिसमें निवेश में कमी और बेरोजगारी की दर अधिक है।

सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका

अब सबकी नजरें सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर टिकी हैं कि वह जम्मू-कश्मीर की राज्य का दर्जा बहाली के मामले में क्या फैसला देता है। यह मामला न केवल जम्मू-कश्मीर के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि देश की संघीय व्यवस्था के लिए भी महत्वपूर्ण है।

सुनवाई पर टिकी नजर

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला कई बार केंद्र सरकार से प्रदेश के लोगों को उनका हक दिलाने की मांग कर चुके हैं। उनका कहना था कि विधानसभा चुनाव में लोगों के वोट पाकर उनकी सरकार सत्ता में आई है। अब केंद्र सरकार को वायदे के मुताबिक राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए। इसके जवाब में केंद्र में बैठी भाजपा सरकार यही जवाब देती है कि समय आने पर जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जो हक प्रदेश वासियों को केंद्र सरकार से नहीं मिल पा रहा है, सर्वोच्च न्यायालय उन्हें मिलेगा।

करवा चौथ की तैयारी कर रहा था पति

पीछे से बॉयफ्रेंड भगा ले गया बीवी; सास-ससुर को भी पीटा

ग्वालियर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में रात 15 बदमाशों ने गुर्जर परिवार के घर पर एंट्री मारी। वहां फायरिंग की। बजुर्ग दंपति समेत 4 लोगों संग मारपीट कर उनकी बहू को साथ ले गए। बहू 9 महीने की प्रेग्नेंट है। उस वक्त दंपति का बेटा घर पर मौजूद नहीं था। मामले में पुलिस ने तुरंत जांच शुरू कर दी है। घटना तिघरा थाना क्षेत्र के गिर्जा गांव की है।

बेखौफ बदमाशों ने बंदूक के बटों से परिवार को पीटा। घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। जानकारी के मुताबिक, गिर्जा गांव निवासी गिरिराज गुर्जर की शादी डेढ़ साल पहले श्योपुर जिले के सेसईपुरा गांव की अन्नू गुर्जर से हुई थी। शादी के बाद से ही मुरैना जिले के तिलौंदा गांव का रहने वाला योगेंद्र गुर्जर उर्फ योगी महिला के पति गिरिराज को लगातार धमकाता और परेशान करता था। योगेंद्र अपने साथियों कल्ली उर्फ किलेदार, डीपी, तहसीला, शेरू, भोला, बिज्जी, सत्यवीर और प्रदीप सहित करीब 15 लोगों के साथ गिर्राज के घर पहुंचा।

बदमाशों ने घर पर हमला कर दिया। 10 बदमाश ताबड़तोड़ फायरिंग करते रहे। पांच बदमाश गिरिराज के पिता ब्रजलाल, मां भगवती, दादी धनवंती और चाचा रामेश्वर को बंदूक के बटों से पीटते रहे। इसके बाद बदमाश बहू अन्नू को उठा ले गए, जो कि 9 महीने की प्रेग्नेंट है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी योगेंद्र का अन्नू से प्रेम प्रसंग था। अन्नू की किसी कारणवश योगेंद्र से शादी नहीं हो पाई। योगेंद्र प्रेमिका को उठाने की फिराक में था। इसी कारण करवा चौथ से ठीक दो दिन पहले उठा ले गया। उधर बेचारा पति गिरिराज करवा चौथ की तैयारी कर रहा था। यहां उसकी पत्नी को उसका बॉयफ्रेंड भगा ले गया।

ऑटो वाले की कमाई जान एआई इंजीनियर को लगा शाक

5 करोड़ के 2 घर और हाथ में एपल वॉच

बेंगलुरु, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत की सिलिकॉन वैली के तौर पर मशहूर बेंगलुरु अपनी हाई टेक्निकल जॉब्स और स्टार्टअप की दुनिया के लिए जाना जाता है। यहां इंजीनियर्स को हाई पैकेज वाली नौकरी मिलती है। लेकिन इस बार हम इंजीनियर नहीं, बल्कि एक ऑटो ड्राइवर की बात कर रहे हैं।

शहर के एक साधारण ऑटो-रिक्शा ड्राइवर ने अपनी असाधारण प्रॉपर्टी का खुलासा करके पूरे इंटरनेट जगत में अविश्वास और जिज्ञासा का तूफान खड़ा कर दिया है। सोशल मीडिया पर इससे जुड़ा पोस्ट वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में दावा किया जा रहा है-एपल वॉच और एयरपॉड्स पहने हुए इस ऑटो चालक ने बताया कि उसने 4-5 करोड़ रुपये के दो मकान किराए पर दिए हुए हैं, जिससे वह हर महीने लगभग 2-3 लाख रुपये की शानदार कमाई करता है।। और तो और, उसने एक एआई-आधारित स्टार्टअप में भी निवेश कर रखा है। इस वायरल सोशल मीडिया पोस्ट ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। वहीं, एआई इंजीनियर आकाश आनंदानी ऑटो वाले की बातें सुनकर हैरान रह गए।

गैजेट्स के चक्कर में ठनका माथा

आकाश आनंदानी कम्प्यूट के लिए जिस ऑटो में बैठे, उसके ड्राइवर के गैजेट्स देखकर चौंक गए। ड्राइवर की कलाई पर एपल वॉच थी और कानों में एयरपॉड्स। उत्सुकता में बातचीत शुरू हुई तो ड्राइवर ने फिल्मी कहानी जैसी लाइफ स्टोरी सुना दी। चालक ने बताया कि पहले ऑटो चलाना ही उनका प्राइमरी काम था लेकिन अब वह केवल वीकेंड पर पुरानी यादों को ताजा करने या हॉबी के लिए, ऑटो चलाते हैं। उनकी मुख्य कमाई किराए और निवेश से आती है।

इस पोस्ट के वायरल होने के बाद से सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। लोग कह रहे हैं कि क्या यह कहानी बेंगलुरु के शहरी मिथकों की ही कोई कड़ी है या फिर यह सच में उन किस्मत के धनी स्थानीय लोगों की कहानी है, जिन्होंने सालों पहले सस्ती जमीनें खरीदकर सोने की खान बना ली थी। यह विवादित और दिलचस्प दावा इस बात का प्रमाण है कि बेंगलुरु एक ऐसा शहर है, जहां धन और अवसर की परतें काफी छिपी हुई हैं।

दुकान से काजू कतली और घी चोरी

स्वीट शॉप का ताला तोड़कर घुसा चोर; उठा ले गया ये सामान

अहमदाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। त्योहारों का सीजन चल रहा है। इस दौरान चोरों की सक्रियता बढ़ गई है। ऐसा ही एक मामला गुजरात के अहमदाबाद से सामने आया है, जहां चोरों ने एक दुकान का ताला तोड़कर उसे लूट लिया। इस दौरान यह पूरी घटना जिले सीसीटीवी में कैद हो गई। मामले में दुकान में चोरी करने आए, चोर ने दुकान से मिठाई और घी की चोरी की। मामला पालड़ी के सुखीपुरा गार्डन के पास एक अमूल पार्लर में हुई। यहां एक चोर दुकान का ताला तोड़कर उसके अंदर घुस गया। इसके बाद उसने दुकान में रख 6 काजू कतली के पैकेट और 27 पाउच घी की चोरी की और मौके से फरार हो गया। चोर की यह चोरी लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। चोरी की यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई है। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। फिलहाल पालड़ी पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही पुलिस सीसीटीवी के आधार पर मामले की जांच कर रही है। घटना को लेकर पुलिस का कहना है कि त्योहारों के दौरान लोग बाहर घूमने जाते हैं। ऐसे में घर में लोगों का न होना चोरो के लिए घटनाओं को अंजाम देना आसान हो जाता है।

इसलिए, इस दौरान चोरी की घटनाओं में बढोतरी होती है। चारी की यह घटना को सीसीटीवी में कैद हो गई। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि चोर पहले तो बक्सा खोलकर नकदी निकालता है। इसके बाद वह काजू कतली व घी का पाउच भी चुरा लेता है। चोरअकेला ही आता है और चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो जाता है।

लाइफटाइम सुरक्षा, तुरंत एफआईआर हो आईएएस पूरन कुमार के परिवार ने सीएम सैनी से की मांग

चंडीगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुरुवार को चंडीगढ़ में सुसाइड करने वाले सीनियर आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार से मुलाकात की है। इस दौरान परिवार ने सीएम के सामने लिखित मांग रखी। परिवार ने सुसाइड नोट में जिन अन्य आईपीएस अधिकारियों और हरियाणा सरकार के आईएएस अधिकारियों का जिक्र किया गया है उनके खिलाफ तुरंत ही एफआईआर दर्ज करने और उन्हें सस्पेंड करने की मांग उठाई है। परिवार ने हरियाणा सरकार से लाइफटाइम सुरक्षा देने की मांग की है। परिवार ने लिखित मांग पत्र में लिखा है कि ये मामला हरियाणा सरकार के रसूखदार आईएएस और आईपीएस अधिकारियों से जुड़ा है, ऐसे में उन्हें अपनी जान का खतरा है और उन्हें हरियाणा सरकार की ओर से लाइफटाइम सुरक्षा मुहैया कराई जाए। परिवार ने मांग पत्र में लिखा है कि वाई पूरन कुमार ना सिर्फ हरियाणा पुलिस के एक एक्स्ट्रा ऑर्डिनरी ऑफिसर थे बल्कि शेड्यूल कास्ट समाज को भी एक मजबूत स्तंभ के तौर पर हरियाणा सरकार में रिप्रेजेंट करते थे।

ऐसे में इस मामले की गंभीरता को देखते हुए जल्द से जल्द सख्त कार्यवाही की जाए। परिवार ने कहा है कि आठ पन्नों का सुसाइड नोट होने और चंडीगढ़ पुलिस को लिखित पूरे मामले की शिकायत दिए जाने के बावजूद अब तक इस मामले में एफआईआर ना होना भी दुर्भाग्यपूर्ण है और हरियाणा सरकार को इस मामले को गंभीरता से देखना चाहिए। परिवार ने इस मामले में प्रिवेंशन ऑफ एट्रोसिटी अगेंस्ट शेड्यूल कास्ट एंड शेड्यूल ट्राइब एक्ट के तहत भी जल्द से जल्द मामला दर्ज करने और उचित कानूनी कार्यवाही करने की मांग भी की है। परिवार ने इस मामले में चंडीगढ़ पुलिस पर मामले में संयुक्त अफसरशाही का दबाव होने का आरोप भी लगाया है।

वाई पूरन कुमार की आईएएस पत्नी अवनीत पी कुमार ने मांग पत्र में लिखा है कि उन्हें शक है कि ये मजबूत आईएएस और आईपीएस अफसरों की लॉबी उनके परिवार को बदनाम कर सकती है और उन्हें भी किसी विभागीय मामले में फंसाने का प्रयास कर सकती है।

झुंड से बिछड़कर नदी की उफनती धारा में बहा नन्हा हाथी

कैसे बची जान? फ्रैक्चर हो गया पैर

रामनगर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के रामनगर में वन विभाग की टीम ने एक हाथी के बच्चे की जान बचाई है। हाथी का बच्चा अपने झुंड के साथ नदी पार कर रहा था। तभी, अचानक तेज बारिश से नदी का जलस्तर बढ़ गया और पानी का बहाव तेज हो गया। इसी बीच झुंड के बीचों-बीच चल रहा नन्हा हाथी संतुलन खो बैठा और उफनती धारा में बह गया। महज एक महीने का यह बच्चा इतना छोटा था कि खुद को संभाल भी नहीं सका। झुंड के बाकी हाथी व्याकुल होकर किनारे पर रुक गए, लेकिन प्रचंड धारा के कारण कोई भी उसकी मदद के लिए आगे नहीं बढ़ सका। जैसे ही यह जानकारी वन विभाग को मिली, लैंसडौन वन प्रभाग की टीम तुरंत एक्टिव हो गई।

विभाग के अधिकारियों और फॉरेस्ट गार्ड्स ने बिना समय गंवाए रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। बारिश और नदी के उफान के बीच यह अभियान बेहद कठिन था। टीम ने कई घंटों की मेहनत और जोखिम भरे प्रयासों के बाद आखिरकार उस मासूम हाथी को नदी के किनारे से सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

'टीम इंडिया भारत का प्रतिनिधित्व करती है'

याचिका को दिल्ली एचसी ने बताया समय की बर्बादी, जानें क्या थी मांग?

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को इंडियन क्रिकेट टीम कहने पर रोक लगाने की मांग की गई थी। दिल्ली हाई कोर्ट की बेंच में चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय और जस्टिस तुषार राव गेडेला शामिल थे। याचिकाकर्ता वकील रीपक कंसल को कोर्ट ने कड़ी फटकार लगाई।

याचिकाकर्ता को कोर्ट की फटकार

दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता से पूछा कि क्या आप यह कहना चाहते हैं कि यह टीम भारत का प्रतिनिधित्व नहीं करती, जो हर जगह जाकर भारत का नाम रोशन कर रही है। कोर्ट ने कहा कि यह जनहित याचिका समय की बर्बादी है। अदालत ने यह भी पूछा कि क्या किसी भी खेल या राष्ट्रीय टीम का चयन सरकारी अधिकारियों द्वारा किया जाता है, चाहे वह ओलंपिक टीम हो या राष्ट्रमंडल खेलों में भाग लेने वाली टीम। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि टीम का चयन निजी संगठन करते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि वे भारत का प्रतिनिधित्व नहीं कर रहे।

बीसीसीआई पर सवाल

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने दलील दी कि बीसीसीआई तमिलनाडु सोसाइटीज पंजीकरण अधिनियम के तहत पंजीकृत एक निजी संस्था है और इसे राष्ट्रीय खेल महासंघ के रूप में सरकार द्वारा मान्यता नहीं मिली है। याचिका में कहा गया कि बीसीसीआई की क्रिकेट टीम को "टीम इंडिया" कहा जाता है और प्रसारण में राष्ट्रीय प्रतीकों जैसे भारतीय ध्वज का इस्तेमाल किया जाता है, जो संविधान के अनुरूप नहीं है।

कोर्ट ने याचिकाकर्ता की दलील खारिज की

दिल्ली हाई कोर्ट ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि सिर्फ इसलिए कि टीम ने राष्ट्रीय ध्वज का इस्तेमाल किया, इसका मतलब यह नहीं कि कोई कानून का उल्लंघन हो रहा है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अंतरराष्ट्रीय खेल संस्थाएं अक्सर सरकारी हस्तक्षेप के खिलाफ रहती हैं। और बीसीसीआई की क्रिकेट टीम को टीम इंडिया कहना पूरी तरह सही है।

संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि मांगी

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने संसद सुरक्षा उल्लंघन मामले में आरोपी मनोरंजन डी, सागर शर्मा और ललित झा के वकीलों को उनके आपराधिक इतिहास की जानकारी देते हुए हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया। इन तीनों की जमानत याचिकाओं पर अभी हाई कोर्ट में सुनवाई लंबित है। मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी।

यह उल्लंघन 13 दिसंबर 2023 को हुआ था जब आरोपी मनोरंजन और सागर शर्मा ने लोकसभा में लाइव सत्र के दौरान प्रवेश किया। वहीं नीलम आजाद और अमोल शिंदे बाहर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। चारों को रंगीन धुएं के उपकरणों का उपयोग कर इस कार्रवाई का समन्वय करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। हाल ही में हाई कोर्ट ने नीलम आजाद और महेश कुमावत को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दी थी। दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत में मीडिया से बात न करने, सप्ताह में तीन बार पुलिस स्टेशन जाने और दिल्ली छोड़ने पर प्रतिबंध जैसी शर्तें शामिल की थीं। दिल्ली हाई कोर्ट ने इससे पहले जुलाई में मनोरंजन डी की जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा था कि संसद के कामकाज में बाधा डालना एक गंभीर राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी मामला है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अगर कोई संसद में गैर-विषैले धुएं के कैनिस्टर और नारेबाजी के माध्यम से विरोध करता है तो उसे शांतिपूर्ण प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। अदालत ने कहा कि भारत में आतंक फैलाने का सबसे आसान तरीका संसद को बाधित करना है। दिल्ली पुलिस ने हाई कोर्ट में आरोपियों की जमानत का विरोध करते हुए कहा कि उनके भागने, गवाहों को प्रभावित करने और जांच में बाधा डालने का खतरा है।

पुलिस ने यूएपीए 1967 के तहत सबूत भी पेश किए। वहीं बचाव पक्ष ने यूएपीए के इस्तेमाल को अत्यधिक और विरोध को दबाने की कोशिश बताया। पुलिस ने 7 जून 2024 को एक हजार पेज की चार्जशीट दाखिल की, जिसमें आरोपियों की संसद घुसपैठ में भूमिका का विस्तार से जिक्र है। इस घटना के अगले दिन 14 दिसंबर 2023 को एफआईआर दर्ज की गई थी।

ऐसी भी क्या मजबूरी थी

जिसे 9 महीने कोख में पाला, उसे झाड़ियों में फेंक फरार हुई मां, सीसीटीवी से खुला राज

टीकमगढ़, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। औलाद को नौ महीने कोख में रखने वाली मां जो दर्द सहती है, उसे लफ्जों में बयां नहीं किया जा सकता। लेकिन वही युवती अगर अपनी संतान को जन्म के बाद कचरे के ढेर में फेंक दे तो ये बात दिल दहला देती है। लेकिन ऐसी ही करतूत सामने आई है, जिसमें डिलवरी के बाद युवती ने अपने बच्चे को मप्र के टीकमगढ़ जिला अस्पताल परिसर के पास कचरे के ढेर में फेंक दिया। लेकिन उफ्फ उपर वाले को कुछ और ही मंजूर था और उसे बचा लिया गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सीसीटीवी फुटेज और प्रत्यक्षदर्शियों से यह पता करने में जुट गई कि आखिर ये बच्चा किसका है।

कई घंटे पसीना बहाने के बाद मामला खुल गया। टीकमगढ़ पुलिस ने अस्पताल परिसर में लगे सीसीटीवी से आरोपियों की पहचान की। इससे पता चला कि जिस लड़की की डिलिवरी हुई थी, वो अविवाहित थी। उसने शर्म से बचने के लिए ये गुनाह किया था। कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज से चिन्हित आरोपियों को कलेक्टरेट रोड के नजदीक एक हॉस्पिटल से पकड़ा। पुलिस पता लगा रही है कि क्या लड़की की डिलीवरी जीवन हॉस्पिटल में हुई थी या और कहीं और।

महिला सहित 3 लोगों को हिरासत में ले लिया। एएसपी विक्रम सिंह ने बताया कि पकड़े गए लोगों से घटना के बारे में पूछताछ जारी है। फिलहाल यही खुलासा हुआ है कि जिस लड़की की डिलीवरी हुई थी, वह शादीशुदा नहीं है। पुलिस पता लग रही है कि लड़की बालिग है या नाबालिग। लड़की के आधार कार्ड और अन्य दस्तावेज जांच के लिए मांगे हैं। एडिशनल एसपी का कहना है कि जांच की कार्रवाई पूरी होने के बाद आरोपियों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की जाएगी।

दुल्हन तैयार थी...सजा था मंडप, फिर मेहमानों-रिश्तेदारों में मच गई अफरा-तफरी, दूल्हे को ढूंढ रही पुलिस

लुधियाना, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। लड़की वालों के घर पर शादी की तैयारियां पूरी हो चुकी थीं। रिश्तेदार और मेहमान भी आ चुके थे और सभी के लिए खाने-पीने समेत तमाम तैयारियां पूरी कर ली गई थीं। मंडप भी तैयार था और दुल्हन सज-धज कर बैठी थी। बस इंतजार था तो बरात का। दुल्हन टकटकी नजर लगाए दूल्हे का इंतजार कर रही थी, लेकिन ये इंतजार इतना लंबा हो गया कि दिन से रात हो गई लेकिन न दूल्हा आया न बरात और न ही बराती। घटना पंजाब के लुधियाना के एक गांव की है, जहां शादी वाले दिन दूल्हा बरात लेकर ही नहीं पहुंचा। शादी वाले दिन दूल्हा बरात लेकर नहीं पहुंचा तो लड़की पक्ष ने हंगामा कर दिया। रिश्तेदारों और मेहमानों के बीच अफरा-तफरी मच गई। शादी की सारी तैयारियां धरी की धरी रह गईं। पीड़ित पक्ष ने दूल्हे और उसके परिवार के खिलाफ पुलिस को शिकायत दी।

संजय निरुपम का कांग्रेस पर बड़ा वार- 'सहयोगी दलों को बैसाखी की तरह करती है इस्तेमाल'

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे करीब आ रहे हैं, वैसे-वैसे सियासी बयानबाजी भी तेज होती जा रही है। इस बार शिवसेना प्रवक्ता संजय निरुपम ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोल दिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को सिर्फ अपने भविष्य की चिंता है और वह सहयोगी दलों को बैसाखी की तरह इस्तेमाल करती है। संजय निरुपम ने कहा कि कांग्रेस हमेशा अपने सहयोगियों को कमजोर करने की कोशिश करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बस इतना चाहिए कि कोई उसका साथ दे ताकि वो राजनीतिक रूप से टिकी रह सके। लेकिन जैसे ही मौका मिलता है, वही सहयोगी दल कांग्रेस के लिए बोझ बन जाते हैं। निरुपम ने यह भी जोड़ा कि महागठबंधन के भीतर खींचतान अब खुलकर सामने आ गई है। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस बार स्पष्ट रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ है और एनडीए को ही जीत का ताज पहनाने का मन बना चुकी है। भाजपा सांसद गुलाम अली खटाना ने भी बिहार चुनाव को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने दावा किया कि बिहार की जनता ने पीएम मोदी के नेतृत्व में एनडीए को दोबारा मौका देने का मन बना लिया है। खटाना ने कहा कि एनडीए बिहार के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने जिस तरह देश को आगे बढ़ाया है, उसी तरह बिहार में भी बदलाव दिखेगा। हमारी कोशिश है कि प्रदेश में जीत का परचम फहराया जाए।

25 साल पूरे होने पर कई दलों के नेताओं ने उनकी तारीफ की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के संजय निरुपम ने भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा वाकई सराहनीय है। उन्होंने कहा कि मोदी पिछले 25 सालों से जनता की सेवा में लगातार लगे हुए हैं।

उनका नेतृत्व प्रेरणादायक है और उन्होंने राजनीति में काम करने का नया तरीका दिखाया है। इसी तरह रालोद नेता मलूक नागर ने भी पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री ने देश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता तुहिन सिन्हा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि जब बिहार में चुनाव का माहौल गर्म है, तब राहुल गांधी देश में नहीं हैं। तुहिन सिन्हा ने तेज प्रताप यादव के एक बयान का हवाला देते हुए कहा कि तेज प्रताप ने खुद कहा कि राहुल गांधी अपने परिवार से मिलने कोलंबिया गए हैं। अगर ये सच है, तो क्या जनता ऐसे नेता को गंभीरता से लेगी जो चुनाव के वक्त गायब हो जाए?

बड़े कारोबारियों का कर्ज माफ कर सकते हैं

वायनाड भूस्खलन पीड़ितों का नहीं', प्रियंका का केंद्र पर तंज

वायनाड, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने वायनाड भूस्खलन पीड़ितों का कर्ज माफ न करने के लिए बुधवार को केंद्र सरकार की आलोचना की और कहा कि उसे बड़े व्यवसायों का कर्ज माफ करने में कोई हिचकिचाहट नहीं होती। पार्टी की ओर से जारी एक बयान में प्रियंका केरल उच्च न्यायालय में केंद्र सरकार के इस रुख पर प्रतिक्रिया दे रही थीं कि वह वायनाड भूस्खलन पीड़ितों का कर्ज माफ नहीं कर सकती। वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका ने कहा कि वह उच्च न्यायालय की इस टिप्पणी से पूरी तरह सहमत हैं कि केंद्र ने पीड़ितों की जरूरत के समय उन्हें निराश किया है। केरल हाईकोर्ट ने बुधवार को तीखी टिप्पणी करते हुए कहा था कि केंद्र सरकार ने वायनाड में 2024 के भूस्खलन के पीड़ितों का कर्ज माफ करने के अपने अधिकारों का उपयोग न करके उन्हें वस्तुतः निराश किया है। इस पर केरल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वीडी सतीशन ने भी केंद्र के रुख से असहमति जताते हुए इसे 'गलत कदम' करार दिया।

उन्होंने कहा कि भूस्खलन पीड़ितों पर हर तरह के कर्ज हैं, लेकिन आय का कोई स्रोत या संपत्ति नहीं है। ऐसी परिस्थितियों में कर्ज माफ करना जरूरी हो जाता है। गौरतलब है कि पिछले साल 30 जुलाई को मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों में एक बड़ा भूस्खलन हुआ था, जिससे दोनों इलाके लगभग पूरी तरह तबाह हो गए।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 10 अक्टूबर- 2025

डिजिटल अरेस्ट व्यवस्था के भय का प्रतीक है

राजेश कुमार पासी

एक दिन मेरी पत्नी के मोबाइल पर एक कॉल आई कि हम सदर थाने से बोल रहे हैं। उसने फोन मुझे दे दिया कि आप बात करो। मैंने पूछा, क्या बात है तो उसने कहा कि हमने चार लड़के ड्रग्स सप्लाई करते हुए पकड़े हैं. एक ने आपका नंबर दिया है और कहा है कि मेरे पापा को बता दो। वो पुलिसिया रौब से बात कर रहा था, बोला कि हम इन्हें अदालत में पेश करने जा रहे हैं, आपको बताने के लिए फोन किया था। मैंने कहा कि किस थाने से बात कर रहे हो तो वो बोला कि आपको पता नहीं है कि सदर थाना कहां है। मैंने कहा कि हमारे यहां कोई सदर थाना नहीं है और मेरा एक बेटा है जो अभी घर में ही है। उसने गुस्से से कहा कि फोन रख दो। मुझे उस दिन अहसास हुआ कि कैसे ये लोग आम जनता को डिजिटल अरेस्ट करके कंगाल कर रहे हैं।

डिजिटल अरेस्ट साइबर स्कैम का सबसे नया रूप है जिसमें अपराधी विधि प्रवर्तन अधिकारी या सरकारी एजेंसियों जैसे, सीबीआई, ईडी, पुलिस, नारकोटिक्स ब्यूरो की नकली पहचान बनाकर आम जनता के साथ ठगी करते हैं। ये लोग लोगों को फोन करके दावा करते हैं कि आपके या आपके किसी पारिवारिक सदस्य के खिलाफ मामला दर्ज हो गया है। अपने आरोपों को विश्वसनीय बनाने के लिए ये लोग नकली सरकारी कार्यालयों की व्यवस्था बनाते हैं। ये लोग ऐसे कई तरीके इस्तेमाल करते हैं जिससे कि पीड़ित को इस पूरा विश्वास हो जाता है कि वो सच में किसी सरकारी विभाग के अधिकारियों से बात कर रहा है। ये लोग ईमेल, मैसेजिंग एप के माध्यम से नकली वारंट, लीगल नोटिस और अन्य सरकारी दस्तावेजों से साबित कर देते हैं कि आप किसी अपराध में फंस गए हो। आरोप इतना गंभीर होता है कि आपको लंबी सजा हो सकती है. इसके अलावा आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी खत्म हो सकती है। ये लोग आदमी को इतना डरा देते हैं कि वो उनकी हर बात मानने को विवश हो जाता है। ये लोग कम पढ़े-लिखे होने के बावजूद इतने पेशेवर तरीके से बात करते हैं कि कोई ज्यादा पढ़ा-लिखा व्यक्ति इनका शिकार बन जाता है।

नई दिल्ली में एक बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट करने का मामला सामने आया है जिसमें उससे 42 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। अपराधियों ने बुजुर्ग को मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में नाम आने को लेकर धमकाया था। इस मामले में तीन आरोपियों को पकड़ा गया है। पीड़ित 80 साल का सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारी था जिससे आरोपियों ने सीबीआई/सीबीआइ अधिकारी बनकर ठगी की थी। आरोपियों ने सुनियोजित तरीके से अपने जाल में फंसाकर उसकी जीवन भर की पूंजी लूट ली थी। ऐसे ही एक मामले में जम्मू के एक व्यापारी से मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में फंसाने की धमकी देकर 4.44 करोड़ रुपये ठग लिए गए। अपराधियों ने उसे कहा कि उनके आधार कार्ड और सिम कार्ड का इस्तेमाल मनी लॉन्ड्रिंग में हुआ है। पन्द्रह दिन पहले दिल्ली में डिजिटल अरेस्ट का अब तक का सबसे बड़ा मामला सामने आया है। साउथ दिल्ली के गुलमोहर पार्क में रहने वाले सेवानिवृत्त बैंकर नरेश मल्होत्रा को साइबर ठगों ने डेढ़ महीने तक डिजिटल अरेस्ट में रखकर 23 करोड़ रुपये की ठगी कर ली है। देखा जाए तो यह मामला सिर्फ इसलिए सबसे बड़ा नहीं है कि इसमें 23 करोड़ रुपये की बड़ी रकम की ठगी की गई है बल्कि इसलिए भी यह बड़ा है क्योंकि इसमें पीड़ित को अपराधियों ने डेढ़ महीने तक डिजिटल अरेस्ट किया हुआ था। इस दौरान ठगों ने उनकी जीवन भर की कमाई लूट ली थी। हर साल ऐसे हजारों मामले सामने आ रहे हैं जिसमें अपराधी लोगों को डिजिटल अरेस्ट करके उनकी जीवन भर की कमाई पर हाथ साफ कर रहे हैं। 2021-2024 के दौरान साइबर अपराधों में लगभग 30000 करोड़ रुपए लूटने का अनुमान है। साइबर ठग लोगों को डराने-धमकाने के नए-नए तरीकों से लूट रहे हैं। ये लोग इतने शातिर तरीके से काम करते हैं कि पुलिस के लिए इनको पकड़ना बहुत मुश्किल होता है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस बारे में जनता को आगाह किया है कि वो ऐसे झांसों में आकर अपनी मेहनत की कमाई को न लुटाए। पुलिस कई माध्यमों से जनता को जागरूक कर रही है कि डिजिटल अरेस्ट जैसा कुछ नहीं होता। पुलिस का कहना है कि वो किसी को भी डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। सवाल यह है कि लोग क्यों डिजिटल अरेस्ट का शिकार बन रहे हैं।

डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामले बता रहे हैं कि देश की जनता में सरकारी व्यवस्था का कितना डर है। इससे पता चलता है कि देश की जनता सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों से कितनी डरी हुई है। जनता में इतना डर है कि वो न तो अदालत पर भरोसा कर रही है और ही उसे पुलिस पर भरोसा है। सबसे बड़ी बात यह है कि लोग यह जानते हुए भी कि उन्होंने कुछ नहीं किया है, अपनी जीवन भर की कमाई छुटकारा पाने के लिए दे देते हैं। वास्तव में इसके पीछे यह धारणा काम कर रही है कि अगर उन्हें झूठे मामले में भी फंसा दिया गया तो उन्हें अदालत से भी राहत मिलने वाली नहीं है। हमारे मुख्य न्यायाधीश लगातार बयान दे रहे हैं कि देश संविधान से चलेगा लेकिन ऊंचे पद पर बैठे हुए लोगों को पता नहीं है कि देश की सच्चाई क्या है। कहने को तो देश में न्यायपालिका है लेकिन सच्चाई यह है कि न्यायपालिका के पास 5 करोड़ से ज्यादा मुकदमे लंबित हैं। अगर आम नागरिक राहत पाने के लिए अदालत का रुख करता है तो उसे पता नहीं है कि उसके मामले की सुनवाई कब तक होगी।

दूसरी बात यह है कि आम जनता जानती है कि झूठा मामला दर्ज होने पर भी सालों तक अदालत में चक्कर काटने पड़ते हैं। देश 1947 में आजाद हो गया था लेकिन वास्तविक आजादी अभी भी बहुत दूर है। पुलिस का रवैया आज भी अंग्रेजी राज वाला बना हुआ है। गरीब आदमी अपने खिलाफ हुए अपराध की रिपोर्ट लिखाने थाने ऐसे जाता है, जैसे वो ही अपराधी है। सब जानते हैं कि गरीब आदमी के साथ पुलिस थाने में कैसा व्यवहार होता है। डिजिटल अरेस्ट में अपराधी जनता के डर का फायदा उठा रहे हैं। वो अच्छी तरह से जानते हैं कि देश की जनता सरकारी अधिकारियों से कितना डरती है। उन्हें पता है कि अदालतों पर जनता को भरोसा नहीं रह गया है क्योंकि वहां जनता न्याय पाने के लिये जाती है तो उसे न्याय इतनी देरी से मिलता है कि वो अन्याय के बराबर हो जाता है। राष्ट्रपति मुर्मू जी ने कहा था कि देश की न्यायपालिका की ऐसी हालत है कि यहां एक थप्पड़ मारने पर गरीब आदमी सालों तक जेल में सड़ता रहता है लेकिन अमीर आदमी कत्ल करके भी आजाद घूमता है। सबसे बड़ी बात उन्होंने यह बात सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों के सामने कही थी। उन्होंने कहा था कि आप लोग इस मामले में कुछ करिये लेकिन सवाल यह है कि क्या कुछ किया गया है। डिजिटल अरेस्ट के मामले बता रहे हैं कि सिर्फ गरीब आदमी ही नहीं बल्कि सुशिक्षित और सरकारी व्यवस्था से निकले हुए लोगों में भी सरकारी विभागों का डर बहुत ज्यादा है। डिजिटल अरेस्ट के मामले सिर्फ पैसों की लूट नहीं है बल्कि पूरी व्यवस्था पर प्रश्नचिन्ह है कि पिछले 78 सालों में यह व्यवस्था जनता का विश्वास क्यों हासिल नहीं कर पाई है। जब कोई पुलिस वाला किसी रेहड़ी वाले से सामान खरीदता है तो रेहड़ीवाला उससे पैसे मांगते हुए डरता है। राष्ट्रपति मुर्मु जी ने कहा था कि गरीब आदमी न्याय पाने के लिये जब अदालत जाता है तो उसके घर के बर्तन तक बिक जाते हैं।

ट्रंप को नोबेल की भूख

संयुक्त राष्ट्र महासभा से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि 'सात महीनों में मैंने सात ऐसे युद्धों को खत्म कराया जो कभी ना खत्म होने थे। इसलिए सभी को राय है कि मुझे नोबेल शांति पुरस्कार मिलना चाहिए। देखा जाए तो ट्रम्प का यह दावा निरा झूठा और अतिशयोक्ति से भरा है! जबकि हाल के एक सर्वेक्षण के अनुसार केवल 22% अमेरिकी वयस्क मानते हैं कि ट्रम्प को नोबेल मिलना चाहिए। 76% ने कहा कि वे इसके हकदार कदापि नहीं हैं। इससे यह भी सिद्ध होता है कि ट्रम्प ने सात तो छोड़ें वे शायद एक युद्ध भी नहीं समाप्त कराए हैं! ट्रम्प के दावे कोरी कल्पना के अलावा कुछ नहीं हैं। मसलन, उन्होंने ईजिप्ट और इथियोपिया के बीच युद्ध खत्म कराने का श्रेय लिया। ग्रैंड इथियोपियन रेनेसां डैम को लेकर द्विपक्षीय तनाव भले वर्षों से हो, लेकिन कभी युद्ध में नहीं बदला। इसी तरह ट्रम्प ने कोसोवो और सर्बिया के बीच एक काल्पनिक युद्ध को समाप्त कराने का दावा किया। शत्रुता के बावजूद 1990 के दशक के बाद से दोनों देशों में कभी युद्ध नहीं हुआ। आर्मेनिया और कम्बोडिया के बीच युद्ध को लेकर ट्रम्प का दावा शायद सबसे ज्यादा हास्यास्पद था। दोनों देशों के बीच करीब 6,500 किलोमीटर की दूरी है और उनके बीच कभी कोई संघर्ष हुआ ही नहीं। आर्मेनिया का इस साल पड़ोसी अजरबैजान के साथ टकराव जरूर हुआ था और ट्रम्प ने दोनों देशों के संघर्ष खत्म करने संबंधी संयुक्त घोषणा पत्र पर दस्तखत करने के लिए राजी कर लिया था। लेकिन उस समझौते का अनुपालन रुक गया है। फिर भी ट्रम्प द्वारा लड़ाई को समाप्त मान लेना शांति स्थापना के प्रति उनकी शेखी बघारने के अलावा कुछ नहीं है। उन्होंने कांगो और रवांडा के बीच युद्ध को लेकर भी मध्यस्थता का दावा किया, लेकिन कागजों में युद्ध समाप्त होने के बावजूद झड़पें जारी हैं। कम्बोडिया और पड़ोसी थाईलैंड के बीच जुलाई में सीमा को लेकर झड़पें हुई थीं। लेकिन इसे समाप्त कराने में ट्रम्प का आर्थिक दबाव ज्यादा कारगर नहीं रहा, बल्कि दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संगठन (आसियान) की कूटनीति इसका कारण रही। आसियान अध्यक्ष और मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने कुआलालम्पुर में कम्बोडियाई और थाई नेताओं की बातचीत कराई थी। अनवर की मध्यस्थता में हुए बिना शर्त युद्धविराम ने हिंसा रोक दी। यह इकलौता उदाहरण नहीं, जब ट्रम्प ने दूसरों की विदेश नीति की समझ का श्रेय लेने की कोशिश की हो। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तानी आतंकी शिविरों पर हमले किए थे। भारतीय सेनाओं की ताकत ने पाकिस्तान को पीछे हटने के लिए मजबूर किया, लेकिन ट्रम्प ने ढिंढोरा पीटना शुरू कर दिया कि उन्होंने अकेले ही दोनों देशों के बीच मध्यस्थता की और व्यापार संबंधी धमकियां देकर संघर्ष रोक दिया। लेकिन भारतीय अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से उनका खंडन किया। ट्रम्प ने इजराइल और ईरान के बीच युद्ध खत्म कराने का भी दावा किया। लेकिन सच यह है कि उन्होंने इजराइल को ईरानी ठिकानों पर हमला करने की अनुमति दी थी। इजराइल को ईरान के हमलों से बचाने के लिए उन्होंने अपने सैन्य-उपकरणों को तैनात किया था। ईरानी परमाणु ठिकानों पर बमबारी का भी आदेश दिया। अगर यह शांति स्थापित करना है तो युद्ध भड़काना क्या होता है? नोबेल के लिए ट्रम्प के कैम्पेन का तरीका जाना-पहचाना है। पहले एक समस्या निर्मित करो, उसे सुलझाने का दावा करो और फिर पुरस्कार की मांग कर दो। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन के साथ फोटो खिंचाने से लेकर मध्य-पूर्व के शांति समझौतों तक- ट्रम्प कूटनीति नहीं, बल्कि सुर्खियों में बने रहने का स्वांग करते रहे हैं। लेकिन नॉर्वे की नोबेल समिति उनके इस छलावे में आ जाएगी इसमे संदेह है।

आर. के. नारायण : साधारण पात्रों में असाधारण संवेदनाएँ

आरके जैन

भारत की सांस्कृतिक और साहित्यिक दुनिया हर किसी की कल्पना में रंग-बिरंगे चित्रों से सजी होती है, पर जब बात आती है आम आदमी की सादगी, उसकी छोटी-छोटी उलझनों, उसकी हँसी और आँसुओं को संवेदनशीलता और मानवीयता के साथ उकेरने की, तो केवल कुछ ही लेखक इस शिखर तक पहुँच पाते हैं। उनमें से एक हैं आर. के. नारायण, जिन्होंने अपने साहित्य से भारतीय समाज की आत्मा को न केवल भारत में, बल्कि विश्व साहित्य के पटल पर अमर कर दिया। 10 अक्टूबर, 1906 को मद्रास प्रेसीडेंसी (वर्तमान तमिलनाडु) में जन्मे नारायण की रचनाएँ, खासकर मालगुडी डेज़ और उनके उपन्यास, महज कहानियाँ नहीं, बल्कि भारतीय जीवन की सूक्ष्म परतों और रोज़मर्रा की जटिलताओं का जीवंत चित्रण हैं। उनका काल्पनिक शहर मालगुडी एक ऐसी दुनिया है, जो भारतीय समाज के हर रंग को प्रतिबिंबित करता है—चाहे वह गलियों की चहल-पहल हो, स्कूलों की मासूम शरारतें हों, या आँगन की छोटी-छोटी बातचीत।

नारायण का साहित्य उस दौर के भारतीय समाज की उन बारीकियों को उजागर करता है, जो अक्सर भव्य ऐतिहासिक या राजनीतिक कथानकों में गुम हो जाती थीं। उनकी लेखनी की खूबी है आधुनिकता और परंपरा का ऐसा संतुलन, जो न केवल अपने समय में प्रासंगिक था, बल्कि आज भी उतना ही जीवंत और समकालीन लगता है। उनके पात्र—जैसे स्वामी, जो अपनी मासूम शरारतों से पाठक का दिल जीत लेता है, या राजम, जो अपनी निजी उलझनों में फँसकर भी जीवन की सादगी को दर्शाता है—सामान्य होते हुए भी असाधारण रूप से गहरे और सार्वभौमिक हैं। नारायण की कहानियों में हास्य और व्यंग्य इतने स्वाभाविक ढंग से गूंथे हैं कि पाठक मनोरंजन के साथ-साथ भारतीय समाज की गहरी सच्चाइयों से भी रू-ब-रू होता है। उनकी लेखनी में एक अनूठी संवेदनशीलता है, जो पाठक को पात्रों के साथ गहरा भावनात्मक रिश्ता जोड़ने को प्रेरित करती है। मालगुडी डेज़ केवल कहानियों का संग्रह नहीं, बल्कि भारतीय समाज का एक जीवंत सांस्कृतिक और सामाजिक दर्पण है।

इसकी कहानियाँ छोटे शहरों और गाँवों की ज़िंदगी को इतने प्रामाणिक और जीवंत ढंग से पेश करती हैं कि पाठक उस दौर में खो जाता है, जहाँ आधुनिकता की हल्की छुअन ने परंपरागत जीवन को बस छूना शुरू किया था। मालगुडी का हर कोना—रेलवे स्टेशन की भीड़, मंदिर की रौनक, या स्कूल की पाटियों पर बच्चों की शरारतें—जीवन की सादगी और जटिलता को एक साथ उजागर करता है। नारायण ने अपने पात्रों के माध्यम से भारतीय समाज की उन गहरी परतों को छुआ, जिन्हें शायद ही किसी लेखक ने इतनी सूक्ष्मता से चित्रित किया हो। नारायण की लेखनी का सबसे अनूठा पहलू है उनकी भाषा की सरलता और प्रवाह।

अंग्रेजी में लिखने के बावजूद, उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति और संवेदनाओं की गहरी छाप है। यह उनकी कला का सबसे बड़ा प्रमाण है कि उनकी अंग्रेजी रचनाएँ भारतीय जीवन की आत्मा को बिना किसी बनावटीपन के व्यक्त करती हैं। उनकी शैली में स्वाभाविक हास्य और व्यंग्य है, जो सामाजिक रूढ़ियों और मान्यताओं पर हल्का-सा कटाक्ष करता है। उदाहरण के लिए, उनके उपन्यास द गाइड में, राजू का किरदार एक साधारण गाइड से आध्यात्मिक गुरु तक का सफर तय करता है, जो भारतीय समाज में आध्यात्मिकता और विश्वास की जटिलताओं को उजागर करता है।

न्यायपालिका की पतन होती गरिमा को बचाना होगा!

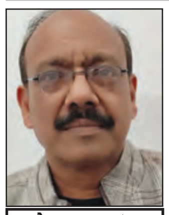

मनोज कुमार अग्रवाल

देश की शीर्ष अदालत के शीर्ष न्यायमूर्ति को लक्ष्य कर एक 72 वर्षीय गैर अपराधिक प्रवृति और चरित्र वाले वरिष्ठ अधिवक्ता द्वारा जूता उछालना बेहद गंभीर और असामान्य घटना है लेकिन ऐसे हालात क्यों बने? असहमति होना अलग बात है लेकिन इस असहमति के प्रतिकार बतौर इस तरह की अपमान जनक प्रतिक्रिया के मूल में छिपे कारणों को तलशना होगा।

देश की न्याय व्यवस्था जिस शुचिता और पारदर्शिता का प्रतिबिंब होनी चाहिए क्या वह परिलक्षित हो रहा है? दरअसल पिछले कुछ दशकों में न्यायपालिका के स्वरूप में सुधार के स्थान पर गिरावट दृष्टिगत हो रही है लगातार बैंच मामलों के तथ्यों से इतर उपदेशक बतौर अनावश्यक मनमानी टिप्पणी कर रहीं हैं यदि अदालत में कोई अधिवक्ता मामले के तथ्यों से अलग नजीर दे तो उसे यही अदालत और न्यायमूर्ति समय की बर्बादी करार देते हैं जबकि स्वयं केस के तथ्यों की सीमा को पार कर टिप्पणी करते हैं यह दोहरा रवैया बैंच और बार के बीच टकराव पैदा करता है नुपूर शर्मा खजुराहो की प्रतिमा समेत कई मामलों में बेंच ने केस के तथ्यों से बाहर अशोभनीय टिप्पणी कर मर्यादा और गरिमा को तोड़ा है। यहां आपको बता दें कि पीढ़ी दर पीढ़ी कालेजियम से कुछ इने गिने जजों के परिवार के नाती पोते ही जज बनते हैं न्यायपालिका में उच्च पदस्थ होकर मनमानी करते हैं सत्ता और विपक्ष दोनो को खुश रखते हैं और रिटायमेंट के बाद का भी सरकारी दामाद बने रहने का अवार्ड पाते हैं।जिस तरह सत्ता धारी दल लगातार वोटर्स को लुभाने के लिए जातीय क्षेत्रीय संतुलन बनाने में लगे रहते हैं ठीक उसी तरह न्यायपालिका की बेंच सत्ता और विपक्ष के साथ अपना संतुलन बैठा कर चलने के लिए काम करती है। यहां गौरतलब है कि जिनकी नियुक्ति की प्रक्रिया ही पारदर्शिता और ईमानदारी से नही है वह क्या न्याय करेंगे? वह कहीं न कहीं पूर्वाग्रही होंगे। विषय से हट कर अनाप शनाप टिप्पणी करते हैं न्यायमूर्ति बनकर भी अपनी जाति धार्मिक मान्यता से ऊपर नहीं उठते बल्कि अपने कारनामों के बचाव के लिए इनका कवच ओढ़ लेते हैं।

देश की अदालतों में साढे चार करोड़ मुकदमे पेंडिंग है लेकिन एक आतंकी के लिए रात को घर मे अदालत लगाकर आदेश जारी करते हैं एक न्यायाधीश के आवास के कमरे में बोरों में करोड़ों की करेंसी जलती मिलती है लेकिन कानून के हाथ बंधे हुए हैं और उन जज साहब पर कार्यवाही नही होती है। इनके बच्चे विदेशों में पढते है गर्मियों की छुट्टिया मनाने के लिए एक माह अदालत बंद कर देते हैं ये माडर्न राजा हैं जो न्याय के नाम पर इंसाफ़ के नाम पर मनमानी करते हैं।भगवान के लिए भी अभद्र टिप्पणी कर सकते हैं और इसी का परिणाम है कि आम आदमी का भरोसा अदालत और न्यायपालिका से टूट रहा है।

हमारा सुझाव है कि देश में सभी नागरिकों से रायशुमारी करानी चाहिए कि नागरिकों को मौजूदा न्यायपालिका और उसके कर्ता धर्ता अदालत जजों पर कितना विश्वास है? मै दावा करता हूं कि नतीजे बेहद भयावह होंगे और इस समूचे सड़ चुके सिस्टम की पोल खोल देंगे। इस देश में यदि मीलार्ड अपना काम समयबद्ध और ईमानदारी से करते तो न भ्रष्टाचार होता न अराजकता होती न सांप्रदायिकता होती न तुष्टिकरण होता इस सबका जिम्मेदार यही काले लबादे में सुरक्षित इमारतों में वातानुकूलित भवनों में बैठे आधुनिक मीलार्ड है जो खुद को भगवान से बड़ा मानते हैं और कभी खेत खलिहान किसान गरीब गाँव चौपाल पंचायत ब्लॉक सार्वजनिक वाहन रेल रोडवेज बस से यात्रा सरकारी स्कूल से पढ़ाई सरकारी अस्पताल में इलाज पुलिस चौकी थाने में पुलिस का व्यवहार तहसील आरटीओ में सरकारी काम के भ्रष्टाचार से कभी दूर का भी वास्ता नही पडा होता है ये लोग न आम जनमानस से आते हैं न आम आदमी की परेशानियां समझ सकते हैं क्योंकि इन्होंने उस माहौल को न देखा न भुगता जिस से नब्बे फीसदी आम आदमी रोजाना भुगतता है झेलता है। ये न्याय की कुर्सी पर बैठ कर कैसे न्याय कर सकते हैं?

इस देश के सभी हाइकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों के आवास और उनके परिवार की संपत्ति पर एक साथ प्रभावी जांच कराने की जरूरत है सारी ईमानदारी सामने आ जाएगी बोरों में नोट रखने वाले जज साहब से भी बड़े मगरमच्छ सामने आ सकते हैं लेकिन किसी सत्ता में इतना दम नहीं है जो गौमुख से गंगा की सफाई शुरू कर सके लिख तो और भी ज्यादा सकता हूँ लेकिन इस राजनीतिक सामाजिक न्यायिक तंत्र से ज्यादा सुरक्षा की उम्मीद नहीं है और ऐसे माहौल में जहां निठारी कांड के करीब बीस बच्चों के हत्यारों को सजा दिलाने के लिए गरीब मजदूर परिवार उन्नीस साल तक अदालत के चक्कर काटने के बाद आरोपियों को अदालत द्वारा सबूत के अभाव में बरी करने पर ठगे खड़े रह जाते हैं।

जहां एक सौ रुपये की रिश्वत लेने के आरोपी को माथे पर लगा रिश्वत का कलंक हटाने के लिए 47 साल बाद अदालत से न्याय मिलता है लेकिन इस बीच उसकी पत्नी मर जाती है परिवार तबाह हो जाता है। ऐसे एक दो नही हजारों नजीर है जो चीख चीख कर बताते हैं कि न्याय आम आदमी के लिए एक जीवन में हासिल करना टेढ़ी खीर है वास्तव में जज साहब सही कहते हैं एक बारगी भगवान किसी की करुण आर्त पुकार सुन सकते हैं लेकिन अदालत नहीं। लोकतंत्र के चार स्तम्भों में मैं सबसे खराब हालत न्यायपालिका की मानता हूं वकालत के साढे तीन दशक के सफर में मैंने इसे नजदीक से देखा है अनुभव किया है। अभी हमारी न्यायिक प्रणाली में बहुत सुधार की जरूरत है इसमें बहुत पारदर्शिता और बदलाव लाने की जरूरत है।। हमारी न्यायिक व्यवस्था को अधिवक्ता के अप्रिय अपमान जनक व्यवहार से सबक लेकर बदलाव की प्रेरणा लेनी चाहिए।

अशिक्षा सामाजिक जड़ता और विकास में बाधा

संजीव ठाकुर

आश्चर्य की बात है कि आज के इस वैज्ञानिक, प्रौद्योगिकीय और डिजिटल युग में भी शिक्षित जनमानस अंधविश्वास और रूढ़िवादिता की जंजीरों से मुक्त नहीं हो पाया है। विज्ञान की ऊँचाइयों को छूने वाला मनुष्य जब वास्तु-दोष, ग्रह-शांति, राहु-केतु और कालसर्प योग जैसी अवधारणाओं के मोहपाश में जकड़ा दिखाई देता है, तो यह न केवल समाज की मानसिक परतों का दर्पण बन जाता है, बल्कि शिक्षा के वास्तविक उद्देश्य पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर देता है। आज मकानों में तथाकथित वास्तु-दोष को दूर करने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जाते हैं, जबकि यह वैज्ञानिक दृष्टिकोण से निरर्थक है। यह उस अंधविश्वास का जीवंत उदाहरण है जो हमारी तार्किक चेतना पर हावी हो चुका है। आँकड़े बताते हैं कि ऐसे मिथ्या विश्वासों के जाल में फँसे लगभग 90% शिक्षित युवा वर्ग अपनी विवेकशक्ति को पीछे छोड़ चुका है। अशिक्षा और अज्ञानता ने न केवल अंधविश्वास को जन्म दिया है, बल्कि धार्मिक कट्टरता और सामाजिक संकीर्णता को भी गहराई तक फैला दिया है। जब अत्यंत शिक्षित लोग भी तर्क से अधिक परंपराओं और भ्रमों को महत्व देने लगते हैं, तो यह समाज और राष्ट्र दोनों के लिए अत्यंत चिंताजनक संकेत है। वास्तव में, शिक्षा वह दीप है जो अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर विवेक की ज्योति प्रज्वलित करता है। यही शिक्षा मनुष्य को वैज्ञानिक आधार पर सोचने, प्रमाणों के सहारे सत्य को स्वीकार करने की शक्ति देती है। कभी मानव जाति यह मानती थी कि पृथ्वी चपटी है, किंतु विज्ञान ने अपने प्रयोगों से यह सिद्ध कर दिया कि पृथ्वी गोलाकार है — और मानव ने इसे तर्क और प्रमाण के बल पर स्वीकार भी किया। यही शिक्षा का प्रभाव है। शहीद भगत सिंह ने जब "नौजवान भारत सभा" की स्थापना की थी, तब अपने घोषणा पत्र में स्पष्ट लिखा था — "धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के सबसे बड़े शत्रु हैं; उनसे मुक्त हुए बिना हम स्वतंत्र और आधुनिक नहीं बन सकते।" यह कथन आज भी उतना ही प्रासंगिक है। देश की युवा शक्ति यदि अपनी ऊर्जा अंधविश्वास के उन्मूलन में लगाए, तो सामाजिक क्रांति का नया अध्याय लिखा जा सकता है।

शिक्षा और विज्ञान ही वे दो पंख हैं जिनसे मानव सभ्यता ने चाँद तक की उड़ान भरी और पूरी दुनिया को सूचना-प्रौद्योगिकी के माध्यम से एक परिवार की तरह जोड़ दिया। ऐसे में "बिल्ली रास्ता काट जाए तो काम रुक जाता है", "छींकना अपशकुन है", या "कौवा बोले तो मेहमान आएंगे" — जैसी मान्यताएँ हमारे सामाजिक विवेक का उपहास मात्र हैं। अंधविश्वास के सबसे घिनौने रूपों में से एक है तंत्र-मंत्र के नाम पर पशु या बाल-बलि देना। यह कृत्य न केवल अमानवीय है, बल्कि समाज में भय और अज्ञान को स्थायी रूप से स्थापित करता है। दुर्भाग्य यह है कि ऐसे "धोखेबाज तांत्रिक" इन भयभीत और अंधविश्वासी लोगों को भूत-प्रेत, ग्रहदोष या कालसर्प के नाम पर ठगते हैं — और यह व्यवसाय अब गाँवों से निकलकर शहरों के बड़े मीडिया मंचों तक पहुँच गया है। यह विडंबना है कि टीवी चैनलों और अखबारों में ऐसे अंधविश्वासी विज्ञापन खुलेआम प्रकाशित होते हैं, जो तर्कशीलता के बजाय अंधश्रद्धा को बढ़ावा देते हैं। सच तो यह है कि अंधविश्वास किसी विशेष वर्ग या क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा; यह विकसित देशों तक भी किसी न किसी रूप में विद्यमान है, परंतु भारत में इसकी जड़ें अशिक्षा के कारण अधिक गहरी हैं।

इसलिए, हमें प्राथमिक स्तर से ही ऐसी शिक्षा प्रणाली का निर्माण करना होगा जो बच्चों में तर्कसंगतता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और प्रश्न करने की प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करे। मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से भी अंधविश्वास-विरोधी जनचेतना अभियान चलाए जाने की आवश्यकता है। केवल वही राष्ट्र सशक्त और प्रगतिशील बन सकता है, जहाँ विज्ञान, तर्क और शिक्षा को अंधश्रद्धा पर वरीयता दी जाती है।

हमें यह निश्चय करना होगा कि हमारे समाज में अंधविश्वास, कट्टरता और मिथ्या आडंबरों के लिए कोई स्थान न रहे — तभी हम एक विज्ञान-समर्थ, विवेकशील और आधुनिक भारत की कल्पना को साकार कर पाएँगे।

अणुव्रत के दर्शन में युग की तस्वीर

निर्मला बैद

अणुव्रत शोषण विहीन समाज रचना का अभियान है। अणुव्रत प्रामाणिक समाज संगठन का अभियान है। मुश्किल हो गया है जीना, अब इस मिलावटी दुनिया में अणुव्रत सर्वतोभद्र समाज कल्पना का समूह गान है। आज अणुव्रत की शक्ति व व्रत के महत्त्व से मानव अपरिचित नहीं है। आज तो प्रश्न यह है कि मानव 'युग' का उपयोग किस प्रकार करे जिससे जीवन आनंदमय एवं कल्याणकारी बन सके और व्रत को कैसे अपनाये कि वह बंधन नहीं, स्वभाव बन जाये। गणाधिपति संत श्री तुलसी द्वारा उद्बोधित अणुव्रत का यह विधान इन प्रश्नों का सुंदर व सहज समाधान प्रस्तुत करता है। धर्म की मूल आत्मा है पवित्रता और उस पवित्रता तक पहुंचने का एक रास्ता है अणुव्रत। किसी जाति, वर्ण, वर्ण व संप्रदाय विशेष का नहीं है, इसलिए इसका क्षेत्र मानव मात्र हो यह स्वाभाविक है। हिंदू गीता पढ़ता है, मुसलमान कुरान, बौद्ध धम्मपद पढ़ता है, जैनी आगमशास्त्र, सिक्ख गुरु ग्रंथ साहिब पढ़ता है, क्रिश्चियन बाइबिल। नामरूप, शब्द, सिद्धांत शास्त्र, संस्कृति व संस्कार की भिन्नताओं के बावजूद भी साध्य सबका एक ही है-स्व की पहचान, शाश्वत मूल्यों का स्वीकरण। अणुव्रत भावात्मक चेतना का अहसास है। इसे हम धर्म, जाति, संप्रदाय, देश-काल, भाषा की सीमाओं में नहीं बांध सकते। अपितु मानव मात्र के लिए है। आज हमारे सामने सबसे बड़ा कार्य मानवीय गुणों की सुरक्षा करना है। आज मानव जाति बहुत बड़े संकट में है। प्रश्न है उसे संकट से कैसे उबारें? आज मानव समाज के सामने सबसे बड़ा संकट है मूल्यों के विघटन का। एक दिन मानव समाज के सामने चरित्र, सत्य, संयम, अहिंसा आदि का मूल्य था, किंतु दुर्भाग्य से आज उनका स्थान सत्ता, राजनीति और पैसे ने ले लिया है। इन शाश्वत मूल्यों के विघटन के कारण मानवता आज कराह रही है। सोना कह रहा है- मुझे अग्नि में जलाया जाता है। हथोड़े से पीटा जाता है, छेनी से काटा जाता है, बरमी से छेदा जाता है। इन सब स्थितियों को मैं प्रसन्नतापूर्वक सहन कर लेता हूं। पर उस समय मेरी पीड़ा असह्य हो जाती है, जब मुझे घुंघची के साथ तोला जाता है। मानव जाति को पीड़ा होनी चाहिए कि उसके शाश्वत मूल्य गिरे हैं इसलिए आज सबसे बड़ी अपेक्षा यही है कि शाश्वत मानवीय मूल्यों की पुनः प्रतिष्ठा की दिशा में तीव्र प्रयत्न हो। अणुव्रत की आचार संहिता इसी अभ्यासक्रम को विकसित करने का मार्ग है। अणु का अर्थ है छोटा और व्रत का अर्थ है संकल्प। अणुव्रत अर्थात छोटे संकल्प व्रत का विकसित रूप अनेक अभ्यासक्रमों के बाद प्राप्त होता है। उसका प्रारंभ अणु से होता है। गीता में कहा है- 'धर्म का अल्प' भी महान् भय से उबार लेता है। इसी तथ्य रूप अणुव्रत भी व्यक्ति को अनेकविध बुराइयों से उबार लेता है। व्रत व्यक्ति के जीवन की सीमा रेखा है। यह स्वीकृत नियंत्रण है थोपा हुआ नहीं। नियंत्रण का सामर्थ्य सब में समान नहीं होता। जिसका जितना सामर्थ्य हो वह उतने व्रत ग्रहण करता है। अणुव्रत मानवीय धरातल की न्यूनतम मर्यादा है। अपने से अपना अनुशासन अणुव्रत की परिभाषा, वर्ण, जाति या संप्रदाय से मुक्त धर्म की भाषा, छोटे-छोटे संकल्पों से मानव परिवर्तन हो। संयममय जीवन हो।

अणुव्रत जीवन शोधन की प्रक्रिया है। अतः अणुव्रत को स्वीकार करने का अर्थ है-जीवन शुद्धिमय आत्मिक पवित्रता के संकल्प की स्वीकृति। आज के युग में अणुव्रती बनने का एक और भी फलित है मानवीय संस्कृति के पुनर्जागरण में सहभागी बनना। आज आदमी अपनी मौलिक संस्कृति को विस्मृत करता जा रहा है- धोखाधड़ी, शोषण, कम तोल माप, भ्रष्टाचार, वोटों की खरीद-बिक्री, दहेज, कुरूढ़ियों को प्रश्रय, अखाद्य और अपेय का सेवन आदि सभी बातें उसी मानवीय संस्कृति की जागरण के स्वर 17 विस्मृति के दुष्परिणाम हैं। अणुव्रत के माध्यम से मानव इन बुराइयों से मुक्त हो और अपनी संस्कृति को अपनायें। भटकते इंसान के लिए अणुव्रत इशारे हैं, दिल के आसमां के लिए अणुव्रत सितारे हैं, प्रवाह को वंदन नहीं व्यवस्थित करने वाले, जीवन सरिता के लिए अणुव्रत के किनारे हैं। समाज की उन्नति और अवनति का अंकन उसके आचार और विचार से होता है। व्यक्ति समाज का घटक है। वह जितना आचार निष्ठ होगा, समाज भी उतना ही उन्नत और समृद्ध होगा।

महावीर, कृष्ण, बुद्ध, ईसा किसी का भी हो, यह विचार सही था कि परिग्रह के प्रति आसक्ति नहीं हो। यह था व्रत का चिंतन। पूंजी के साथ जब वे वाद जुड़ा है तब से विकृतियां आई हैं। पूंजी बुरी नहीं वाद बुरा है। विसर्जन की प्रणाली से रहित संग्रह क्या खतरनाक नहीं होता। पूंजीवाद के संशोधन के प्रयास हो रहे हैं। होना यह चाहिए कि संग्रह भी न हो और मनुष्य का स्वतंत्र अस्तित्व भी रहे। इस बिंदु पर अणुव्रत की उपयोगिता सामने आती है। हृदय परिवर्तन के द्वारा जो संग्रह की समस्या सुलझेगी वह दोष से मुक्त होगी। अणुव्रत प्राकृतिक चिकित्सा है, जहां दोष दबाये नहीं जाते, नष्ट किये जाते हैं। अणुव्रत व्यक्ति के हृदय शुद्धि की प्रक्रिया है। अणुव्रत आंदोलन जैन धर्म जन धर्मात्मक रूप है अर्थात जैन दर्शन के तात्त्विक सिद्धांतों की जन साधारण के दैनिक जीवन में व्यावहारिकता लाने का एक उपयुक्त उपक्रम है।

चतुर्थी और शुक्रवार के योग में करें भगवान गणेश चौथ माता, महालक्ष्मी और शुक्र ग्रह की पूजा

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर करवा चौथ (10 अक्टूबर) का व्रत किया जाता है, ये व्रत सुहागिन महिलाओं के लिए महाव्रत की तरह है, क्योंकि मान्यता है कि जो महिला ये व्रत करती है, उसे अखंड सौभाग्य मिलता है। इस बार ये तिथि शुक्रवार को पड़ रही है, इस कारण इस दिन भगवान गणेश, चौथ माता, महालक्ष्मी के साथ ही शुक्र ग्रह की पूजा का शुभ योग बन रहा है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र ग्रह से संबंधित दोष हैं, उन्हें शुक्रवार को दूध का दान करना चाहिए। जानिए शुक्रवार और चतुर्थी के योग में कौन-कौन से शुभ काम कर सकते हैं...

चतुर्थी पर 5 स्टेप्स में करें गणेश पूजा

चतुर्थी तिथि पर स्नान के बाद सोने, चांदी, तांबे, पीतल या मिट्टी से बनी भगवान गणेश की मूर्ति स्थापित करें।

गणेश जी को स्नान कराएं। इसके बाद को जनेऊ पहनाएं। अबीर, गुलाल, चंदन, सिंदूर, इत्र आदि चढ़ाएं।

वस्त्र अर्पित करें। चावल चढ़ाएं। फूलों से श्रृंगार करें। गणेश मंत्र बोलते हुए दूर्वा चढ़ाएं।

भगवान को लड्डुओं का भोग लगाएं। कर्पूर जलाएं। धूप-दीप से आरती करें। पूजा के बाद भगवान से क्षमा याचना करें।

अंत में प्रसाद अन्य भक्तों को बांटें। अगर संभव हो सके तो घर में ब्राह्मणों को भोजन कराएं। दक्षिणा दें।

गणेश पूजन में भगवान के 12 नाम वाले मंत्रों का जप करेंगे तो पूजा जल्दी सफल हो सकती है। ऊँ गणाधिपतयै नमः, ऊँ उमापुत्राय नमः, ऊँ विघ्ननाशनाय नमः, ऊँ विनायकाय नमः, ऊँ ईशपुत्राय नमः, ऊँ सर्वसिद्धप्रदाय नमः, ऊँ एकदन्ताय नमः, ऊँ इभवक्त्राय नमः, ऊँ मूषकवाहनाय नमः, ऊँ कुमारगुरवे नमः।

ऐसे करें महालक्ष्मी का पूजन

महालक्ष्मी और विष्णु जी की पूजा एक साथ करनी चाहिए। विष्णु-लक्ष्मी की प्रतिमा का अभिषेक करें। वस्त्र अर्पित करें, हार-फूल से श्रृंगार करें। तुलसी के साथ मिठाई का भोग लगाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें। पूजा में विष्णु जी के मंत्र ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप कर सकते हैं।

शिवलिंग रूप में की जाती है शुक्र ग्रह की पूजा

शुक्र ग्रह की पूजा शिवलिंग रूप में की जाती है। शुक्रवार और चतुर्थी के योग में शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं और सफेद फूलों से श्रृंगार करें। बिल्व पत्र, धतूरा, आंकड़े के फूल भी चढ़ाएं। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

ऐसे कर सकते हैं करवा चौथ व्रत

करवा चौथ सुहागिन महिलाओं के लिए महाव्रत है। इस व्रत के शुभ फल से अखंड सौभाग्य मिलता है, ऐसी मान्यता है। व्रत करने वाली महिलाओं के घर में सुख-शांति और प्रेम बना रहता है, जीवन साथी स्वस्थ रहता है। ये व्रत निर्जला है यानी इस व्रत में महिलाएं पानी भी नहीं पीती हैं।

करवा चौथ में चंद्र दर्शन का महत्व काफी अधिक है। ये व्रत शाम को चंद्र दर्शन और पूजन के बाद ही पूरा होता है। इस व्रत में महिलाएं सुबह जल्दी जागती हैं और स्नान के बाद सूर्योदय से पहले सरगी खाकर व्रत शुरू करती हैं। इसके बाद पूरे दिन निर्जल रहती हैं और शाम को गणेश जी, करवा चौथ माता, चंद्र पूजा के बाद व्रत पूरा होता है।

दीपावली 20 अक्टूबर को ही मनेगी

ज्योतिषी बोले- अमावस्या 21 अक्टूबर को सूर्यास्त से पहले खत्म

2024 की तरह इस साल भी कार्तिक महीने की अमावस्या तिथि दो दिन रहेगी, जिससे दीपावली की सही तिथि को लेकर संशय बना हुआ था। लेकिन बनारस, उज्जैन और भोपाल के वरिष्ठ ज्योतिषाचार्यों ने साफ कर दिया है कि दीपावली 20 अक्टूबर सोमवार को ही मनाई जानी चाहिए।

उज्जैन स्थित महाकाल मंदिर में भी दिवाली इसी दिन मनाई जाएगी। 20 अक्टूबर को अमावस्या प्रदोष और निशीथ काल में होने के कारण इसी दिन लक्ष्मी पूजन करना शुभ माना गया है।

इस बार दिवाली 20 अक्टूबर को ही क्यों मनाई जाना चाहिए? दीपावली पर लक्ष्मी पूजन अमावस्या तिथि की रात, प्रदोष और निशीथ काल में होता है। इस बार अमावस्या तिथि 20 अक्टूबर को दोपहर 3:44 बजे से शुरू होकर 21 अक्टूबर शाम 5:43 बजे तक रहेगी। 20 को ही अमावस्या तिथि प्रदोष और रात्रिकाल में रहेगी। इसलिए इसी दिन दीपावली मनाना शास्त्रसम्मत है।

प्रदोष व निशीथ काल क्या है? सूर्यास्त से लगभग 1.5-2 घंटे पहले और बाद का शुभ समय प्रदोष काल कहलाता है। वहीं, निशीथ काल आधी रात का समय होता है, लगभग रात 12 बजे से 1:30 बजे तक। लक्ष्मी पूजन के लिए विशेष और शुभ माना जाता है।

21 अक्टूबर को अमावस्या तिथि रहते हुए भी दीपावली क्यों नहीं मनाई जाएगी? क्योंकि 21 अक्टूबर को अमावस्या सूर्यास्त से पहले ही समाप्त हो जाएगी और शाम तक प्रतिपदा तिथि शुरू हो जाएगी। 21 तारीख को अमावस्या ना तो प्रदोषकाल में रहेगी, ना रात्रि में। दीपावली पूजन अमावस्या की रात को ही होता है, इसलिए 21 को नहीं मनाई जाएगी।

25 साल में 11 बार अक्टूबर में दिवाली...

ज्योतिषियों के अनुसार पिछले 25 सालों में यह तीसरी बार होगा, जब सोमवार को दीपावली मनाई जाएगी। इसके अलावा, पिछले 25 साल में अक्टूबर में 11 बार दीपावली मनी, जबकि इतने सालों में नवंबर में 13 बार दीपावली मनाई जा चुकी है।

करवा चौथ पर चांद को अर्घ्य देते समय करें इन मंत्रों का जप

चांद को जल अर्पित करते समय ॐ सोमाय नमः या फिर विस्तृत रूप में ओमचन्द्राय नमः मंत्र का जाप करें. इस मंत्र का अर्थ है कि "हे चंद्र देव, आपको मेरा नमन है, कृपा कर मेरे पति को दीर्घायु, सुख और समृद्धि का आशीर्वाद दें।

करवा चौथ का व्रत भारतीय परंपरा में सुहागिन महिलाओं के लिए सबसे पवित्र और श्रद्धा से भरा त्योहार माना जाता है। इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र, सुख और समृद्धि के लिए पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं। सूर्योदय से लेकर चांद निकलने तक वे अन्न और जल ग्रहण नहीं करतीं। जब रात को चांद आकाश में चमकता है, तब महिलाएं पूजा कर चंद्र देव को अर्घ्य (जल) अर्पित करती हैं और इसके बाद ही अपने व्रत को पूर्ण करती हैं।

करवा चौथ की पूजा का सबसे खास क्षण होता है चांद को जल चढ़ाने का। इस समय महिलाएं छलनी से चांद और अपने पति का चेहरा देखती हैं और फिर चंद्र देवता की आराधना करती हैं। ऐसा माना जाता है कि चांद को अर्घ्य देने से व्रत का फल पूर्ण होता है और चंद्र देव पति की आयु में वृद्धि का आशीर्वाद देते हैं।

चांद को जल अर्पित करते समय ॐ सोमाय नमः या फिर विस्तृत रूप में ओम चन्द्राय नमः मंत्र का जाप करें। इस मंत्र का अर्थ है कि "हे चंद्र देव, आपको मेरा नमन है, कृपा कर मेरे पति को दीर्घायु, सुख और समृद्धि का आशीर्वाद दें।

कई जगहों पर नमः शशाङ्काय शान्ताय शीतांशु प्रभवे नमः नमस्तेऽस्तु जगन्नाथ सुरराज नमोऽस्तु ते। इस मंत्र का जाप करते हैं। इसका अर्थ है कि "हे शांत स्वभाव वाले शीतल चंद्रदेव, आपको मेरा प्रणाम है। आप समस्त जगत के नाथ हैं। आपकी कृपा से मेरे परिवार में सुख-शांति बनी रहे।

जब महिलाएं यह मंत्र बोलकर चांद को जल अर्पित करती हैं, तो साथ ही अपने पति के दीर्घ जीवन और दांपत्य सुख की कामना करती हैं। इसके बाद वे पति से जल ग्रहण कर अपना व्रत तोड़ती हैं। करवा चौथ का यह अनुष्ठान न केवल आस्था का प्रतीक है बल्कि पति-पत्नी के बीच प्रेम, समर्पण और विश्वास का प्रतीक भी माना जाता है।

चांद को अर्घ्य देने की यह परंपरा सैकड़ों वर्षों से चली आ रही है, जो आज भी भारतीय संस्कृति की सुंदरता को दर्शाती है। इसलिए जब भी करवा चौथ पर आप चांद को जल दें, पूरे मन और श्रद्धा से यह मंत्र बोलें यही सच्चे प्रेम और आस्था की पराकाष्ठा है।

प्रेग्नेंसी में कैसे करें करवा चौथ का व्रत

कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत किया जाता है और इस बार यह शुभ तिथि 10 अक्टूबर दिन शुक्रवार को है। करवा चौथ का व्रत हिंदू धर्म में सुहागिन स्त्रियों का सबसे पवित्र और प्रिय व्रत माना गया है। यह दिन पति की लंबी उम्र और दांपत्य सुख के लिए रखा जाता है, यह व्रत त्याग, प्रेम और समर्पण का प्रतीक है। लेकिन जब कोई महिला प्रेग्नेंट होती है, तो यह सवाल सबसे पहले उठता है क्या वो भी करवा चौथ का व्रत रख सकती है? अगर हां, तो कैसे। आइए जानते हैं गर्भवती महिलाएं करवा चौथ का व्रत कैसे करें, ताकि व्रत का संपूर्ण फल प्राप्त हो सके।

गर्भावस्था में करवा चौथ का महत्व

करवा चौथ का व्रत हर सुहागन महिला के लिए बेहद खास होता है। करवा चौथ में महिलाएं सूर्योदय से पहले सरगी खाकर पूरे दिन निर्जला व्रत रखती हैं और रात को चांद देखकर पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत तोड़ती हैं। माना जाता है कि यह व्रत ना सिर्फ पति की लंबी आयु बल्कि वैवाहिक जीवन में सुख, प्रेम और विश्वास को भी मजबूत करता है। स्कंद पुराण, पद्म पुराण, और महाभारत के अनुशासन पर्व में इस व्रत का उल्लेख मिलता है। गर्भावस्था में करवा चौथ मनाना केवल व्रत रखने तक सीमित नहीं होता। यह परिवार और पति-पत्नी के बीच भावनात्मक जुड़ाव को भी मजबूत करता है। इस दिन पति का सहयोग, समझ और देखभाल भी उतनी ही जरूरी है जितनी पत्नी की श्रद्धा।

सबसे पहले डॉक्टर से सलाह अवश्य लें

गर्भवती महिलाएं करवा चौथ का व्रत रखने से पहले एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें। हर महिला की सेहत, गर्भ का महीना और शारीरिक स्थिति अलग होती है इसलिए व्रत रखने से पहले डॉक्टर से सलाह मशविरा अवश्य लें। अगर आपकी प्रेग्नेंसी का पहला या आखिरी महीना चल रहा है, तो निर्जला व्रत रखना खतरनाक हो सकता है। डॉक्टर अक्सर सलाह देते हैं कि गर्भवती महिलाएं निर्जला (बिना पानी) व्रत ना रखें। दिन में कुछ फल, नारियल पानी या दूध लेते रहना बेहतर है ताकि डिहाइड्रेशन या कमजोरी ना हो।

गर्भवती महिला करवा चौथ का व्रत कैसे करें

शास्त्रों में बताया गया है कि सामान्यतः महिलाएं करवा चौथ का व्रत निर्जला उपवास करती हैं लेकिन गर्भवती महिलाओं को यह बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आप बीच बीच में फल का सेवन, दूध, नारियल, पानी आदि का सेवन कर सकते हैं। व्रत का भाव सबसे महत्वपूर्ण होता है शरीर को तकलीफ में डालना इस व्रत का उद्देश्य नहीं है। व्रत का संकल्प लेते समय मन ही मन बोलें कि मैं अपने सामर्थ्य और स्वास्थ्य के अनुसार यह व्रत कर रही हैं। इसके बाद आप व्रत शुरू कर दें। दिन में किसी समय आराम से बैठकर करवा चौथ की कथा सुनें या पढ़ें। कथा सुनने के समय थाली में रखे करवे को हाथ में लेकर घूमाएं और कथा पूरी होने पर अपनी सास या परिवार की बड़ी महिला को दे दें।

शाम के समय पूजा करने की जगह को साफ सुथरा रखें और करवा माता की तस्वीर या कैलेंडर का रख दें। करवा माता के साथ साथ आप चौकी पर भगवान शिव, माता पार्वती और करवे का रख सकते हैं। अब हर जगह गंगाजल से छिड़काव करें और दीपक जला दें। इसके बाद करवा माता की पूजा अर्चना करें और सुहाग का सामान अर्पित करें। मिठाई, फल आदि का भोग लगाएं और आरती करें। करवा माता से पति की लंबी उम्र की कामना करें और बच्चे के अच्छे स्वास्थ्य की प्रार्थना भी करें।

रात के समय चांद निकलने पर अर्घ्य दें और छलनी और दीपक से चंद्रमा को देखें। इसके बाद चंद्रमा और माता पार्वती से पति और शिशु की लंबी आयु की कामना करें और सुख समृद्धि का आशीर्वाद दें। इसके बाद पति से आशीर्वाद लें। अब हल्के भोजन से व्रत को खोलें। गर्भवती महिला को बिल्कुल भी भूखे पेट या भारी मसालेदार खाना तुरंत नहीं खाना चाहिए।

क्या द्रौपदी और सीता भी करती थीं करवा चौथ

रामायण और महाभारत क्या कहते हैं

करवा चौथ" नाम से कोई व्रत न तो वेद ना पुराण और ना ही रामायण या महाभारत में मिलता है। यह व्रत लोक परंपरा (लोकायत धर्म) से विकसित हुआ, जो बाद में धर्मशास्त्रों में स्थान पाता गया। "करक चतुर्थी" या "करक व्रत" का उल्लेख कुछ पुराणों जैसे भविष्य पुराण और नारदीय पुराण में मिलता है। इसमें बताया गया है कि स्त्रियां अपने पति की लंबी आयु के लिए चतुर्थी तिथि पर उपवास रखती हैं – इसे आधुनिक करवा चौथ का ही शुरुआती रूप माना जा सकता है।

वाल्मीकि रामायण, अध्यात्म रामायण या रामचरितमानस – किसी में भी सीता द्वारा "करवा चौथ" या "सौभाग्य हेतु व्रत" रखने का उल्लेख नहीं हुआ है। उत्तरकांड में ये ज़रूर कहा गया है कि सीता ने पति के धर्म के पालन और तपस्या में अटूट निष्ठा रखी – पर उपवास के रूप में करवा चौथ जैसा व्रत नहीं उस दौर में नहीं होता था।

हां उत्तर भारत की कुछ लोककथाओं में ये कहा जाता है कि जब राम वनवास में थे, सीता ने उनकी सुरक्षा के लिए चंद्रमा को अर्घ्य दिया था। लेकिन यह लोक परंपरा है, शास्त्रीय प्रमाण नहीं।

धार्मिक मान्यताएं जरूर हैं कि माता सीता ने भगवान श्रीराम के लिए करवा चौथ का व्रत रखा था, विशेष रूप से जब वे अशोक वाटिका में थीं। माना जाता है कि उन्होंने पति की लंबी आयु और सुख-संपत्ति के लिए यह व्रत किया था।हालांकि उन्होंने व्रत जरूर किया था लेकिन इसे करवा चौथ नहीं कहा गया।

चिंतित द्रौपदी ने अर्जुन के लिए कौन सा व्रत रखा

महाभारत में एक प्रसिद्ध प्रसंग है। पांडव वनवास में हैं। अर्जुन तपस्या को गए हैं। द्रौपदी चिंतित हैं। तब कृष्ण उन्हें "करक व्रत" करने का सुझाव देते हैं, जिससे पति की सुरक्षा और सफलता होती है। हालांकि यह प्रसंग "महाभारत" के मूल संस्करण में नहीं बल्कि बाद में जोड़े गए "व्रत-खंड या "कथासरित्सागर" जैसी ग्रंथों की लोक कथाओं वाली श्रृंखला में मिलता है। कहते हैं कि इसी प्रसंग के बाद करवा चौथ की कथा विकसित हुई। जिसमें एक स्त्री अपने पति की रक्षा के लिए चतुर्थी तिथि का व्रत रखती है।

मिट्टी का घड़ा और कृष्ण चतुर्थी

अधिकांश विद्वानों के अनुसार, यह व्रत उत्तर-पश्चिम भारत यानि पंजाब, हरियाणा और राजस्थान की परंपरा से आया है। "करवा" यानि मिट्टी का घड़ा और "चौथ" का मतलब चतुर्थी तिथि। यानि कार्तिक मास की कृष्ण चतुर्थी को किया जाने वाला उपवास। कृषि आधारित समाज में, यह समय रबी फसलों की बुवाई से पहले का होता था। तब स्त्रियां पति की दीर्घायु और परिवार की समृद्धि के लिए व्रत रखती थीं। धीरे धीरे यह कथा श्रृंगार और चांद के दीदार करके व्रत तोड़े जाने से जुड़ गई।

द्रौपदी का 'करक व्रत' जो अब करवा चौथ बन गया आइए जानते हैं कि वो करक व्रत कथा कौन सी है, जिस व्रत को द्रौपदी ने कृष्ण के कहने पर अर्जुन की रक्षा के लिए रखा था।, बाद में ये करवा चौथ की कथा के रूप में विकसित हुई। कहा जाता है कि इसी से आधुनिक करवा चौथ की नींव पड़ी।

एक बार पांडव जब वनवास में थे, तो अर्जुन तपस्या करने के लिए हिमालय चले गए। अर्जुन के जाने के बाद द्रौपदी बहुत चिंतित रहने लगीं। क्योंकि वन में पांडवों को तरह-तरह के संकटों और राक्षसों से जूझना पड़ रहा था। द्रौपदी ने मन ही मन भगवान कृष्ण को याद किया। उन्होंने कहा, "हे माधव! मेरे पति संकट में हैं। उनके जीवन की रक्षा कैसे हो, इसका उपाय बताइए।"

भगवान कृष्ण मुस्कराए और बोले, "हे द्रौपदी, तुम्हारी चिंता उचित है।एक प्राचीन व्रत है – करक चतुर्थी व्रत, जिसे यदि श्रद्धा से किया जाए तो पति की आयु बढ़ती है, संकट दूर होते हैं और सौभाग्य अखंड रहता है।" द्रौपदी ने पूछा, "हे माधव, यह व्रत कैसे किया जाता है?" तब कृष्ण ने ये बताया कि ये व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को स्नान करके मिट्टी के घड़े में जल भरकर रखा जाना चाहिए। उसमें गणेशजी तथा चंद्रमा का पूजन कर पति की लंबी उम्र का संकल्प करना चाहिए। फिर रात में चांद को अर्घ्य देकर फिर पानी पीना चाहिए।"द्रौपदी ने उसी अनुसार व्रत किया। कहा गया कि इस व्रत के चलते अर्जुन की तपस्या सफल हुई। बाद में यही करक व्रत "करवा चौथ" बन गया। कई स्थानों पर यह भी मान्यता है कि माता पार्वती ने पहला करवा चौथ व्रत भगवान शिव के लिए रखा था।

सैफ से शादी के बाद भी अपने पैसों को हर दिन एन्जॉय करना चाहती हैं करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर खान फिल्म इंडस्ट्री की सबसे मशहूर अभिनेत्रियों में से एक हैं। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने ऐसा मकाम हासिल किया है, जिसका सपना कई लड़कियां देखती हैं। उनकी जिंदगी लोगों को दिखाती है कि महिलाओं के लिए आजादी, खासकर आर्थिक आजादी कितनी जरूरी है।

पैसों को लेकर करीना का नजरिया बदला

हाल ही में करीना कपूर दिल्ली में एक प्रोग्राम में पहुंचीं। यहां उन्होंने यह बताया कि कैसे वर्षों में उनका पैसों को लेकर नजरिया बदल गया है। उन्होंने कहा 'मुझे लगता है कि पैसों को लेकर मेरा नजरिया बदल गया है। जाहिर है, पिछले 26 वर्षों से काम करने से मेरे लिए यह पूरी तरह से बदल गया कि मैं पैसों को कैसे देखती हूं।'

अभिनेत्रियां पुरुषों जितना वेतन चाहती हैं

करीना ने आगे कहा 'आजकल अभिनेत्रियां भी यह कहने लगी हैं कि उन्हें अपने पुरुष समकक्षों के बराबर भुगतान मिलना चाहिए। इसलिए मुझे लगता है कि इसने महिलाओं को भी एक नया नजरिया दिया है। यह दिखाता है कि आज पैसों का क्या मतलब है। मुझे लगता है कि यह सिर्फ बैंक में पैसे होने से कहीं ज्यादा है।

एक्टिंग की आजादी चाहती थीं करीना

महिलाओं की आर्थिक स्थिति पर अपने विचार साझा करते हुए 'जब वी मेट' स्टार ने बताया कि उन्होंने शादी के बाद भी कभी अपनी एक्टिंग की स्वतंत्रता पर समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा 'आज लोग जीवन का अनुभव लेना चाहते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि यह अनुभव समय के साथ आता है। यह अनुभव काम करके, शादी करके आता है। फिर आपको लगता है कि आप अपनी खुद की आजादी चाहते हैं। ऐसा मेरे साथ हुआ।' करीना ने आगे कहा 'मैं हमेशा चाहती थी कि मैं एक अभिनेत्री के रूप में अपनी आजादी रखूं। यहां तक कि जब मैंने सैफ से शादी की तब भी। मुझे लगता है कि मैं अपने पैसों को हर दिन एन्जॉय करूं।'

करीना का वर्कफ्रंट

करीना कपूर ने हाल ही में निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म 'दायरा' की शूटिंग शुरू की है। इसमें वह पृथ्वीराज सुकुमारन के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

करियर के 22 साल पूरे होने पर नयनतारा ने लिखा स्पेशल नोट बोलीं- 'नहीं पता था फिल्में जीवन का प्यार बन जाएंगी'

साउथ की लेडी सुपरस्टार कही जाने वाली नयनतारा ने इंडस्ट्री में अपने 22 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर नयनतारा ने एक इमोशनल नोट लिखा है। इस नोट में नयनतारा ने फैंस का शुक्रिया जताते हुए अपने किरदारों और करियर के अनुभवों के बारे में भी बात की है।

हर शॉट ने मुझे आकार दिया

नयनतारा ने अपने इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की है। यह तस्वीर एक लिखे हुए नोट की है। इस नोट में अभिनेत्री ने लिखा, '22 साल हो गए जब मैं पहली बार कैमरे के सामने खड़ी हुई थी, तब मुझे नहीं पता था कि फिल्में मेरे जीवन का प्यार बन जाएंगी। हर शॉट, हर फ्रेम, हर खामोशी, ने मुझे आकार दिया, मुझे ठीक किया और मुझे वह बनाया जो मैं हूं। हमेशा आभारी रहूंगी।'

2003 में की करियर की शुरुआत

नयनतारा ने साल 2003 में मलयालम फिल्म 'मनास्सिनक्कारे' से अपने करियर की शुरुआत की और अपने अभिनय से जल्द ही इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बना ली। इन वर्षों में उन्होंने 'चंद्रमुखी', 'श्री राम राज्यम', 'आराम', 'माया', 'कोलमावु कोकिला' और 'जवान' जैसी फिल्मों में अभिनय किया है। नयनतारा देखते-देखते साउथ सिनेमा की लीडिंग हीरोइन बन गईं और फैंस ने उन्हें लेडी सुपरस्टार का तमगा भी दे दिया।

'जवान' से की बॉलीवुड में शुरुआत

नयनतारा ने साल 2023 में आई फिल्म 'जवान' से बॉलीवुड में भी अपनी शुरुआत की। एटली द्वारा निर्देशित इस फिल्म में नयनतारा बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान के साथ प्रमुख भूमिका में नजर आई थीं। इस फिल्म को दर्शकों और क्रिटिक्स की अच्छी प्रतिक्रिया मिली और फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के नए कीर्तिमान स्थापित किए। इसी फिल्म के लिए शाहरुख खान को उनके करियर का पहला नेशनल अवॉर्ड भी मिला है।

नयनतारा की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो नयनतारा इस समय कई फिल्म प्रोजेक्ट्स में व्यस्त हैं, जिनमें निर्देशक सुंदर सी के साथ एक बड़े बजट की फिल्म, 'मुकुथी अम्मन 2', यश की आगामी कन्नड़ फिल्म 'टॉक्सिक' और विष्णु एडवन द्वारा निर्देशित कविन के साथ तमिल फिल्म 'हाय' शामिल है।

पत्नी और गर्लफ्रेंड को लेकर सैफ का बड़ा बयान

अभिनेता सैफ अली खान इन दिनों अक्षय कुमार के साथ अपनी आगामी फिल्म 'हैवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस बीच सैफ ने पत्नी और गर्लफ्रेंड के साथ काम करने पर अपने विचार रखे। सैफ ने पत्नी करीना के साथ कई फिल्मों में काम किया है। वहीं सैफ ने अपने करियर के शुरुआती दौर को भी याद किया।

करियर की शुरुआत में नहीं मिलीं अच्छी फिल्में

सैफ अली खान ने अपने करियर के शुरुआती वक्त को याद किया। एक्टर ने बताया कि उस वक्त लोग मेरे लिए कहते थे कि वह भाग्यशाली थे कि उन्हें कई मौके मिले। हालांकि, मुझे ऐसा लगता है कि मुझे उस समय बन रही अच्छी फिल्में नहीं मिलीं। मुझे मुख्य भूमिकाओं के लिए नहीं लिया जा रहा था।

बल्कि सेकंड लीड के तौर पर मुझे फिल्में मिल रही थीं। हालांकि, बाद में अपने किरदारों में प्रयोग करने पर ये बदलाव आया है।

सेट पर अच्छी प्रतिस्पर्धा ने मुझे निखारा है

इस दौरान एक्टर ने कहा कि सेट पर एक स्वस्थ और अच्छी प्रतिस्पर्धा ने मुझे एक अभिनेता के तौर पर निखारा है। मेरा ऐसा मानना है कि साथी कलाकारों के साथ कुछ नया प्रयास करने और इम्प्रोवाइज करने पर ही मेरा बेस्ट परफॉर्मेंस निकलकर सामने आता है। हालांकि, इस दौरान एक्टर ने कहा कि इसीलिए मेरा मानना है कि पत्नी या गर्लफ्रेंड के साथ काम नहीं करना चाहिए। ये बात सैफ ने तब कही है जब वो खुद पत्नी करीना के साथ कई फिल्में कर चुके हैं। लेकिन उनका मानना है कि पत्नियों और गर्लफ्रेंड के साथ काम करना अच्छा विचार नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप है सैफ-करीना की जोड़ी

सैफ अली खान ने अपने करियर में करीना कपूर के साथ कई फिल्मों में काम किया है। इनमें 'एलओसी कारगिल', 'ओमकारा', 'टशन', 'कुर्बान' और 'एजेंट विनोद' जैसी फिल्में शामिल हैं। हालांकि, करीना और सैफ की जोड़ी बॉक्स ऑफिस पर कभी सफल नहीं रही। क्योंकि इनमें से 'ओमकारा' को छोड़कर बाकी सभी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप ही साबित हुई हैं। 'ओमकारा' में भी करीना सैफ के अपोजिट नहीं थीं, बल्कि वो अजय देवगन के साथ थीं।

'हैवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं सैफ

वर्कफ्रंट की बात करें तो सैफ अली खान आखिरी बार नेटफ्लिक्स की फिल्म 'ज्वेल थीफ' में नजर आए थे। इस फिल्म को क्रिटिक्स और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

इन दिनों सैफ अपनी आगामी फिल्म 'हैवान' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म में वो लगभग 17 साल बाद अक्षय कुमार के साथ फिर से नजर आएंगे। प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सैफ और अक्षय के अलावा सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे।

तीन किरदार एक कलाकार

अनुपम खेर ने रवींद्रनाथ टैगोर-महात्मा गांधी और मनमोहन सिंह के लुक को शेयर किया

अनुपम खेर अपनी आगामी 538वीं फिल्म में रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका में नजर आएंगे। आज अनुपम ने अपनी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' में महात्मा गांधी और फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' से मनमोहन सिंह के लुक को सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। इन तीनों शानदार लुक के साथ अनुपम ने एक खास नोट भी लिखा है।

अनुपम खेर का पोस्ट

अनुपम खेर ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्मों के

तीन किरदारों की तस्वीरें शेयर कीं और साथ ही कैप्शन में लिखा, 'तीन किरदार- एक अभिनेता !तीन कलाकार- एक कलाकार!! कभी-कभी किसी अन्य व्यक्ति को भी अपनी काबिलियत का अहसास कराना चाहिए। अच्छा लगता है! जय हो! #रवींद्रनाथ टैगोर #गांधी #मनमोहनसिंह।'

फैंस के कमेंट्स

अनुपम खेर की इस पोस्ट पर कई फैंस ने कमेंट कर अपनी राय पेश की है। एक फैन ने लिखा, 'नमस्ते सर, आपको कोई खास कर अपनी काबिलियत दिखाने की जरूरत नहीं है। आपका नाम ही काफी है!', एक और फैन ने लिखा, 'आप एक अद्भुत कलाकार हैं सर, हम आपसे प्यार करते हैं सर', एक और फैन ने लिखा, 'बहुमुखी अभिनेता आप सर', एक और फैन ने लिखा, 'पीएम लाल बहादुर शास्त्री का रोल प्ले कीजिए। फिल्म बनाए उनके जीवन पर।'

अनुपम खेर और उनके किरदार

अनुपम खेर अपनी आगामी फिल्म 'अग्नियुगः द फायर' में रवींद्रनाथ टैगोर की भूमिका में नजर आएंगे। यह अनुपम की 538वीं फिल्म होगी, जिसके बारे में उन्होंने जुलाई 2023 में अपने पहले लुक की झलक साझा की थी। अनुपम खेर ने 2025 में आई 'द बंगाल फाइल्स' फिल्म में महात्मा गांधी की भूमिका निभाई है, जिसमें उन्होंने बापू के रूप को गहराई और ईमानदारी से जीवंत किया है। इसके अलावा अनुपम ने केवल एक फिल्म 'द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर' में मनमोहन सिंह की भूमिका निभाई है, जो 2019 में रिलीज हुई थी और पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के जीवन पर आधारित थी।

गौहर खान के इंटीमेट सीन से ससुर इस्माइल दरबार को दिक्कत? अभिनेत्री ने साझा कर दिया रिएक्शन

बेबाक और सशक्त अदाकारा गौहर खान इन दिनों चर्चाओं का हिस्सा बनी हुई हैं। पहले फिर से मां बनकर, फिर 'बिग बॉस 19' में जेठ आवेज दरबार का समर्थन करने की वजह से उन्होंने सुर्खियां बटोरीं। अब वो ससुर इस्माइल दरबार के हालिया बयान की वजह से खबरों में हैं। एक इंटरव्यू में इस्माइल दरबार ने बहू के काम को लेकर अपनी 'पुरानी सोच' का जिक्र किया। इस विवाद के बीच गौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर एक ऐसा नोट शेयर किया, जिसे फैंस उनके जवाब के तौर पर देख रहे हैं।

मां होने के बाद भी नहीं रुकीं गौहर

गौहर खान ने हमेशा अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ के बीच एक संतुलन बनाए रखा है। पहले बेटे जेहान के जन्म के बाद उन्होंने जल्दी ही काम पर वापसी की थी। और अब दूसरे बेटे फरवान के जन्म के बाद भी उन्होंने अपने करियर को उसी उत्साह से जारी रखा है। उनके इसी कदम को लेकर बहुत सारे लोग उनकी तारीफ भी कर रहे हैं।

इस्माइल दरबार का बयान बना चर्चा का विषय

हाल ही में एक इंटरव्यू में इस्माइल दरबार ने कहा कि वो अपनी बहू की फिल्मों को नहीं देखते क्योंकि उनकी सोच थोड़ी पुरानी है। उन्होंने कहा कि, 'गौहर अब हमारे घर की इज्जत हैं, लेकिन मैं उन्हें काम छोड़ने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। बस मैं वो चीजें नहीं देखता जिससे मुझे असहजता हो। उनके इस बयान ने सोशल मीडिया पर बहस छेड़ दी। कई यूजर्स ने इसे पुरुष प्रधान मानसिकता बताया, वहीं कुछ ने कहा कि दरबार अपनी सोच के अनुसार बात कर रहे हैं।

गौहर खान ने साझा किया क्रिप्टिक पोस्ट

इन प्रतिक्रियाओं के बीच गौहर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट साझा किया। उसमें लिखा था- 'एक बेटे को पालना किसी खूबसूरत पल से कम नहीं। वो चलता नहीं दौड़ता है, बैठता नहीं चढ़ता है, फुसफुसाता नहीं चिल्लाता है, फिर भी एक पल रुककर तुम्हारे गाल पर किस करता है और कहता है 'यू आर ब्यूटीफुल'।' गौहर खान के इसी पोस्ट को बहुत सारे लोगों ने उनका ससुर इस्माइल दरबार के हालिया बयान का जवाब माना और सोशल मीडिया पर उनका ये जवाब तेजी से वायरल भी हो रहा है।

गौहर और जैद की शादी

गौहर और उनके पति जैद दरबार की शादी दिसंबर 2020 में हुई थी। दोनों की जोड़ी सोशल मीडिया पर खूब पसंद की जाती है। जहां जैद हमेशा पत्नी के काम को सपोर्ट करते हैं, वहीं गौहर भी अपने पारिवारिक दायित्वों को बखूबी निभाती हैं। ऐसे समय में जब महिलाओं को 'घर या करियर' में से किसी एक को चुनने की सलाह दी जाती है, गौहर खान अपनी जिंदगी से ये साबित कर रही हैं कि मातृत्व और पेशेवर सपने साथ-साथ चल सकते हैं।

कौन हैं सारा खान? 'बिदाई' और 'स्पाई बहू' में की शानदार अदाकारी, 'बिग बॉस 4' में की थी पहली शादी

'सपना बाबुल का... बिदाई' और 'ससुराल सिमर का' जैसे शोज में बेहतरीन अभिनय करने वाली सारा खान ने अभिनेता कृष पाठक से शादी कर ली है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर इस बात की जानकारी दी। सारा खान का जन्म 6 अगस्त 1989 को भोपाल में हुआ। वह सुन्नी मुस्लिम परिवार से आती हैं।

मॉडल के तौर पर शुरू किया करियर

सारा खान ने सबसे पहले मॉडल के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी। साल 2007 में उन्होंने टीवी शो 'सपना बाबुल का... बिदाई' से अभिनय करियर की शुरुआत की। इसके बाद वह साल 2010 में 'प्रीत से बंधी ये डोरी राम मिलाई जोड़ी' में मोना का किरदार निभाया।

मशहूर टीवी शोज में किया काम

इसके बाद सारा 2013 में 'जुनून- ऐसी नफरत तो कैसा इश्क' और 2014 में 'ससुराल सिमर का' में नजर आईं। 2015 में वह टीवी शो 'सौभाग्यालक्ष्मी' में नजर आईं। वह 'जाना ना दिल से दूर' में भी नजर आईं। हाल के वर्षों में सारा खान 'पलकों की छांव में 2', 'लॉक अप' और 'स्पाई बहू' जैसे शोज में नजर आईं।

फिल्मों में किया काम

सारा खान ने टीवी के अलावा हिंदी फिल्मों में भी काम किया है। वह फिल्म 'हमारी अधूरी कहानी' और 'एम3- मिडसमर मिडनाइट मुंबई' में नजर आईं। वह जल्द ही फिल्म 'कैंप डिसेंट' में भी नजर आने वाली हैं।

पहले कर चुकी हैं शादी

खान ने साल 2010 में अली मर्चेंट से शादी की थी। हालांकि साल 2011 में उनका तलाक हो गया। यह शादी बहुत सुर्खियों में रही थी क्योंकि यह शादी 'बिग बॉस 4' में हुई थी। इल्जाम था कि शादी के लिए जोड़े को पैसे दिए गए थे। हालांकि चैनल ने इस बात से इनकार किया था। सारा ने 'सच का सामना' में बताया था कि उन्होंने यह शादी प्रचार के लिए की थी। उन्होंने कबूल किया कि यह उनकी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल थी।

'हैवान' में दर्शकों को हैरान करेंगे अक्षय

अक्षय कुमार फिक्की फ्रेम्स 2025 कार्यक्रम में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में उन्होंने साइबर क्राइम जैसी बातों को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने लंबी चर्चा की। इसी दौरान अपनी फिल्म 'हैवान' को लेकर उन्होंने मुख्यमंत्री से सलाह मांगी। साथ ही अपने किरदार का जिक्र भी कर दिया।

नेगेटिव रोल में नजर आएंगे अक्षय कुमार

कार्यक्रम में अक्षय ने कहा, 'मैं एक ऐसी फिल्म कर रहा हूं, जिसमें नेगेटिव रोल निभा रहा हूं। मैं सोच रहा था कि मुझे यह करना चाहिए या नहीं। फिल्म का नाम 'हैवान' है। लेकिन अंत में मैं हार जाता हूं। 'हैवान' हार जाता है।' इस पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अक्षय कुमार को सपोर्ट किया और कहा, 'हां, आपको यह रोल जरूर करना चाहिए। आप जैसे मल्टी टैलेटेंड एक्टर को हर तरह के रोल निभाने चाहिए। आखिरकार, एक कलाकार की उपलब्धि क्या है? जिन फिल्मों में खलनायक हार जाता है, उनमें भी किरदार अक्सर नायक से ज्यादा असर छोड़ता है। यही क्रिएटिविटी है। लेकिन हीरो के तौर पर आप और फिल्में करते रहिए।'

नेगेटिव रोल करने की चाहत हुई पूरी

अक्षय कुमार भी बातचीत को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, 'मुझे एक नेगेटिव रोल निभाने का मन था, इसलिए मैं 'हैवान' कर रहा हूं। ज्यादातर मैं फिल्म में हीरो के रोल ही निभाता हूं।' अक्षय कुमार की अपकमिंग फिल्म 'हैवान' एक थ्रिलर मूवी है। इस फिल्म में 17 साल बाद सैफ अली खान और अक्षय कुमार साथ काम कर रहे हैं।

उम्र के गैप पर चित्रांगदा सिंह ने रखी राय

'हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए'

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी

उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

किरदार निभाना आना चाहिए

क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में एचटी से बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा 'यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।'

अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं

चित्रांगदा सिंह का कहना है कि 'निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।'

करीना और विद्या अच्छा कर रही हैं

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा 'समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।'

चित्रांगदा सिंह का वर्कफ्रंट

चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में नजर आने वाली हैं। सलमान खान इसमें आर्मी अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

अक्षय कुमार बढ़ाएंगे 70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स की शोभा, मंच पर परफॉर्म करने के लिए हैं तैयार

70वें फिल्मफेयर अवार्ड्स 2025 का आयोजन 11 अक्तूबर को गुजरात के अहमदाबाद में होने वाला है। इस ऐतिहासिक समारोह में भारतीय सिनेमा के कई सितारों मौजूद रहेंगे। सितारों से सजे इस कार्यक्रम में अक्षय कुमार भी एक धमाकेदार प्रस्तुति देने के लिए तैयार हैं।

क्या बोले अक्षय कुमार?

कार्यक्रम में अपनी प्रस्तुति देने पर अक्षय कुमार ने कहा 'फिल्मफेयर ने मुझे हर तरह से सम्मानित किया है। मैंने खलनायक, हास्य अभिनेता और कई अन्य भूमिकाओं के लिए पुरस्कार जीते हैं। द ब्लैक लेडी मेरे करियर की गवाह रही है। एक-एक भूमिका के साथ और फिल्मफेयर के 70वें वर्ष में मंच पर प्रस्तुति देना अद्भुत है। पुरस्कार समारोह में मेरी परफॉर्मेंस के लिए तैयार हो जाइए!'

होस्ट बनने पर बोले शाहरुख खान

इससे पहले खबर आई थी कि शाहरुख खान फिल्मफेयर अवॉर्ड होस्ट करते हुए नजर आएंगे। कार्यक्रम की मेजबानी करने को लेकर शाहरुख खान ने कहा था 'पहली बार जब मैंने ब्लैक लेडी को अपने हाथों में लिया था, तब से लेकर इतने वर्षों में अपने साथियों और फैंस के साथ अनगिनत यादें साझा की हैं। यह प्यार, सिनेमा और जादू का एक सफर रहा है। 70वें साल सह-

मेजबान के रूप में वापसी करना वाकई खास है। मैं वादा करता हूं कि हम इसे एक यादगार रात बनाएंगे। यह हंसी, पुरानी यादों और उन फिल्मों के जश्न से भरपूर होगी, जिन्हें हम सभी पसंद करते हैं।'

करण जौहर बोले यादगार होगा कार्यक्रम

शाहरुख खान के साथ करण जौहर और मनीष पॉल भी फिल्मफेयर अवॉर्ड होस्ट करेंगे। इस पर करण जौहर ने कहा 'फिल्मफेयर महज एक पुरस्कार नहीं है, यह एक विरासत है जिसने भारतीय सिनेमा की कहानी को आकार दिया है। 2000 से, मैंने लगभग हर फिल्मफेयर पुरस्कार समारोह में हिस्सा लिया है और कई की मेजबानी भी की है। जैसा कि हम 70 शानदार वर्षों का जश्न मना रहे हैं, मुझे सह-मेजबानी करने में वाकई खुशी हो रही है। इस बार का कार्यक्रम सबसे यादगार होगा।'

'शाहरुख की नीयत गड़बड़ है', किंग खान पर इस डायरेक्टर ने साधा निशाना, बोले- दुबई में जाकर क्यों नहीं रहते?

सलमान खान पर कई गंभीर आरोप लगाने के बाद, अभिनव कश्यप ने अब शाहरुख खान पर भी निशाना साधा है। अनुराग कश्यप के भाई अभिनव ने शाहरुख खान के बारे में कहा कि उन्हें भारत छोड़कर दुबई चले जाना चाहिए, क्योंकि वहां उनके घर का नाम जन्नत है। उन्होंने कहा कि शाहरुख सिर्फ लेना जानते हैं।

अभिनव ने शाहरुख पर की टिप्पणी

अभिनव कश्यप ने कहा 'यह कम्युनिटी सिर्फ लेना जानती है, देना नहीं। ये बस लेते हैं। शाहरुख खान के दुबई वाले घर को जन्नत कहते हैं, जबकि यहां

वाले घर को मन्नत कहते हैं। इसका क्या मतलब है? आपकी सारी मन्नतें यहीं कुबूल होती हैं।'

संपति से फर्क नहीं पड़ता

उन्होंने आगे कहा 'शाहरुख खान फिल्मों में ऐसी लाइन्स कहते हैं, 'बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर'। हम इन लोगों को क्या कहें? इन्होंने अपने महल आम आदमी की पहुंच से बाहर बना लिए हैं। मुझे क्या फर्क पड़ता है कि इनकी कुल संपत्ति कितनी है? क्या तुम मुझे खाना देते हो? शाहरुख भले ही बोलने में माहिर हों, लेकिन नीयत उनकी भी गड़बड़ ही है।'

सलमान पर लगा चुके इल्जाम

इससे पहले, अभिनव ने सलमान खान की भी आलोचना की थी। उन्होंने कहा था 'सलमान खान और उनके परिवार के बारे में मेरी राय वही है। वे सामान्य इंसान नहीं हैं। वे अपराधी हैं। वह जमानत पर बाहर हैं।'

स्क्रीन के साथ बातचीत में अभिनव ने कहा था 'सलमान को अभिनय में भी कोई दिलचस्पी नहीं है। पिछले 25 वर्षों से नहीं है। वह काम पर आकर एक एहसान करते हैं।'

कभी सिनेमा का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे गुलजार, बोले- 'फिल्में देखता था लेकिन...'

गुलजार बॉलीवुड के बेहतरीन गीतकार हैं। उन्होंने 'किताब', 'किनारा' और 'मौसम' जैसी फिल्मों का निर्देशन भी किया है। हाल ही में उन्होंने लोगों को यह कह कर हैरान कर दिया है कि उनका रुझान फिल्मों की तरफ नहीं था। उनका पहला प्यार साहित्य है।

बुधवार शाम फिल्म निर्माता सुभाष घई के फिल्म संस्थान व्हिसलिंग वुड्स में आयोजित एक कार्यक्रम में गुलजार ने कहा कि एक पाठक के रूप में और एक लेखक बनने का सपना देखने वाले व्यक्ति के रूप में उनका रुझान किताबों की तरफ था।

गुलजार को सिनेमा में नहीं थी रुचि

गुलजार ने कहा 'मैं कभी सिनेमा में नहीं आना चाहता था और मैं सिनेमा के लिए लिखना भी नहीं चाहता था। मैं इसके लिए मना कर देता था। मुझे किताबों का बहुत शौक था।' गुलजार ने कहा 'मैं फिल्में देखता था लेकिन मुझे सिनेमा से उतना प्यार नहीं था कि मैं निर्देशक बनता। यह तब शुरू हुआ जब मैं सिनेमा में आया।'

संगीत और कविता अहम हैं

गुलजार ने कहा 'संगीत और कविता अहम हैं, सिनेमा में ये हमारे साथ हैं क्योंकि ये हमारी संस्कृति का हिस्सा हैं। ये पीढ़ियों से चली आ रही हैं। दोनों माध्यम आज भी याद किए जाते हैं।'

एआर रहमान की तारीफ की

गुलजार ने भारतीय संगीत को विश्व स्तर पर लोकप्रिय बनाने का श्रेय एआर रहमान को दिया। उन्होंने कहा 'शुरुआत में, जब हम फिल्मों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजते थे, तो फिल्मों से गाने हटा दिए जाते थे। लेकिन आज भारतीय संगीत अपने चरम पर पहुंच गया है और गाने जोड़ने की मांग बढ़ रही है। इसका श्रेय एआर रहमान को जाता है।

गुलजार ने एआर रहमान के साथ 'जय हो', 'छैय्या छैय्या' और 'तेरे बिना' जैसे गीतों पर काम किया है।

गीतकार के रूप में करियर की शुरुआत

आजादी से पहले के पंजाब (अब पाकिस्तान में) में सम्पूर्ण सिंह कालरा के रूप में जन्मे गुलजार को भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े कहानीकारों में से एक माना जाता है।

गुलजार ने 'रावी पार', 'त्रिवेणी' और 'बोस्की का पंचतंत्र' जैसी किताबें लिखी हैं। उन्होंने 1956 में अपने करियर की शुरुआत की और बिमल रॉय की 'बंदिनी' (1963) से गीतकार के रूप में अपनी शुरुआत की, जिसमें उन्होंने 'मोरा गोरा अंग लई ले' गीत लिखा।

ट्विंकल खन्ना ने बचाई थी पति अक्षय कुमार की जान! तस्वीर शेयर कर बताई सच्चाई

बॉलीवुड एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना ने आज गुरुवार 9 अक्तूबर को सोशल मीडिया हैंडल पर अपनी फिल्मों दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर में ट्विंकल पति अक्षय कुमार की जान बचाती नजर आ रही हैं। तो वहीं दूसरी तस्वीर में ट्विंकल एक्टर सैफ अली खान के साथ पोज देती नजर आ रही हैं।

ट्विंकल खन्ना ने शेयर कीं तस्वीरें

आज ट्विंकल खन्ना ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म 'इंटरनेशनल खिलाड़ी' की एक खास तस्वीर शेयर की हैं। पहली तस्वीर में ट्विंकल अपने पति और एक्टर अक्षय को एक हवाई जहाज दुर्घटना से बचाती नजर आ रही हैं। वहीं ट्विंकल ने एक और तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह एक्टर सैफ अली खान के साथ पोज देती नजर आ रही हैं

ट्विंकल ने इन तस्वीरों के साथ मजाकिया अंदाज में लिखा, 'पुरानी यादें, जब मैंने अक्षय कुमार को हवाई जहाज दुर्घटना से बचाया था और सैफ को बार-बार लात मारी थी। यह बिल्कुल हमारे नए शो की तरह है।' यहां पर ट्विंकल अपने रियलिटी शो 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' के बारे में बात कर रही हैं। इस शो को दो एक्ट्रेस होस्ट कर रही हैं- ट्विंकल और काजोल। ट्विंकल ने यह भी जानकारी दी है कि वह 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' के नए एपिसोड में अक्षय कुमार और सैफ अली खान के साथ धमाल मचाने वाली हैं।

ट्विंकल का वर्कफ्रंट

इन दिनों एक्ट्रेस ट्विंकल खन्ना रियलिटी शो 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' को होस्ट कर रही हैं। इस दौरान कई सेलेब्स अपनी जिंदगी की रील और रियल लाइफ के मजेदार किस्से साझा करते हैं। अभी तक 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' में वरुण धवन, आलिया भट्ट, सलमान खान और आमिर खान जैसे कई सितारे नजर आ चुके हैं। वहीं 'टू मच विद ट्विंकल एंड काजोल' के आने वाले एपिसोड में अक्षय कुमार और सैफ अली खान नजर आएंगे।

करवा चौथ का व्रत नहीं रखतीं ये एक्ट्रेस, लिस्ट में करीना से लेकर दीपिका तक के नाम शामिल

करवा चौथ हिंदू परंपरा में बहुत खास त्योहार है। इस दिन शादीशुदा महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र और अच्छे स्वास्थ्य के लिए दिनभर बिना खाए-पिए व्रत रखती हैं। शाम को चांद देखकर व्रत खोलती हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बॉलीवुड की कुछ अभिनेत्रियां करवा चौथ के व्रत को नहीं रखती हैं। जानिए ऐसा क्यों....

करीना कपूर खान

करीना कपूर खान और सैफ अली खान ने एक निजी समारोह में 16 अक्तूबर 2012 को शादी की थी। सैफ और करीना को शादी का फैसला करते समय उन्हें कड़ी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। करीना कपूर अपने पति सैफ के लिए करवा चौथ का व्रत नहीं रखती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, करीना का मानना है कि रिश्ते की मजबूती के लिए प्यार और सम्मान ज्यादा जरूरी है, न कि भूखे रहना। काम की बात करें तो करीना निर्देशक मेघना गुलजार की 'दायरा' में नजर आएंगी।

दीपिका पादुकोण

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने नवंबर 2018 में इटली के लेक कोमो में दो अलग-अलग दिनों में, कोंकणी और सिंधी रीति-रिवाजों से शादी की थी। शादी के बाद दोनों ने बेंगलुरु और मुंबई में रिसेप्शन भी आयोजित किए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार दीपिका पादुकोण भी करवा चौथ का व्रत नहीं रखतीं। रणवीर सिंह से शादी के बाद उन्होंने इस परंपरा को नहीं अपनाया। दीपिका का मानना है कि सच्चे रिश्ते प्यार, भरोसे और समझदारी पर टिकते हैं, न कि व्रत रखने पर।

सोनम कपूर

सोनम कपूर और आनंद आहूजा ने 8 मई 2018 को मुंबई में सिख रीति-रिवाजों के अनुसार शादी की थी। यह शादी कारज की रस्म के साथ हुई थी, जिसमें दूल्हा-दुल्हन गुरु ग्रंथ साहिब के चारों ओर फेरे लेते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोनम कपूर करवा चौथ का व्रत नहीं रखती हैं। हालांकि, वे इस त्योहार में परिवार और दोस्तों के साथ शामिल जरूर होती हैं।

ट्विंकल खन्ना

ट्विंकल खन्ना और अक्षय कुमार ने 17 जनवरी 2001 को शादी की थी। अक्षय कुमार की पत्नी और अभिनेत्री-लेखिका ट्विंकल खन्ना भी इस व्रत को नहीं रखतीं। उनका मानना है कि पति की लंबी उम्र के लिए भूखा रहना जरूरी नहीं है। वे अपनी सोच और जीवनशैली के हिसाब से जीना पसंद करती हैं।

हेमा मालिनी

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की शादी 1980 में हुई थी। बॉलीवुड की 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी भी करवा चौथ का व्रत नहीं रखतीं। वे मानती हैं कि पति की लंबी उम्र के लिए दुआ और सकारात्मक सोच ज्यादा महत्वपूर्ण है। वे अपने तरीके से रिश्तों को निभाना पसंद करती हैं।

रत्ना पाठक शाह

रत्ना पाठक और नसीरुद्दीन शाह ने 1982 में एक-दूसरे से शादी रचाई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नसीरुद्दीन शाह की पत्नी और अभिनेत्री रत्ना पाठक शाह भी इस व्रत को नहीं रखतीं। उनका कहना है कि रिश्ते की मजबूती के लिए विश्वास और देखभाल ही काफी है।

ऐसे शुरू हुई थी नागा और शोभिता की लव स्टोरी

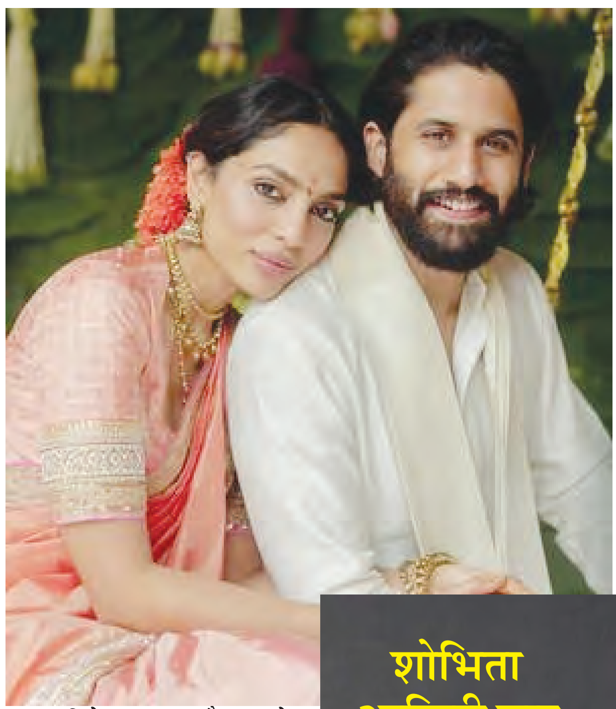

अभिनेता नागा चैतन्य ने सामंथा रुथ प्रभु से तलाक के बाद शोभिता धुलिपाला से शादी की है। शादी के बाद दोनों अक्सर कई मौकों पर साथ देखे जाते हैं। दोनों एक-दूसरे पर प्यार लुटाने का भी कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। अब अभिनेता ने बताया कि कैसे दोनों की प्रेम कहानी शुरू हुई थी। नागा ने अपनी लव स्टोरी को लेकर खुलकर बात की।

नागा ने बताया सबसे पहले कहां हुई थी मुलाकात

जगपति बाबू के टॉक शो जयम्मु निश्चयमु रा में नागा चैतन्य ने शोभिता के साथ अपनी लव स्टोरी के बारे में बात की। एक्टर ने बताया कि हम इंस्टाग्राम पर मिले थे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपनी पार्टनर से वहां मिलूंगा। मैं उनके काम से वाकिफ था। एक दिन जब मैंने शोयू (उनके क्लाउड किचन) के बारे में पोस्ट किया, तो उन्होंने एक इमोजी के साथ कमेंट किया। मैंने उनसे बातचीत शुरू की और जल्द ही हमारी मुलाकात हो गई। नागा ने इस दौरान शोभिता को अपना सबसे बड़ा सपोर्ट सिस्टम भी बताया।

जब नागा से नाराज हो गई थीं शोभिता

इस दौरान एक मजेदार रैपिड-फायर सेगमेंट के दौरान जब नागा से पूछा गया कि वह किस चीज के बिना नहीं रह सकते, तो चैतन्य ने तुरंत जवाब दिया, 'शोभिता, मेरी पत्नी।' उन्होंने आगे एक किस्सा साझा करते हुए बताया कि वह 'बुज्जी थल्ली' गाने की वजह से मुझसे नाराज थीं। दरअसल, यह उनका दिया हुआ उपनाम है। उन्हें लगा कि मैंने निर्देशक (चंदू मोंडेती) से इसे फिल्म में इस्तेमाल करने के लिए कहा है। उन्होंने कुछ दिनों तक मुझसे बात नहीं की, लेकिन मैं ऐसा क्यों करूंगा?

2024 में निजी समारोह में नागा ने की थी शोभिता से शादी

नागा चैतन्य और शोभिता ने दो साल तक डेटिंग करने के बाद दिसंबर 2024 में हैदराबाद के अन्नपूर्णा स्टूडियो में एक निजी समारोह में शादी के बंधन में बंध गए। अभिनेता ने इससे पहले 2017 से 2021 तक सामंथा रूथ प्रभु से शादी की थी। लेकिन बाद में सामंथा और नागा का तलाक हो गया। इसके बाद नागा ने शोभिता से शादी की।

'थंडेल' में आखिरी बार नजर आए थे नागा

वर्कफ्रंट की बात करें तो नागा चैतन्य को आखिरी बार फिल्म 'थंडेल' में देखा गया था। इसे क्रिटिक्स और दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली थी। वहीं शोभिता आखिरी बार 'लव सितारा' में नजर आई थीं।

डोनाल्ड ट्रंप ने फार्मा सेक्टर को दिया 'बूस्टर डोज', किया बड़ा ऐलान

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। डोनाल्ड ट्रंप दुनिया भर के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत दी है। ये राहत कोई छोटी मोटी नहीं है। वास्तव में व्हाइट हाउस ने जेनेरिक दवाओं के इंपोर्ट पर टैरिफ लगाने की योजना को स्थगित कर दिया है। यह कदम भारतीय दवा कंपनियों के लिए राहत की बात है, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग आधी जेनेरिक दवाओं की सप्लाई करती हैं।

यह फैसला उन लाखों अमेरिकियों के लिए भी काफी राहत देगा जो हाई ब्लड प्रेशर और डिप्रेशन से लेकर अल्सर और हाई कोलेस्ट्रॉल जैसी बीमारियों के इलाज के लिए इंपोर्टेड जेनेरिक दवाओं पर निर्भर हैं। भारत अमेरिकी बाजार के लिए जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा सिंगल सोर्स है, जो घरेलू उत्पादकों से कहीं आगे है, जिनकी हिस्सेदारी 30 फीसदी है। ग्लोबल चिकित्सा डेटा विश्लेषण कंपनी आईक्यूवीआईए के अनुसार, भारत अमेरिकी फार्मेसियों में भरे जाने वाले सभी जेनेरिक दवाओं का 47 फीसदी सप्लाई करता है।

जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ का फायदा नहीं

वॉल स्ट्रीट जर्नल के अनुसार, व्हाइट हाउस का यह निर्णय वाणिज्य विभाग द्वारा दवाओं पर टैरिफ जांच में एक बड़ी कमी दर्शाता है। जब अप्रैल में जांच की घोषणा की गई थी, तो संघीय रजिस्टर नोटिस में कहा गया था कि यह "तैयार जेनेरिक और नॉन-जेनेरिक दवा उत्पादों, साथ ही दवा के कंपोनेंट" को टारगेट करेगा।

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार यह कदम एमएजीए गुट के भीतर आंतरिक बहस के बाद उठाया गया है। कट्टरपंथियों ने राष्ट्रीय सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दवा निर्माण को वापस अमेरिका लाने के लिए टैरिफ लगाने पर जोर दिया था। हालांकि, राष्ट्रपति ट्रंप की डॉमेस्टिक पॉलिसी काउंसिल के सदस्यों ने तर्क दिया कि "जेनेरिक दवाओं पर टैरिफ लगाने से कीमतें बढ़ेंगी और उपभोक्ताओं के लिए दवाओं की कमी भी हो सकती है।

ट्रंप की 100 फीसदी टैरिफ घोषणा

1 अक्टूबर, 2025 से, ट्रंप ने ट्रुथ सोशल के माध्यम से घोषणा की थी कि व्हाइट हाउस अमेरिका में दवा प्लांट बनाने वाली कंपनियों को छोड़कर, पेटेंट प्राप्त दवाओं पर 100 फीसदी टैरिफ लगाएगा। उन्होंने कहा था कि 1 अक्टूबर, 2025 से, हम किसी भी ब्रांडेड या पेटेंट प्राप्त दवा उत्पाद पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाएंगे, जब तक कि कोई कंपनी अमेरिका में अपना मेडिसिन मैन्युफैक्चरिंग प्लांट स्थापित नहीं कर रही हो। 'निर्माण' को 'निर्माण कार्य शुरू' और/या 'निर्माणाधीन' के रूप में परिभाषित किया जाएगा।" इस घोषणा के बावजूद, कई प्रश्न अभी भी बने हुए हैं: कौन सी दवाएं इसके दायरे में आएंगी, "ब्रांडेड" या "पेटेंटेड" की परिभाषा कैसे होगी, और क्या भारतीय जेनेरिक या सक्रिय दवा सामग्री (एपीआई) प्रभावित हो सकती हैं। बड़े उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले ब्रांडेड जेनेरिक और एपीआई पर शुल्क लग सकता है, जिससे भारतीय दवा निर्माता उच्च जोखिम वाली स्थिति में आ जाएंगे।

अमेरिकी दवा मार्केट में भारत का दबदबा

भारत का दवा निर्यात मजबूत वृद्धि की राह पर है। वित्त वर्ष 2025 में, वार्षिक निर्यात रिकॉर्ड 30 अरब डॉलर तक पहुंच गया। मार्च में साल-दर-साल 31 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिली थी। अकेले अगस्त 2025 में निर्यात अगस्त 2024 के 2.35 अरब डॉलर से बढ़कर 2.51 अरब डॉलर हो गया। फार्मेक्सिल के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 में लगभग 8.7 अरब डॉलर (31 फीसदी) निर्यात अमेरिका को हुआ, जिसमें से 3.7 अरब डॉलर 2025 की पहली छमाही में विदेशों में भेजे गए। भारतीय कंपनियां हाई ब्लड प्रेशर, मेंटल हेल्थ, लिपिड रेगुलेटर्स, नर्वस सिस्टम डिसऑर्डर और अल्सर-रोधी दवाओं जैसे प्रमुख चिकित्सीय क्षेत्रों में दबदबा रखती हैं, और इन श्रेणियों में आधे से ज्यादा दवाओं की सप्लाई करती है। कुछ अनुमानों के अनुसार, भारतीय जेनेरिक दवाओं ने अकेले 2022 में अमेरिकी हेल्थ सर्विस सिस्टम को 219 अरब डॉलर और 2013 से 2022 के बीच 1.3 ट्रिलियन डॉलर की बचत कराई थी।

दिलचस्प है रतन टाटा के कुत्ते का पावर

12 लाख रुपए का मालिक, हर तीन महीने में तीस हजार पेंशन

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। रतन टाटा का जीवन केवल व्यापार तक सीमित नहीं था। उन्हें हम एक बड़े उद्योगपति, उद्यमी और समाजसेवी के रूप में जानते थे। वहीं उनके पालतू कुत्तों के प्रति उनका गहरा प्यार भी कई बार चर्चा में रहता था। खासकर उनके जर्मन शेफर्ड कुत्ते टीटो की कहानी तो बेहद ही दिलचस्प और अनोखी है।

रतन टाटा का निधन पिछले साल 9 अक्टूबर को हुआ था, लेकिन उनकी यादें और उनके कुत्तों के लिए उनका प्रेम आज भी लोगों के दिलों में जिन्दा है। टाटा ने अपने कुत्ते टीटो के लिए अपनी वसीयत में 12 लाख रुपये की राशि और हर तीन महीने में 30,000 रुपये की पेंशन देने का प्रावधान रखा था। इतना ही नहीं, टीटो की देखभाल करने के लिए उनके लंबे समय से काम कर रहे रसोइये राजन शॉ को भी जिम्मेदारी सौंपी गई थी।

यह बात दर्शाती है कि रतन टाटा के लिए टीटो सिर्फ एक पालतू नहीं, बल्कि परिवार का एक अहम सदस्य था।

टीटो: रतन टाटा का सच्चा दोस्त

टीटो को रतन टाटा ने करीब छह साल पहले गोद लिया था। उनका पिछला कुत्ता जो उनके साथ था, उसके गुजरने के बाद टीटो उनके जीवन में आया। रतन टाटा ने हमेशा टीटो के लिए अपने गहरे प्यार का इजहार किया। इतना ही नहीं 2018 में जब उन्हें लंदन में प्रिंस चार्ल्स से लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड मिलना था, तब उन्होंने इस सम्मान को लेने के बजाय टीटो के साथ रहना चुना क्योंकि टीटो उस वक्त बीमार था। उन्होंने अपने इस फैसले की वजह

साफ कही थी,'मेरा कुत्ता बीमार है, मैं उसे छोड़कर नहीं जा सकता।'

आवारा कुत्तों के लिए आश्रय और देखभाल

रतन टाटा ने बॉम्बे हाउस को आवारा कुत्तों के लिए एक सुरक्षित आश्रय में बदल दिया। उनका हमेशा से यह मानना था कि आवारा कुत्तों को भी प्यार, देखभाल और सुरक्षा मिलनी चाहिए। इसलिए उन्होंने हमेशा उनकी भलाई के लिए काम किया। उनके प्रयासों से टाटा ग्रुप के सामाजिक कार्यों में भी कुत्तों के लिए विशेष स्थान मिला। रतन टाटा अक्सर सोशल मीडिया पर भी आवारा कुत्तों को गोद लेने की अपील करते थे और घायल जानवरों के लिए तत्काल चिकित्सा सुविधाएं मुहैया कराने में मदद करते थे।

रतन टाटा के पशु प्रेम का एक सुंदर उदाहरण ताज होटल का वह दृश्य है, जहां बारिश में कर्मचारी एक आवारा कुत्ते को छाते से बचाते नजर आए। यह तस्वीर बहुत वायरल हुई और लोगों को याद दिलाई कि कभी ब्रिटिश राज के दौरान होटल के बाहर लिखा होता था कि 'कुत्तों और भारतीयों का प्रवेश वर्जित है' आज वही जगह कुत्तों के लिए एक प्यार और सम्मान की जगह बन गई है।

यह सब रतन टाटा के संवेदनशील और दयालु स्वभाव को दर्शाता है, जिसने उन्हें एक सच्चा पशु प्रेमी और सामाजिक सरोकार वाले उद्योगपति के रूप में स्थापित किया।

10 ग्राम सोना 4 दिन में 5,675 महंगा हुआ

कीमत 1.23 लाख, चांदी के दाम आज 6,850 बढ़े; फेस्टिव सीजन का असर

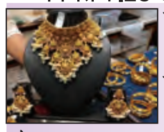

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम आज यानी 9 अक्टूबर को लगातार चौथे दिन ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 521 रुपए बढ़कर 1,22,629 रुपए हो गई। इस हफ्ते 4 कारोबारी दिन में सोने के दाम 5,675 रुपए बढ़ चुके हैं। वहीं, आज चांदी 6,850 रुपए महंगी होकर 1,59,550 प्रति किलो पर पहुंच गई है। कल ये 1,52,700 रुपए पर थी। इस हफ्ते चार दिन चांदी 13,940 महंगी हो चुकी है।

इस साल सोना 46,467 और चांदी 73,533 महंगी हुई

इस साल अब तक सोने की कीमत करीब 46,467 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,22,629 रुपए हो गया है।

चांदी का भाव भी इस दौरान 73,533 रुपए बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,59,550 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना

गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

बढ़त के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 398 अंक चढ़ा, निफ्टी 25100 के पार

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईटी कंपनियों और ब्लू-चिप रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में लिवाली व विदेशी पूंजी प्रवाह के चलते शेयर बाजारों में गुरुवार को तेजी लौटी और सेंसेक्स 398 अंक चढ़ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 398.44 अंक या 0.49 प्रतिशत उछलकर 82,172.10 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 474.07 अंक या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 82,247.73 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 135.65 अंक या 0.54 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,181.80 पर आ गया।

रुपया गुरुवार को मामूली नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करते हुए अपने सर्वकालिक निम्नतम स्तर के आसपास रहा और अंत में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 88.79 पर बंद हुआ, जो 4 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ।

नतीजों से पहले आईटी शेयरों में दिखी तेजी

तिमाही आय से पहले एचसीएल टेक, टीसीएस, इंफोसिस और टेक महिंद्रा जैसे आईटी शेयरों में तेजी आई। आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी टीसीएस बाजार बंद होने के बाद अपनी तिमाही आय की घोषणा करेगी।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा स्टील, एचसीएल टेक, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स, सन फार्मा और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज प्रमुख लाभ में रहीं। वहीं, एक्सिस बैंक, टाइटन, मारुति और टाटा मोटर्स पिछड़ने वालों में शामिल रहे।

यूरोपीय बाजारों में रहा मिला-जुला रुख

एशियाई बाजारों में, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक काफी ऊपर बंद हुआ, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक नीचे बंद हुआ। यूरोप के बाजारों में मिला-जुला रुख रहा। बुधवार को अमेरिकी बाजार ज्यादातर बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 66.08 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.23 प्रतिशत गिरकर 66.08 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 81.28 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर खरीदे। बुधवार को सेंसेक्स 153.09 अंक या 0.19 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,773.66 पर बंद हुआ, जिससे चार दिनों से जारी तेजी का सिलसिला थम गया। निफ्टी 62.15 अंक या 0.25 प्रतिशत गिरकर 25,046.15 पर बंद हुआ।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

गृह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सुर्य - कन्या	मे	कन्या--	04-36 बजे
चंद्र - वृष	मे	तुला----	06-41 बजे
मंगल-तुला	मे	वृश्चिक...	08-51 बजे
बुध - तुला	मे	धनु......	11-05 बजे
गुरु - मिथुन	मे	मकर...	13-12 बजे
शुक्र - कन्या	मे	कुंभ....	15-02 बजे
शनि मीन	मे	मीन....	16-40 बजे
राहु कुंभ	मे	मेष.....	18-15 बजे
केतु सिंह	मे	वृष....	20-01 बजे
		मिथुन..	22-01 बजे
		कर्क...	00-14 बजे
		सिंह---	02-25 बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायने,ऋतु- शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426874
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
सूर्योदय 06-11
सूर्यास्त. 17-55
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - कार्तिक कृष्ण शुक्रवार 10 October
तिथि - चतुर्थी 19-38 तक उपरान्त पंचमी
नक्षत्र - कृत्तिका 17-31 तक उपरान्त रोहिणी
योग - सिद्धि 17-41 तक उप व्यतिपात
तैतिल - बव 19-14 तक उप बालव
व्रत करवा चतुर्थी व्रत
त्योहार चन्द्रोदय रात्रि 20-40

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 10-34 से 12-03 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
चंचल 06-11 - 07-38 शुभ	रोग 17-55 - 19-28 शुभ
लाभ 07-38 - 09-06 शुभ	काल 19-28 - 20-59 शुभ
अमृत 09-06 - 10-34 शुभ	लाभ 20-59 - 22-31 अशुभ
काल. 10-34 - 12-03 अशुभ	उत्पात22-31 - 00-03 अशुभ
शुभ.. 12-03 - 13-31 शुभ	शुभ 00-03 - 01-35 शुभ
रोग 13-31 - 14-59 अशुभ	अमृत 01-35 - 03-06 अशुभ
उत्पात14-59 - 16-28 अशुभ	चंचल 03-06 - 04-38 शुभ
चंचल 16-28 - 17-55 शुभ	रोग 04-38 - 06-11 शुभ

भारत की उड़ान देखते रह जाएंगे ट्रंप! ब्रिटेन के साथ दोगुना होगा ट्रेड, मोदी ने बताया क्यों खास है यह रिश्ता

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील पर हो रही बातचीत में कोई खास प्रगति नहीं हुई है। इस बीच भारत और ब्रिटेन ने 2030 तक दोनों देशों के व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। भारत यात्रा पर आए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच आज मुंबई में हुई बैठक में दोनों देशों के बीच ट्रेड को मजबूत करने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इसके तहत दोनों देशों ने 2030 तक आपसी व्यापार को दोगुना करने का लक्ष्य रखा है। अभी दोनों देशों के बीच 56 अरब डॉलर का व्यापार होता है जिसे बढ़ाकर 112 अरब डॉलर तक ले जाने की योजना है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस मौके पर कहा कि यह साल भारत और ब्रिटेन के रिश्तों के लिए बहुत खास रहा है। उन्होंने

बताया कि हाल ही में ब्रिटेन की यात्रा के दौरान उन्होंने कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक एंड ट्रेड एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। पीएम मोदी ने कीर स्टार्मर की इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए उनकी प्रतिबद्धता और दूरदर्शिता की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक व्यापार समझौता नहीं है बल्कि यह दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच साझा प्रगति, समृद्धि और लोगों के बीच जुड़ाव का एक रोडमैप है।मोदी ने कहा कि इस समझौते से दोनों देशों के एमएसएमईएस को मजबूती मिलेगी। साथ ही यह लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी खोलेगा। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि दोनों देश मिलकर इस लक्ष्य को समय से पहले ही हासिल कर लेंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारा आपसी व्यापार लगभग 56 अरब डॉलर है और हम इसे 2030 तक दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। आज टेलीकॉम, एआई, बायोटेक, क्वांटम, सेमीकंडक्टर, साइबर और स्पेस जैसे क्षेत्रों में हमारे बीच सहयोग की अनगिनत नई संभावनाएं बन रही हैं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने दोनों देशों के बीच मजबूत होते रिश्तों की तारीफ की और भविष्य में और बेहतर संबंधों की उम्मीद जताई। स्टार्मर ने कहा कि उनकी यह यात्रा बहुत अच्छी रही है। इस दौरान भारत और यूके की कंपनियों और निवेशकों को एक साथ आने, बातचीत करने, अपने विचार साझा करने और नए अवसर तलाशने का मौका मिला। स्टार्मर ने कहा कि जब वह विमान से भारत आ रहे थे, तभी से उन्हें यह ऊर्जा महसूस हो रही थी।भारत के साथ व्यापार की संभावनाओं के बारे में बात करते हुए स्टार्मर ने कहा कि ब्रिटेन के पास भारत के साथ अपने संबंधों के लिए बहुत बड़े और महत्वपूर्ण बिजनेस और निवेशक हैं। हमारे पास आगे बढ़ने के लिए एक अविश्वसनीय नींव है। यह नींव इसलिए मजबूत है क्योंकि दोनों देशों के बीच पहले से ही अरबों डॉलर का व्यापार और निवेश हो रहा है, जो दोनों देशों में हजारों नौकरियों को सपोर्ट करता है।

'टैरिफ हथियार बन गए हैं

भारत वैश्विक दबाव के आगे नहीं झुकेगा', कृषि मंत्री का खाद्य सुरक्षा पर अहम बयान

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैश्विक अस्थिरता में, जहां व्यापार और टैरिफ हथियार बन गए हैं, भारत अपने राष्ट्रीय हितों से समझौता नहीं करेगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह बात कही। उन्होंने जोर दिया कि देश को वैश्विक बाजारों पर निर्भर हुए बिना खाद्य सुरक्षा को और मजबूत करना चाहिए। पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 120वीं वार्षिक आम बैठक को संबोधित करते हुए चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि भारत वैश्विक भाई होने में विश्वास करता है और दुनिया के बारे में चिंतित है, लेकिन देश का हित सर्वोच्च प्राथमिकता है।मंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत की 46 प्रतिशत आबादी अपनी आजीविका के लिए सीधे तौर पर कृषि पर निर्भर है, जिससे इस निर्भरता को कम करने के लिए चल रहे प्रयासों के बावजूद इस क्षेत्र को मजबूत करना महत्वपूर्ण हो जाता है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में खाद्यान्न के लिए वैश्विक बाजार पर निर्भर नहीं रहा जा सकता। इसलिए हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। पीएल480 कार्यक्रम के तहत अमेरिकी खाद्य सहायता पर भारत की पिछली निर्भरता को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि देश ने एक लंबा सफर तय किया है। उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा भी था जब अतीत में किसी प्रधानमंत्री को लोगों से हफ्ते में एक बार उपवास रखने के लिए कहना पड़ता था। लेकिन अब 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दिया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि गोदाम इस समय चावल और गेहूं से भरे हुए हैं। हालांकि, उन्होंने न केवल खाद्य सुरक्षा के लिए बल्कि किसानों की आय सुनिश्चित करने के लिए भी कृषि को और मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सरकार उत्पादकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए छह प्रमुख क्षेत्रों में काम कर रही है। मंत्री ने कहा कि चावल और गेहूं के मामले में हम वैश्विक औसत पर हैं, लेकिन दलहन और तिलहन के मामले में हम पीछे हैं। हमें दलहन और खाद्य तेलों के मामले में आत्मनिर्भर बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) बेहतर गुणवत्ता वाले बीज विकसित करने के लिए काम कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि चूँकि भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों की अनुमति नहीं है, इसलिए संकर बीज विकसित करने के लिए जीनोम संपादन विधि का उपयोग किया जा रहा है और इसमें उत्साहजनक सफलता मिल रही है।

भारत के 100-अमीरों की नेटवर्थ घटकर 88 लाख करोड़ हुई

पिछले साल 97 लाख करोड़ थी; मुकेश अंबानी देश में सबसे अमीर, फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक भारत के 100 सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ 9% गिरकर 1 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 88 लाख करोड़ रुपए रह गई। पिछले साल उनकी नेटवर्थ 1.1 ट्रिलियन डॉलर यानी, करीब 97 लाख करोड़ रुपए थी। वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की नेटवर्थ 12% कम होने के बाद भी 9.32 लाख करोड़ के साथ वह टॉप पर बने हुए हैं। उनकी नेटवर्थ पिछले साल की तुलना में 1.29 लाख करोड़ कम हुई है। 8.17 लाख करोड़ की नेटवर्थ के साथ गौतम अडाणी दूसरे नंबर पर हैं।

100 सबसे अमीर लोगों की नेटवर्थ 100 बिलियन डॉलर घटी है। ये नुकसान कमजोर रुपए और शेयर बाजार में आई गिरावट के कारण है। ये गिरावट बताती है कि ग्लोबल मार्केट की अस्थिरता और निवेशकों के सुस्त मूड ने इंडियन बिलेनियर्स की वेल्थ पर असर डाला है।

बिजनेस पर्सन्स की लिस्ट में पहली बार एंट्री

इस साल की लिस्ट में वारी एनर्जी को

चलाने वाले दोशी भाई-बहन का 37वें नंबर पर डेब्यू हुआ है। उनकी कुल वेल्थ 7.5 बिलियन डॉलर यानी करीब 67 हजार करोड़ रुपए है।

फाइनेंस और इन्वेस्टमेंट कंपनी ऑथम इन्वेस्टमेंट की अल्पना डांगी का लिस्ट में 67वें नंबर पर डेब्यू हुआ है। उनकी कुल नेटवर्थ 4.3 बिलियन डॉलर यानी, करीब 38 हजार करोड़ रुपए है।

इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी डिक्सन टेक्नोलॉजीज के फाउंडर सुनील वचानी 80वें नंबर पर हैं। उनकी नेटवर्थ 3.85 बिलियन डॉलर यानी, करीब 34 हजार करोड़ रुपए है।

4 बिजनेस पर्सन्स की लिस्ट में वापसी

हल्दीराम स्नैक्स फूड के किशन अग्रवाल, मनोहर अग्रवाल और मधुसूदन अग्रवाल 9 बिलियन डॉलर यानी, करीब 80 हजार करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ 28वें नंबर पर हैं।

यूएसवी प्राइवेट लिमिटेड की लीना तिवारी 3.80 बिलियन डॉलर यानी करीब 33 हजार करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ 82वें नंबर पर हैं। ये एक फार्मा कंपनी है।

32 हजार करोड़ रुपए की नेटवर्थ के साथ सोभा लिमिटेड के पी.एन.सी. मेनन 87वें नंबर पर हैं। ये एक रियल एस्टेट कंपनी है, जो प्रॉपर्टीज का कंस्ट्रक्शन करती है।

केपीआर मिल के के.पी. रामासामी 29 हजार करोड़ की नेटवर्थ के साथ 97वें नंबर पर हैं। केपीआर मिल एक अपैरल मैन्युफैक्चरिंग कंपनी है, जो 1984 में कोयंबटूर में स्थापित हुई थी।

पहली बार 2009 में आई थी फोर्ब्स इंडिया की रिच लिस्ट

फोर्ब्स इंडिया ने अपनी पहली रिच लिस्ट 2009 में लॉन्च की थी। ये लिस्ट फैमिली और इंडिविजुअल्स से मिली शेयरहोल्डिंग व फाइनेंशियल जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज, एनालिस्ट्स और मार्केट डेटा के आधार पर तैयार की जात है।

'भारत ने 11 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल हाईवे तैयार किया': ज्योतिरादित्य सिंधिया

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने पिछले 11 वर्षों में दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल हाईवे बनाया है। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने यह दावा किया है। उन्होंने गुरुवार को यशोभूमि में इंडिया मोबाइल कांग्रेस (आईएमसी) 2025 में बोलते हुए कहा कि इसने लाखों लोगों को जोड़ा है और देश को वैश्विक डिजिटल मानचित्र के केंद्र में ला खड़ा किया है। सिंधिया ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने एक अभूतपूर्व नेटवर्क तैयार किया है, जो तकनीक के माध्यम से देश के सुदूर क्षेत्रों को जोड़ता है। उन्होंने बताया कि भारत अब घरेलू खिलाड़ी से आगे बढ़ चुका है। हमारे उद्यमी, हमारे नवप्रवर्तक, हमारा उद्योग अब उत्पाद और सेवाएं लॉन्च करने में सक्षम हो गए हैं। अब हम जानते हैं कि लोगों में आगे आकर अपने हस्तशिल्प, सेमीकंडक्टर बनाने और खुद को विश्व बाजार से जोड़ने की क्षमता है। एक साल पहले भारत में यह क्षमता नहीं थी। अब यह क्षमता मौजूद हैं। सिंधिया ने याद दिलाया कि कैसे भारत का डिजिटल परिवर्तन दो दशक पहले मोबाइल फोन के आगमन के साथ शुरू हुआ और अब सेमीकंडक्टर निर्माण के स्तर तक पहुंच गया है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपके सामने नए अवसर प्रस्तुत होने वाले हैं । आप आज तक अपनी जिस प्रतिभा को केवल हॉबी मानते आये थे,उससे अपनी आजीविका कमा सकते हैं । जीवन के हर क्षेत्र में नए बदलाव होंगे जो आपके जीवन को पूरी तरह बदलकर रख देंगे । आप अपने जीवन से संतुष्ट अनुभव करेंगे ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
आपको आज कोई अप्रत्याशित अनुभव हो सकता है । ऐसा नही है कि आप इससे परेशान ही होंगे लेकिन इससे आपके मन में हलचल जरूर मच जायेगी । इससे आपके दृष्टिकोण में ख़ासा बदलाव भी आ सकता है । अपनी भावनाओं को व्यक्त करने न घबराएं लेकिन यह समय अपने स्थान पर दूसरों की भावनात्मक मांगों को प्राथमिकता देने के लिए अधिक उपयुक्त है ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
अपने प्रति ईमानदार रहें क्योकि इसी से आप हरेक स्थिति में खुश रह पायेंगे । केवल दूसरों की परवाह करने के लिए अपनी इच्छाओं का बलिदान न करें ,जो आपको भी अच्छा लगे,वही करें । आपको यह सोचने में कुछ समस्या हो सकती है कि कहां से शुरू करूं,इसलिए सारे पहलू देखकर अपनी प्राथमिकताएं तय कर लें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
एकरसता आपको अच्छी न लगती । इससे आप बोर अनुभव करते हैं ।आज आप काफी खुश और फ्लर्ट वाले मूड में होंगे । अपनी दिनचर्या बदलें । इसमें फिटनेस को जगह दें । किसी मनोरंजक गतिविधि में शामिल हो सकते हैं । आपके नए विचार से वरिष्ठ अधिकारी प्रभावित होंगे । ऑफिस में नयी पहचान बनेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे । किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
प्रयास करने वाले भी पहले व्यक्ति बनें और उसका श्रेय लेने में भी आगे रहें । अपने आप को ज्यादा ना थकाएं और कम महत्वपूर्ण विषयों के लिए अधिक मेहनत ना करें । दूसरों को अच्छी ना लगने वाली बातें कहकर उनका दिल ना दुखाएं । आपको ऐसी किसी बीमारी के अस्पष्ट लक्षण महसूस हो सकते हैं जो आपको आज से पहले कभी नही हुई।रात से पहले आपको यह पता चल जाएगा कि यह क्या है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आप आज होने वाली घटनाओं के कारण और कई तरह की उलटी -सीधी सूचनाओं के कारण खुद को उलझन में फंसा हुआ अनुभव करेंगे । इस समय आपका सही मार्गदर्शन आपके मन की आवाज ही कर सकती है । जैसा आपका मन कहता है ,वैसा ही करें । इससे आपको काफी कुछ सीखने को भी मिलेगा और आप उस दिशा में आगे बढ़ पायेंगे जिस दिशा में आप बढ़ना चाहते हैं ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपसे सामजिक संपर्कों पर और ध्यान देने की अपेक्षा है ।आपके आकर्षक व्यक्तित्व का सबपर प्रभाव पड़ेगा । इसके अलावे आपको उन लोगो पर भी ध्यान दें जो आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा को नुक्सान पहुंचा रहे हैं । अपनी व्यस्त कार्यशैली के बावजूद सेहत का ध्यान रखें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आप पिछले कुछ दिनों से कोई बड़ी योजना बना रहे हैं । वास्तव में आज आपको यह बात महसूस होगी कि आप क्या करने जा रहे हैं और इसका आप पर काफी प्रभाव पड़ेगा लेकिन अब आपके पास पीछे हटने का विकल्प मौजूद नही है । आपको इसी दिशा में विशवास से आगे बढना होगा और आपको जल्दी ही यह भी अहसास हो जाएगा की जितना आपने सोचा था।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

शराब घोटाला: ईडी-ईओडब्ल्यू को सुप्रीम कोर्ट का अल्टीमेटम

कहा– दिसंबर तक पूरी करें जांच, फाइनल रिपोर्ट मांगी, 30 आबकारी अधिकारियों से हो रही पूछताछ

रायपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) को 3 महीने के अंदर जांच पूरी करने कहा है। कोर्ट ने दिसंबर के आखिरी सप्ताह तक फाइनल रिपोर्ट मांगी है। सितंबर के आखिरी सप्ताह में सुप्रीम कोर्ट की ओर से ऑर्डर अपलोड किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद ईडी और ईओडब्ल्यू ने मामले की जांच तेज कर दी है। शराब मामले में जुड़े आरोपी अधिकारियों और अन्य लोगों से पूछताछ जारी है। ईडी आबकारी विभाग के 30 अधिकारियों के बयान दर्ज करने में जुटी है। इनमें 7 रिटायर्ड अधिकारी भी शामिल हैं।

ईडी के वकील सौरभ पांडे ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि इन्वेस्टिगेशन को करीब 2 साल हो गए हैं। इस केस को मुकाम तक पहुंचाना होगा। हम अपनी फाइनल जांच सुप्रीम कोर्ट के दिए गए निर्धारित समय के अंदर पेश करेंगे।

इससे पहले सुप्रीम कोर्ट में छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले से संबंधित 13 याचिकाओं पर सुनवाई हुई थी। जस्टिस एम.एम. सुन्दरेश और जस्टिस सतीश चन्द्र शर्मा की खंडपीठ ने सभी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। इन याचिकाओं में छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश में दर्ज की गई अलग-अलग एफआईआर, प्रवर्तन निदेशालय ईसीआइआर और जमानत याचिकाएं थी। इसमें आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा की जमानत याचिका भी शामिल थी। कोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए ईडी और राज्य एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे 3 महीने में जांच पूरी करें और पूरक आरोपपत्र दायर करें। इसके बाद याचिकाकर्ता नियमित या अग्रिम जमानत के लिए आवेदन कर सकते हैं।

भूपेश बघेल के बेटे समेत 10 से ज्यादा लोग अरेस्ट

ईओडब्ल्यू ने बताया कि विदेशी शराब पर सिंडिकेट द्वारा लिए गए कमीशन का विश्लेषण किया जा रहा है। इस मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा, अरुणपति त्रिपाठी, अरविंद सिंह, अनवर ढेबर, त्रिलोक सिंह ढिल्लन, अनुराग द्विवेदी, अमित सिंह, दीपक दुआरी, दिलीप टुटेजा और सुनील दत्त को गिरफ्तार किया गया है।

पूर्व मंत्री कवासी लखमा के बाद पूर्व सीएम भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को भी शराब घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में ईडी जांच कर रही है। ईडी ने एसीबी में एफआईआर दर्ज कराई है। जांच के अनुसार 3 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के घोटाले की बात कही गई है। ईडी ने अपनी जांच में पाया कि तत्कालीन भूपेश सरकार के कार्यकाल में आइएएस अफसर अनिल टुटेजा, आबकारी विभाग के एमडी एपी त्रिपाठी और कारोबारी अनवर ढेबर के सिंडिकेट के जरिए घोटाले को अंजाम दिया गया था। सिंडिकेट बनाने वाले कारोबारी अनवर ढेबर को 90 करोड़ से ज्यादा मिले। अनवर ढेबर ने इन पैसों को रिश्तेदारों और सीए के नाम कई कंपनियों में इन्वेस्ट किया। ईओडब्ल्यू की जांच में इस बात का खुलासा हुआ है।

ईओडब्ल्यू की चालान के अनुसार शराब डिस्टलर्स से कमीशन और बी पार्ट की शराब बिक्री से मिलने वाले पैसे का 15 प्रतिशत कारोबारी अनवर ढेबर को जाता था। अनवर ढेबर इन पैसों को अपने करीबी विकास अग्रवाल और सुब्बू की मदद से लेता था। विकास अग्रवाल और सुब्बू शराब दुकानों से पैसा वसूलने का काम करते थे। कारोबारी अनवर ढेबर ने सिंडिकेट बनाने के लिए फरवरी 2019 में जेल रोड स्थित होटल वेनिंगटन में प्रदेश के 3 डिस्टलरी मालिकों को बुलाया। इस मीटिंग में छत्तीसगढ़ डिस्टलरी से नवीन केडिया, भाटिया वाइंस प्राइवेट लिमिटेड से भूपेंदर पाल सिंह भाटिया और प्रिंस भाटिया शामिल हुए।

एनकाउंटर के डर से खूंखार नक्सली का सरेंडर

30 जवानों का हत्यारा, इंजीनियरिंग के बाद बना माओवादी, 43 साल से थी तलाश

जगदलपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ हो रही लगातार कार्रवाई के बाद माओवादी संगठन बैकफुट पर आ गए हैं। नक्सलियों के टॉप लीडर भी सरेंडर कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ में करीब 43 साल तक एक्टिव रहने वाले कुख्यात नक्सली मंदा रूबेन ने तेलंगाना पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया है। वह नक्सली संगठन के डिविजनल कमेटी का सबसे एक्टिव मेंबर माना जाता था। उसके सिर पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

कई हमलों का था मास्टरमाइंड

मंदा रूबेन छत्तीसगढ़ में फोर्स के खिलाफ किए गए कई नक्सली हमलों का मास्टरमाइंड था। ऐसा कहा जाता है कि वह सुरक्षाबल के 30 जवानों का हत्यारा था। उसके प्लानिंग और धमाकों के कारण ही 30 सुरक्षाबल के जवानों की शहादत हुई थी। वह तेलंगाना का रहने वाला था। संगठन में उसे मंदा रूबेन उर्फ कन्नना, उर्फ मंगना, उर्फ सुरेश के नाम से जाना जाता था। वह इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के बाद नक्सली संगठन से जुड़ा था।

मंदा इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था उसी दौरान रेडिकल स्टूडेंट्स यूनियन के संपर्क में आया। इसके बाद वह 1981 में नक्सली संगठन में शामिल हो गया। तब वह तत्कालीन महासचिव नंबाला केशव राव के निर्देश पर काम करता था। इसके बाद उसने कई नक्सली हमलों को अंजाम दिया और पूरे छत्तीसगढ़ में उसकी दहशत फैल गई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया था लेकिन 1991 के जगदलपुर जेल से फरार हो गया। उसके बाद से पुलिस उसकी तलाश कर रही है। वह बस्तर और तेलंगाना दोनों क्षेत्रों में वह लंबे समय तक नक्सली गतिविधियों में सक्रिय रहा।

मंदा रुबेन के बारे में कहा जाता है कि वह लंबे समय से बीमार है। कुछ समय पहले उसने नक्सली संगठन से दूरी बना ली थी हालांकि इसके बाद भी वह नक्सली गतिविधियों के संचालन में शामिल था। सुरक्षाबल की लगातार कार्रवाई से वह काफी डरा हुआ था। संभावित एनकाउंटर के डर से उसने सरेंडर का फैसला किया है।

दो दिन में झारखंड से लौटेगा मानसून

रांची, खूंटी, गुमला सहित 7 जिलों में छा सकते हैं बादल, कई जिलों में हल्की बारिश के आसार

रांची, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड में मानसून अब अलविदा कहने की तैयारी में है। मौसम विभाग ने संकेत दिए हैं कि अगले दो से तीन दिनों में राज्य से मानसून की वापसी शुरू हो जाएगी।

भारतीय मौसम विभाग के रांची केंद्र के निदेशक अभिषेक आनंद ने बताया कि मौजूदा परिस्थितियों के अनुसार 12 से 14 अक्टूबर के बीच मानसून विदाई की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

इस दौरान राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश के साथ गरज और वज्रपात की संभावना बनी रहेगी। गिरिडीह, रांची, खूंटी, गुमला, हजारीबाग, रामगढ़, सिमडेगा सहित कुछ जिलों में बादल छाए रह सकते हैं। मौसम विभाग ने लोगों को बिजली गिरने की आशंका के मद्देनजर सावधानी बरतने की सलाह दी है।

अक्टूबर की शुरुआत से अब तक झारखंड में सामान्य से 99 प्रतिशत अधिक वर्षा दर्ज की गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार राज्य में इस माह अब तक 66.1 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई है, जबकि सामान्य औसत 33.3 मिमी रहती है। यानी इस महीने अब तक लगभग दोगुनी बारिश हो चुकी है।

वहीं, पूरे मानसून सीजन में राज्य में अब तक 1184.8 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य 1188.4 मिमी के करीब है। इसका मतलब यह है कि इस साल झारखंड में बारिश लगभग सामान्य रही। सबसे अधिक वर्षा सिमडेगा जिले में दर्ज की गई, जहां सामान्य से 58 प्रतिशत ज्यादा बारिश हुई। वहीं, देवघर और दुमका में सबसे कम वर्षा दर्ज की गई।

तापमान सामान्य, कई जिलों में महसूस होने लगी ठंड

पिछले 24 घंटे में रांची का अधिकतम तापमान 29.9 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 24 डिग्री रहा, जो सामान्य से थोड़ा कम और आरामदायक स्तर पर है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य का अधिकतम तापमान फिलहाल 30 डिग्री के आसपास बना हुआ है। वहीं, सबसे ज्यादा तापमान पाकुड़ में दर्ज किया गया, जहां पारा 34.8 डिग्री तक पहुंचा। कई इलाकों में हल्की ठंडक महसूस की जा रही है। सुबह-शाम की हवाओं में नमी बढ़ी है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि जैसे-जैसे मानसून की वापसी होगी, दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी और रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या

अंधविश्वास में मर्डर की आशंका, दरवाजा बंद रहने से एक महिला की जान बची

लोहरदगा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोहरदगा जिले के पेशरार थाना क्षेत्र के केकरांग गांव में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने के बाद किस्को एसडीपीओ वेदांत शंकर और किस्को थाना प्रभारी वीरेंद्र कुमार सहित पुलिस टीम मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतकों में लक्ष्मण नगेसिया (47), उसकी पत्नी बिफनी नगेसिया (45) और दंपती का पुत्र रामविलास नगेसिया (9) शामिल है। पुलिस ने अभी तक हत्या के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की है। पुलिस पूरे मामले में गहन अनुसंधान और आगे की कार्रवाई कर रही है।

घटना के समय घर में कुल चार सदस्य मौजूद थे

इस घटना से आसपास के क्षेत्र में सनसनी फैल गई है। स्थानीय लोगों के बीच डायन-बिसाही और अंधविश्वास को घटना का कारण बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है।

घने जंगलों के बीच स्थित इस गांव में हुई इस घटना से लोग स्तब्ध हैं। घटना के समय घर में कुल चार सदस्य मौजूद थे, जिनमें से तीन की हत्या कर दी गई। एक महिला जिस कमरे में थी, उसके बाहर का दरवाजा बंद कर दिया गया था, जिससे उसकी जान बच गई।

गिरिडीह में भीषण डकैती, बंधक बना लूटे लाखों

दरवाजे की कुंडी तोड़कर घर में घुसे, परिवार वालों को बनाया बंधक, 6 अपराधियों ने दिया घटना को अंजाम

गिरिडीह, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गिरिडीह जिले के बिरनी प्रखंड के चिताखारो गांव में बुधवार देर रात छह हथियारबंद डकैतों ने एक बड़ी डकैती को अंजाम दिया। डकैतों ने सीएससी संचालक संजय वर्मा के घर को निशाना बनाया।

घर के लोगों को हथियार के बल पर बंधक बना कर ढाई लाख रुपए नकद, दो वीडियो कैमरा, एक ड्रोन कैमरा, एक लैपटॉप, एक मंगलसूत्र और कई अन्य कीमती जेवरात समेत लाखों रुपए के सामान लूट लिए।

जानकारी के अनुसार, अपराधी घर के पीछे के दरवाजे की कुंडी तोड़कर अंदर घुसे। घटना के वक्त संजय वर्मा सहित उनका छह माह का बेटा और पत्नी सो रही थी। सभी को हथियार का भय दिखा कर बंधक बना लिया।

इसके बाद जमकर हंगामा मचाया। बताया जा रहा है कि अपराधियों ने घर के कई कमरों की तलाशी ली और आलमारी तोड़कर नकदी व जेवरात ले लिए। पीड़ित के मुताबिक 6 की संख्या में आए अपराधियों ने चेहरे पर काले व लाल रंग के कपड़े बांध रखे थे। घटना को अंजाम देकर सभी फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही सरिया एसडीपीओ धनंजय राम, भरकट्टा ओपी प्रभारी अमन कुमार, जिप सदस्य सूरज सुमन और पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि राजू मंडल सहित कई स्थानीय जनप्रतिनिधि घटनास्थल पर पहुंचे।

पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर हालात का जायजा लिया और पीड़ित परिवार से जानकारी ली। स्थानीय लोगों ने बताया कि देर रात किसी को भी संदिग्ध गतिविधियों की भनक नहीं लगी। घटना के बाद ग्रामीणों में आक्रोश है।

सूचना के बाद पुलिस ने इलाके में सघन छापेमारी अभियान शुरू कर दिया। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। गुरुवार सुबह सरिया इंस्पेक्टर अजय कुमार और एसआई आनंदी प्रसाद भी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच में जुट गए। एसडीपीओ धनंजय राम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में छह हथियारबंद अपराधियों द्वारा डकैती की पुष्टि हुई है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने कई संभावित ठिकानों पर छापेमारी की है। संदिग्धों की तलाश जारी है।

नंबर ब्लॉक करने पर प्रेमी ने प्रेमिका की हत्या की

शारीरिक संबंध के बाद सिलबट्टे से सिर कूचकर मारा था, वेंटिलेटर के रास्ते घुसा था घर में

पलामू, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू स्थित लेस्लीगंज थाना क्षेत्र में 30 सितंबर की रात हुई लाखो देवी (35) हत्याकांड का पुलिस ने गुरुवार को खुलासा कर दिया। शादीशुदा महिला की हत्या उसके ही प्रेमी ने की थी। लाखो देवी ने प्रेमी का नंबर ब्लॉक कर दिया था। इस बात के विवाद में आरोपी संदीप कुमार (26) ने उसकी हत्या की थी।

लेस्लीगंज थाना थाना प्रभारी उत्तम कुमार राय ने बताया कि आरोपी को रांची रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि हत्या से पूर्व उसने लाखो देवी के साथ शारीरिक संबंध बनाए थे। इसके बाद सिलबट्टे से कूचकर महिला की हत्या कर दी।

थाना प्रभारी ने बताया कि 1 अक्टूबर को लाखो देवी का शव उसके घर में मिला था। मृतका के पिता अवधेश भईयां ने इस संबंध में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोपी संदीप ने पुलिस को बताया कि लाखो देवी से उसका प्रेम संबंध था।

दोनों के बीच अवैध संबंध भी थे। संदीप कुमार कमाने के लिए बेंगलुरु चला गया, तो लाखो देवी ने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था। 23 सितंबर को बेंगलुरु से लौटने पर उसे पता चला कि लाखो देवी किसी और व्यक्ति से फोन पर बात करती है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद शुरू हुआ।

30 सितंबर की रात संदीप वेंटिलेटर के रास्ते लाखो देवी के घर में घुस गया। उसने सहमति से लाखो देवी के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद नंबर ब्लॉक करने की बात पर दोनों में विवाद और हाथापाई होने लगी। संदीप ने पहले रोटी बनाने वाले पीढ़ा से लाखो देवी को घायल किया, फिर घर में रखे सिलबट्टे से उसका सिर कूच दिया।

हत्या के बाद आरोपी मृतका का मोबाइल और खून से सना चादर वेंटिलेटर से बाहर ले गया। उसने इन्हें पास के सूखे कुएं में फेंक दिया और अपने खून लगे कपड़े (गंजी व शर्ट) वहीं झाड़ी में छिपा दिए। अगले दिन वह घर से फरार हो गया।

आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने मृतका का मोबाइल, चादर और आरोपी के खून लगे कपड़े बरामद किए हैं। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से अन्य साक्ष्य भी जुटाए हैं।

बड़े ने की छोटे भाई की पत्नी की हत्या

देवरानी–जेठानी के विवाद ने लिया खूनी रूप, जेठ ने कुल्हाड़ी से वार कर किया मर्डर

पलामू, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के छतरपुर थाना क्षेत्र के तेलाड़ी गांव में देवरानी-जेठानी के बीच हुए विवाद ने खूनी रूप ले लिया। इस दौरान जेठ ने अपनी भवह (छोटे भाई की पत्नी) की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी। आरोपी फिलहाल फरार है। यह घटना तब हुई जब अखिलेश राम की पत्नी सीमा देवी (28) अपनी जेठानी के साथ किसी बात को लेकर बहस कर रही थी। पास में बैठे उसके जेठ जनेश्वर राम अचानक आक्रोशित हो उठे। उन्होंने घर में रखी कुल्हाड़ी उठाई और सीमा देवी की गर्दन पर जोरदार वार कर दिया।

गंभीर चोट लगने से सीमा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही छतरपुर पुलिस तेलाड़ी गांव पहुंची।

नर्स को चाकू से काट डाला

कमरे में खून से सनी मिली लाश, बॉयफ्रेंड से था विवाद, कांग्रेस बोली– बीजेपी का कुशासन बेनकाब

रायपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर में एक नर्स को चाकू से काटकर मार डाला। नर्स की लाश कमरे में खून से सनी मिली है। युवती के सीने पर और शरीर के कई हिस्सों में चोट के निशान मिले हैं। बताया जा रहा है कि बॉयफ्रेंड के साथ विवाद चला रहा था। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक मृतिका का नाम प्रियंका दास (23) है, जो निजी अस्पताल में नर्स थी। वह मनेंद्रगढ़ की रहने वाली थी। टिकरापारा में किराए के कमरे में 3 सहेलियों के साथ रह रही थी। प्रियंका एक दिन पहले अस्पताल में ड्यूटी भी की थी। वह डे शिफ्ट में थी। वहीं मर्डर को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सरकार को घेरा है। कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर लिखा कि रायपुर में नर्स की बेरहमी से हत्या, भाजपा का कुशासन बेनकाब, नर्स प्रियंका दास की हत्या ने दिखा दिया कि भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था सिर्फ नाम की रह गई है।

अपराधी बेलगाम हैं, पुलिस लाचार, और सरकार खामोश। जनता खून में लथपथ हकीकत देख रही है और सत्ता सिर्फ बयानों में व्यस्त है। यह सिर्फ घटना नहीं, भाजपा के कुशासन की गवाही है। भाजपा का कुशासन बेनकाब हो गया है। दरअसल, गुरुवार सुबह नाइट ड्यूटी करने के बाद प्रियंका दास की सहेली रूम पहुंची। इस दौरान प्रियंका की सहेली ने कमरे के भीतर खून से सनी लाश देखी। युवती ने अपने पड़ोसियों को सूचना दी। पड़ोसियों ने टिकरापारा पुलिस को मामले की जानकारी दी।

मामले की जानकारी मिलते ही टिकरापारा पुलिस और फोरेंसिक की टीम मौके पर पहुंची। घटना स्थल से सबूत जुटाए। साथ ही लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। कमरे में चाकू से वार करने की वजह से खून ही खून बिखरा मिला है।

पड़ोसियों का कहना है कि, उन्होंने किसी को भी प्रियंका के कमरे से निकलते हुए नहीं देखा। न ही लड़ाई झगड़े की कोई तेज आवाज सुनी। इससे यह साफ है कि मर्डर करने के बाद हत्यारा दूसरों की नजर से बचते हुए मौके से फरार हो गया। शक है कि मर्डर में बॉयफ्रेंड से विवाद एक वजह हो सकती है।

ASP DR पोर्ते ने बताया कि सूचना मिलते ही टिकरापारा पुलिस मौके पर पहुंची। शव के पास चाकू मिला है, जिसे जब्त किया गया है। साथ ही हत्या के शक में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। आरोपी से पूछताछ की जा रही है। जल्द मामले का खुलासा होगा। साथ ही रूममेट से पूछताछ कर रही है।

वहीं मर्डर को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने सोशल मीडिया X पर लिखा कि रायपुर में नर्स की बेरहमी से हत्या, भाजपा का कुशासन बेनकाब ! नर्स प्रियंका दास की हत्या ने दिखा दिया कि भाजपा सरकार की कानून व्यवस्था सिर्फ नाम की रह गई है। अपराधी बेलगाम हैं, पुलिस लाचार, और सरकार खामोश।

इससे कुछ दिन पहले, रायपुर के स्टेशन रोड स्थित एवॉन लॉज में नाबालिग प्रेग्नेंट गर्लफ्रेंड (16) ने बॉयफ्रेंड की चाकू गोदकर हत्या कर दी थी।

आरकेएम पावर-प्लांट लिफ्ट हादसा 12 साल से नहीं हुआ था मेंटेनेंस

सक्ती, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सक्ती जिले स्थित आरकेएम पावर प्लांट में लिफ्ट गिरने से हुई चार मजदूरों की मौत मामले में कंपनी के डायरेक्टर, अफसरों समेत 7 जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। साथ ही पूरे मामले की मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी जारी कर दिए गए हैं।

शुरुआती जांच में यह सामने आया है कि लिफ्ट का मेंटेनेंस पिछले 12 वर्षों से नहीं किया गया था, जिसे हादसे की एक बड़ी वजह माना जा रहा है। अब इस तकनीकी लापरवाही की भी विस्तृत जांच की जाएगी। इधर, मृतकों के परिजनों ने आरोप लगाया है कि घटना को 36 घंटे से अधिक समय बीतने के बावजूद शवों का पोस्टमॉर्टम नहीं किया गया है। परिजन मौके पर मौजूद हैं, लेकिन न तो कंपनी का कोई अधिकारी सामने आया है, और न ही ठेकेदार। मुआवजे को लेकर भी अब तक कोई राशि तय नहीं की गई है, जिससे परिजनों में आक्रोश है। प्रत्यक्षदर्शियों और मजदूरों का कहना है कि यह हादसा अचानक नहीं हुआ है। मजदूरों ने बताया कि लिफ्ट की पिछले लगभग 12 सालों से सर्विसिंग नहीं की गई थी। सेफ्टी बेल्ट, वायर और अन्य उपकरण जर्जर हालत में थे, जिसकी शिकायतें बार-बार की गई थीं, लेकिन प्रबंधन ने कोई सुधार नहीं किया। हादसे के तुरंत बाद, प्लांट प्रबंधन ने गेट बंद कर मीडिया को अंदर जाने से रोक दिया, जिससे संदेह और गहरा गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्लांट में अक्सर सुरक्षा नियमों की अनदेखी होती है और छोटे-मोटे हादसे होते रहते हैं, जिन्हें पहले पैसे और प्रभाव के दम पर दबा दिया जाता था। पुलिस महानिरीक्षक संजीव शुक्ला और पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश में कार्रवाई करते हुए, आर.के.एम. पावर जेनरेशन कंपनी के निदेशकों और जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

छत्तीसगढ़ महिला आयोग की अध्यक्ष पर मनमानी का आरोप

रायपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग में बड़ा बवाल खड़ा हो गया है। प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद नियुक्त हुईं तीन सदस्य लक्ष्मी वर्मा, सरला कोसरिया और दीपिका सोरी ने आयोग की अध्यक्ष किरणमयी नायक और सचिव अभय सोनवानी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। सदस्यों का कहना है कि आयोग में नियमों का पालन नहीं हो रहा और अध्यक्ष पूरे आयोग को 'एकतरफा ढंग' से चला रही हैं। तीनों सदस्यों ने प्रेसवार्ता कर बताया कि आयोग में किसी भी सुनवाई या निर्णय में उन्हें शामिल नहीं किया जाता। अध्यक्ष अकेले ही अंतिम निर्णय लेती हैं, जबकि नियम के अनुसार दो सदस्यों की सहमति आवश्यक होती है। उन्होंने कहा कि सुनवाई के दौरान अनधिकृत लोग, यहां तक कि अध्यक्ष के पति और निजी वकील भी मौजूद रहते हैं, जो पूरी प्रक्रिया पर सवाल खड़ा करता है।

सदस्यों ने घोषणा की है कि वे इस मामले को लेकर कोर्ट जाएंगे और पूरे प्रकरण की जानकारी विधि विभाग, मुख्यमंत्री और राज्यपाल को देंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि महिला आयोग की कार्यप्रणाली 'लोकतांत्रिक भावना के विपरीत' चल रही है।

सदस्यों ने यह भी आरोप लगाया कि आयोग के सचिव अभय सोनवानी किसी भी सवाल का जवाब नहीं देते।

अवैध बालू खनन: जान की परवाह किए बिना नदी में कूदे सीओ

दुमका, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के सरैयाहाट के अंचल अधिकारी राहुल कुमार शानु के साहस की इन दिनों पूरे जिले में चर्चा हो रही है। दरअसल, सरैयाहाट के अंचल अधिकारी शानु को मंगलवार को दुमका जिले के हंसडीहा थाना क्षेत्र के पथरिया नदी से कुछ ट्रेक्टरों से अवैध रूप से बालू उठाव किये जाने की सूचना मिली। एनजीटी ने 10 अक्टूबर तक किसी भी नदी से बालू के उठाव पर प्रतिबंध लगा रखा है। इसके बावजूद पथरिया नदी से अवैध रूप से बालू का उठाव किये जाने की सूचना पर अंचलाधिकारी शानु ने जान की परवाह किये बगैर मौके पर आ धमके। सीओ राहुल कुमार शानू जब पथरिया नदी के पास पहुंचे तो उन्होंने सात-आठ की संख्या में ट्रैक्टर को अवैध रूप से बालू का उठाव करते देखा। शानु के मौके पर पहुंचने पर सभी चालक ट्रैक्टर लेकर भागने लगे। इस पर अंचलाधिकारी शानु अपनी जान की परवाह किये बगैर वे बालू लदे ट्रैक्टर को पकड़ने के लिए नदी में कूद पड़े। इस दौरान अंचलाधिकारी शानु ने अकेले बहादुरी का परिचय देते हुए बालू लदे दो ट्रैक्टरों को पकड़ लिया और हंसडीहा थाना का सौंप दिया। इसकी सूचना जिला खनन पदाधिकारी को दी। इस सूचना पर खान निरीक्षक मंजीत कुमार दूबे हंसडीहा थाना पहुंचे और दोनों ट्रैक्टरों के खिलाफ लिखित आवेदन देकर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कराया है। खान निरीक्षक मंजीत दूबे के मुताबिक दोनों जब्त ट्रैक्टर में नंबर अंकित नहीं। इस कारण जब्त ट्रैक्टर के चेसिस नंबर और इंजन नंबर से निबंधन का पता लगाया जाएगा।

मालूम हो कि एनजीटी और झारखंड मिनरल माइनिंग की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज करने के संबंध में हंसडीहा थाना को आवेदन दिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार इन दिनों इस क्षेत्र में कई जगहों पर अवैध रूप बड़े पैमाने पर बालू डंप किया जा रहा है।

किम जोंग की पार्टी के 80 साल

गुप्त परेड की तैयारी और बड़े नेताओं की मौजूदगी

प्योंगयांग, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया के शासक किम जोंग उन की सत्तारूढ़ पार्टी वर्कर्स पार्टी ऑफ कोरिया 80 वर्ष की हो गई है। ऐसे में उत्तर कोरिया शुक्रवार (10 अक्तूबर) को जश्न की तैयारियों में जुट चुका है। वर्कर्स पार्टी की 80वीं वर्षगांठ पर गुप्त तैयारियां की जा रही हैं। इतना ही नहीं रिपोर्ट्स की मानें तो कई विदेशी नेता भी इस महोत्सव में शामिल होंगे।

वर्कर्स पार्टी का यह समारोह एक बार फिर यह दर्शाएगा कि उत्तर कोरिया चीन और रूस जैसे कुछ प्रमुख वैश्विक शक्तियों और सहयोगियों के साथ अपने संबंधों को कैसे मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, जो कि अपने उच्च-स्तरीय प्रतिनिधि भेज रहे हैं। दरअसल, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन का सबसे अहम सहयोगी चीन रहा है और हाल के वर्षों में उन्होंने रूस के साथ भी संबंध मजबूत किए हैं, क्योंकि उत्तर कोरिया ने यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में भाग लेने के लिए सेना भेजकर रूस की मदद की। साथ ही यूक्रेन के खिलाफ लड़ाकू सैनिक और गोला-बारूद की आपूर्ति भी की है।

इतना ही नहीं सितंबर में द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति के उपलक्ष्य में आयोजित एक विशाल सैन्य परेड में भी किम जोंगे ने हिस्सा लिया। बीजिंग की यात्रा के दौरान किम जोंग उन चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ खड़े दिखाई दिए थे।

अब किम की पार्टी के 80वीं वर्षगांठ के उत्सव के दौरान क्या होगा? इसकी योजनाओं का खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कुछ नेताओं और उच्च-स्तरीय प्रतिनिधियों के कार्यक्रम में शामिल होने की उम्मीद जताई जा रही है। चीन की सरकारी शिन्हुआ समाचार एजेंसी के अनुसार प्रधानमंत्री ली कियांग गुरुवार को उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयान पहुंचे। ली की यह यात्रा 2019 के बाद से किसी चीनी नेता की सर्वोच्च स्तरीय यात्रा है। वह चीन में सत्ता के शीर्ष, कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो की स्थायी समिति के सात सदस्यों में से एक हैं।

प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें आमतौर पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बाद चीन में दूसरे नंबर का नेता माना जाता है। ली कियांग हाल ही में कई विदेशी यात्राओं और उच्च-स्तरीय कार्यक्रमों में चीन का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, जिनमें सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा भी शामिल है।

उत्तर कोरिया की आधिकारिक केसीएनए समाचार एजेंसी के मुताबिक रूस उत्तर कोरिया के सत्तारूढ़ पार्टी के वर्षगांठ समारोह में पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव को भेज रहा है, जो पुतिन की अध्यक्षता वाली सुरक्षा परिषद के उप प्रमुख हैं।

वियतनामी सरकारी मीडिया के अनुसार देश के शीर्ष नेता, कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव टो लाम भी समारोह के लिए उत्तर कोरिया पहुंचे हैं। वियतनाम में कम्युनिस्ट पार्टी के महासचिव के रूप में टो लाम उत्तर कोरियाई वर्कर्स पार्टी में किम जोंग उन के समान नेतृत्वकारी पद पर हैं। वियतनाम के सरकारी मीडिया ने बताया कि यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ भी मना रहे हैं। उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी केसीएनए ने पिछले सप्ताह बताया था कि लाओस के राष्ट्रपति थोंगलोउन सिसोउलिथ भी इस समारोह में शामिल होंगे।

चीन से 4.5 जनरेशन का जे-10सीई फाइटर जेट खरीदेगा बांग्लादेश

18 .5 हजार करोड़ रुपए में लेगा 20 विमान 10 साल में किस्तों में चुकाएगा कीमत

बीजिंग, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। ढाका की मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार चीन से 20 जे-10सीई फाइटर जेट खरीदने की योजना बना रही है। इस सौदे की कीमत करीब 2.2 अरब अमेरिकी डॉलर (लगभग 18,500 करोड़) बताई जा रही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह समझौता प्रशिक्षण, रखरखाव और अन्य तकनीकी सेवाओं को भी शामिल करेगा। भुगतान 10 वित्तीय वर्षों में, यानी 2036 तक किस्तों में किया जाएगा। हालांकि, सरकार की ओर से इस सौदे पर अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

वित्तीय सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने पत्रकारों के सवाल पर कहा, 'मैं इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। सिर्फ इसलिए कि मुझे कुछ पता है, इसका मतलब यह नहीं कि मैं सब कुछ बता दूं।'

सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश सरकार ने अक्टूबर 2025 में चीन केजे-10सीई मल्टीरोल फाइटर जेट की खरीद को मंजूरी दे दी है।

20 विमानों की डिलीवरी 2027 तक की जाएगी, जिसकी कुल लागत 2.2 अरब डॉलर

(करीब 18,500 करोड़) होगी, जिसमें प्रशिक्षण और स्पेयर पार्ट्स शामिल हैं। भुगतान 10 वर्षों में किया जाएगा।

जे-10सीई विमान 4.5 पीढ़ी की तकनीक, एईएसए रडार, पीएल-15ई मिसाइल और उन्नत डेटा लिंक से लैस होंगे। इसके साथ बांग्लादेश चीन और पाकिस्तान के बाद तीसरा देश बन जाएगा, जिसके पास यह मॉडर्न पीढ़ी के फाइटर जेट होंगे।

एयर चीफ मार्शल हसन महमूद खान ने बताया कि सरकार ने मल्टीरोल जेट, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें और लंबी दूरी के रडार खरीदने को मंजूरी दे दी है, पर चीन का नाम स्पष्ट नहीं किया।

आधुनिक वायुसेना तैयार कर रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश वायु क्षमता में तेजी से वृद्धि कर रहा है और फोर्स गोल-2030 के तहत एक आधुनिक वायुसेना बेड़ा तैयार करने की दिशा में कदम बढ़ा चुका है। इस पहल की शुरुआत 2009 में हुई थी, पर 2017 के बाद उल्लेखनीय प्रगति देखने को मिली।

जे-10सीई चीन के वायुसेना में पहले से ही शामिल है। रक्षा विशेषज्ञ मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) एएनएम मुनीरुज्जमान ने मीडिया से कहा कि बांग्लादेश वायुसेना लंबे समय से नए लड़ाकू विमान खरीदने की योजना बना रही है।

उन्होंने कहा, 'आज की दुनिया में नए-नए रिश्ते बन रहे हैं, इसलिए किसी देश से विमान खरीदने से पहले उसके प्रभावों का विश्लेषण जरूरी है।' वर्तमान में बांग्लादेश वायुसेना के पास 212 विमान हैं, जिनमें से 44 लड़ाकू विमान हैं। इनमें 36 चीनी एफ-7 जेट, 8 रूसी MiG-29B, और कुछ Yak-130 हल्के लड़ाकू विमान शामिल हैं। यह सौदा अगर तय हो जाता है, तो बांग्लादेश वायुसेना की युद्धक क्षमता में बड़ी बढ़ोतरी होगी। मई और अक्टूबर 2025 में वायुसेना प्रमुख हसन महमूद खान की इटली और तुर्किये यात्राओं ने बांग्लादेश के रक्षा सहयोग के नए रास्ते खोले हैं। इटली में उन्होंने लियोनार्डो के संयंत्रों का दौरा किया, जहां से उन्नत रडार, ट्रैकिंग सिस्टम और हेलिकॉप्टर तकनीक की खरीद पर चर्चा हुई।

दुनिया देखेगी दरिया-ए-नूर

117 साल से बांग्लादेश ने छिपाकर रखा था 'भारत का हीरा', कोहिनूर की बहन को बाहर लाएंगे यूनुस

ढाका, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। 100 साल से भी ज्यादा समय से गुप्त रूप से छिपाकर रखा हुआ, दुनिया के सबसे मशहूर हीरों में में से एक सबकी नजरों के सामने आने को तैयार है। बांग्लादेश की मोहम्मद यूनुस सरकार इस नायाब हीरे से पर्दा हटाने जा रही है, जिसे दरिया-ए-नूर के नाम से जाना जाता है। भारत की सरजमीं पर खोजे गए इस हीरे को कोहिनूर की बहन के नाम से जाना जाता है। इस हीरे को बांग्लादेश के एक सरकारी बैंक की गुप्त तिजोरी में दशकों से बंद करके रखा गया है, लेकिन अब यह दुनिया के सामने लाया जाने वाला है।

कर्ज के बदले रखा गया था गिरवी

बांग्लादेश के कैबिनेट सचिव अब्दुर रशीद के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय समिति सोनाली बैंक की तिजोरी में रखे दरिया-ए-नूर का निरीक्षण करने वाली है। इस तिजोरी में हीरे को 117 साल से रखा गया है। दरिया-ए-नूर की कहानी ढाका के नवाब सलीमुल्लाह से जुड़ी है, जिन्हें 14 लाख रुपये कर्ज के बदले में इस हीरे को 109 अन्य आभूषणों के साथ तत्कालीन पूर्व बंगाल और असम प्रांत की सरकार के पास गिरवी रख दिया था।

इसकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वालों ने भी कभी सीलबंद तिजोरी को खोलने की हिम्मत नहीं की। यहां तक कि इसकी मौजूदगी की पुष्टि भी करने से भी अधिकारियों ने दूरी बनाना ही ठीक समझा। लंबे समय से इसके बारे में स्थिति साफ किए जाने की मांग हो रही थी। वर्तमान भूमि सलाहकार अली इमाम मजूमदार भी उनमें से एक हैं। उनकी पहल पर भी कैबिनेट सचिव के नेतृत्व में वरिष्ठ नौकरशाहों, सुरक्षा अधिकारियों और एक रत्न विशेषज्ञ की नौ सदस्यीय समिति का गठन किया गया है।

रिपोर्टों के अनुसार, दरिया-ए-नूर 26 कैरेट का बेशकीमती हीरा है। इसकी सतह आयताकार और मेज की तरह है। कोहिनूर की तरह इसे भी हीरों के लिए मशहूर गोलकुंडा की खदानों से निकाला गया था। कोहिनूर की तरह यह हीरा भी महान सिख शासक महाराजा रणजीत सिंह के पास था और वे इन दोनों को अपने हाथों में बाजूबंद की तरह पहनते थे।

यूक्रेन के नए मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूस में गैस की भारी कमी

राष्ट्रपति जेलेंस्की का दावा

कीव, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन नई लंबी दूरी के मिसाइल और ड्रोन हमलों से रूसी तेल सुविधाओं को निशाना बना रहा है, जिससे वहां गैस की भारी कमी हो गई है। वहीं, जंग के मैदान में यूक्रेन के हालिया जवाबी हमले ने रूस की डोनेत्सक क्षेत्र के पूर्वी हिस्से को कब्जे में लेने की योजना को नाकाम कर दिया है।

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन की नई पल्यान्यत्स्या मिसाइल ने रूस के दर्जनों सैन्य डिपो (हथियारों के गोदाम) को निशाना बनाया है।

इसके अलावा 'रूता' ड्रोन ने हाल ही में ढाई सौ किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर स्थित एक रूसी समुद्री तेल सुविधा पर हमला कर चुका है। जेलेंस्की ने इस नए हथियार को बड़ी कामयाबी बताया है। उन्होंने कहा कि ल्यूटी और फायर प्वाइंट जैसे लंबी दूरी के ड्रोन ने रूसी उर्जा केंद्रों को निशाना बनाया है। अभियान में 300 ड्रोन एक साथ दागे गए। इसके अलावा, यूक्रेन की सेना ने हाल ही में रूस के खिलाफ नेपच्यून और फ्लेमिंगो नाम की मिसाइलों का भी इस्तेमाल किया है।

यूक्रेनी नेता ने आगे कहा कि रूस में गैस की कमी और आयात में बढ़ोतरी इस बात का संकेत है कि यूक्रेन के हमले प्रभावी साबित हो रहे हैं। उन्होंने कहा, खास बात यह है कि रूस अब गैस का आयात कर रहा है। यह एक संकेत है। यूक्रेनी खुफिया रिपोर्ट से पता चलता है कि रूस ने बेलारूस से आयात को छह गुना बढ़ा दिया है और आयात शुल्क हटा दिए हैं। साथ ही वह अब चीन से भी गैस मांग रहा है।

शाकाहारी डॉक्टर को फ्लाइट में नॉनवेज खिलाया, मौत

85 साल थी उम्र, बेटे ने कतर एयरवेज पर 1 करोड़ के हर्जाने का केस किया

दोहा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कतर एयरवेज की एक प्लेन में नॉनवेज खाना खाने की वजह से एक 85 साल के यात्री की मौत हो गई। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक 85 साल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ अशोक जयवीर ने शाकाहारी खाने का ऑर्डर दिया था, लेकिन उन्हें मांसाहारी खाना परोसा गया।

इसके बाद दम घुटने से उनकी मौत हो गई है। डॉ जयवीर के बेटे ने कतर एयरवेज के खिलाफ हत्या और इलाज में लापरवाही का मुकदमा दायर किया और 1.15 करोड़ का हर्जाना मांगा है।

यह मामला 30 जून 2023 का है। जयवीर लॉस एंजिलिस से कोलंबो जा रहे थे। यात्रा 15.5 घंटे की थी। इस दौरान उन्होंने खास तौर पर शाकाहारी भोजन का ऑर्डर दिया था लेकिन फ्लाइट अटेंडेंट ने उन्हें बताया कि

शाकाहारी खाना उपलब्ध नहीं है। इसके बाद उन्हें मांसाहारी खाना परोसा गया और खाने को कहा गया। रिपोर्ट के मुताबिक जैसे ही उन्होंने खाने की कोशिश की, जयवीर का दम घुटने लगा और वे बेहोश हो गए। फ्लाइट क्रू ने उनकी मदद करने की कोशिश की और मेडएयर के डॉक्टरों से ऑनलाइन मदद ली गई लेकिन जयवीर की हालत लगातार बिगड़ती गई।

विमान को आखिरकार स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में उतारा गया, जहां जयवीर को हॉस्पिटल ले जाया गया। 1 महिने 3 दिन बाद, 3 अगस्त को उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उनकी मौत एस्पिरेशन निमोनिया के कारण हुई, जो गलती से भोजन या तरल पदार्थ अंदर लेने से होने वाला फेफड़ों का संक्रमण है।

जयवीर के बेटे सूर्या ने हाल ही में कतर एयरवेज के खिलाफ हत्या का मुकदमा दायर किया है। इस मुकदमे में फूड सर्विस और मेडिकल मदद में लापरवाही का आरोप लगाया गया है। मुकदमे में दावा किया गया है कि एयरलाइन ने पहले ऑर्डर किया गया शाकाहारी खाना उपलब्ध नहीं कराया। उनके बेटे, सूर्या जयवीर ने हाल ही में कतर एयरवेज के खिलाफ गलत तरीके से मौत का मुकदमा दायर किया है। इस मुकदमे में भोजन सेवा और चिकित्सा सहायता में लापरवाही का आरोप लगाया गया है।

हमास-इजराइल शांति समझौते के पहले चरण पर सहमत

ट्रम्प बोले- सोमवार तक बंधकों की रिहाई संभव, स्थायी शांति की दिशा में यह पहला कदम

वॉशिंगटन, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा में दो साल से चल रहे युद्ध को खत्म करने के लिए इजराइल और हमास ने अमेरिका की मध्यस्थता वाले शांति समझौते (पीस डील) के पहले चरण पर सहमति जताई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने गुरुवार को इसकी घोषणा की।

ट्रम्प ने सोशल मीडिया ट्रुथ सोशल पर लिखा, 'जल्द ही सभी बंधकों को रिहा किया जाएगा और इजराइल अपनी सेना को एक तय लाइन तक वापस बुलाएगा। यह मजबूत और स्थायी शांति की दिशा में पहला कदम है।'

फॉक्स न्यूज से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा पहले चरण के तहत गाजा में इजराइल के बंधक बनाए गए लोगों को सोमवार तक रिहा किए जाने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'हमें लगता है कि वे सभी सोमवार को वापस आ जाएंगे।'

वहीं, इस हफ्ते के आखिर तक ट्रम्प मिस्र जा सकते हैं।

समझौते के 72 घंटे के अंदर बंधकों की रिहाई होगी

यह समझौता मिस्र में 8 अक्टूबर को हुई इनडायरेक्ट बातचीत के बाद हुआ है। समझौते में गाजा से इजराइली सेना की वापसी और कैदियों की अदला-बदली शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, समझौते के लागू होने के 72 घंटे के भीतर लगभग 2,000 फिलिस्तीनी कैदियों के बदले सभी जीवित इजराइली बंधकों को रिहा किया जाएगा। इजराइल सरकार के प्रवक्ता ने रॉयटर्स को बताया कि इजराइल को उम्मीद है कि बंधकों की रिहाई जल्द शुरू होगी। बंधकों की रिहाई में मृत लोगों के शव भी शामिल हैं।

कतरी मध्यस्थों ने भी समझौते की पुष्टि की है। हालांकि, इसके आगे की जानकारी बाद में घोषित करने की बात कही।

इजराइल गाजा से पीछे हटेगा

कैदियों की रिहाई के बदले इजराइल गाजा से अपनी सेना पीछे हटाएगा।

हमास ने ट्रम्प और गारंटर देशों से अपील की है कि वे इजराइल से समझौते का पूरी तरह पालन करवाएं। इसपर ट्रम्प ने कहा कि सभी पक्षों के साथ एक जैसा व्यवहार किया जाएगा।

जैश-ए-मोहम्मद ने पहली बार महिला आतंकियों की यूनिट बनाई

मसूद अजहर की बहन सादिया कमान संभालेगी उसका पति ऑपरेशन सिंदूर में मारा गया

इस्लामाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद (JeM) ने पहली बार महिला आतंकियों की एक अलग यूनिट बनाई है। इसका नाम 'जमात-उल-मोमिनात' रखा गया है।

इसकी जानकारी ग्लोबल आतंकी मौलाना मसूद अजहर के नाम से जारी एक लेटर के जरिए सामने आई। लेटर के मुताबिक, इस नई यूनिट में भर्ती प्रोसेस 8 अक्टूबर से पाकिस्तान के बहावलपुर में मरकज उस्मान-ओ-अली में शुरू हो चुका है।

इस यूनिट की कमान मसूद अजहर की बहन सादिया अजहर संभालेगी। सादिया का पति यूसुफ अजहर 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मारा गया था।

JeM अब आतंकियों की पत्नी और गरीब महिलाओं को भर्ती कर रहा है। ये महिलाएं बहावलपुर,

कराची, मुजफ्फराबाद, कोटली, हरिपुर और मंसेहरा के मदरसों में पढ़ती हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में आशंका जताई गई है कि इन महिला आतंकियों का इस्तेमाल आत्मघाती हमले में किया जा सकता है। यह संगठन पहले महिलाओं को लड़ाई में शामिल नहीं करता था, लेकिन पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद नियम बदले गए हैं। मसूद अजहर और उसके भाई तल्हा अल-सैफ ने महिलाओं को टीम में शामिल करने का फैसला लिया।

आईएसआईएस और बोको हरम जैसे संगठन महिलाओं को आत्मघाती हमलों में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन JeM, लश्कर और हिजबुल जैसे ग्रुप पहले ऐसा नहीं करते थे।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन और लश्कर-ए-तैयबा ने अपने कैंप्स को पाकिस्तान के अशांत इलाके खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) प्रांत में शिफ्ट कर लिया है। ये आतंकी संगठन ऑपरेशन सिंदूर में तबाह हुए आतंकी ढांचों को फिर से बनाने के लिए आम लोगों से चंदा भी मांग रहे हैं। इसी साल अगस्त में खबर आई थी कि JeM ने पूरे पाकिस्तान में 313 नए मरकज बनाने के लिए ऑनलाइन तरीके से 3.91 अरब पाकिस्तान रुपए का चंदा कैंपेन शुरू किया है।

भारत ने खोली पाकिस्तान की कलई

भाजपा सांसद जमकर बरसे, दुनिया को गिनाई देश की उपलब्धि

न्यूयॉर्क, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल इन दिनों न्यूयॉर्क में हैं, जहां उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा 80वें सत्र में भारत का पक्ष रखा। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के पहले प्रतिनिधिमंडल के नेता, भाजपा सांसद पी.पी. चौधरी ने बुधवार (8 अक्तूबर) को संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति में आम बहस के दौरान भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया, जहां उन्होंने पाकिस्तान के उत्पीड़न और दुष्प्रचार के इतिहास को तीखे शब्दों में उजागर किया।

जम्मू और कश्मीर पर पाकिस्तान की निराधार टिप्पणियों को खारिज करते हुए पीपी चौधरी ने दोहराया कि यह केंद्र शासित प्रदेश भारत का अभिन्न और अविभाज्य अंग है। उन्होंने चुनावों में धांधली, लोकप्रिय नेताओं को जेल में डालने, अपनी ही जनता पर बमबारी करने और जन विरोध प्रदर्शनों का क्रूरतापूर्वक दमन करने जैसे संकीर्ण राजनीतिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए संयुक्त राष्ट्र के मंचों का पाकिस्तान के आदतन दुरुपयोग की आलोचना की।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पी.पी. चौधरी ने वैश्विक समुदाय को याद दिलाया कि पाकिस्तान के अपने सेना प्रमुख ने भी देश को डंप ट्रक बताया है, जिससे उसकी शासन व्यवस्था की सड़न उजागर होती है। साथ ही चौधरी ने इस बात पर जोर दिया कि मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा से प्रेरित भारत का संविधान एक अधिकार-आधारित ढांचा प्रदान करता है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक नागरिक अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच सके। चौधरी ने इस मौके पर समावेशी विकास में भारत की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला।

हंगरी के लेखक लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई को मिला साहित्य का नोबेल

स्टॉकहोम, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। हंगरी के लेखक लास्जलो क्रास्जनाहोरकाई को साल 2025 के साहित्य के नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। नोबेल समिति ने गुरुवार को इसका ऐलान करते हुए कहा कि लास्जलो की 'सम्मोहक और दूरदर्शी कृति' के लिए उन्हें सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही लास्जलो ये प्रतिष्ठित पुरस्कार पाने वाले अर्नेस्ट हेमिंग्वे, अल्बर्ट कामू और टोनी मॉरिसन जैसे साहित्य दिग्गजों की सूची में शामिल हो गए हैं। स्वीडिश अकादमी की नोबेल समिति अब तक कुल 121 विजेताओं को साहित्य के क्षेत्र में यह पुरस्कार दे

चुकी है। चिकित्सा, भौतिकी और रसायन विज्ञान के क्षेत्र में 2025 के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा के बाद, साहित्य का पुरस्कार इस सप्ताह घोषित होने वाला चौथा पुरस्कार है। नोबेल शांति पुरस्कार के विजेता की घोषणा शुक्रवार को की जाएगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम भी इस साल इस पुरस्कार के लिए दौड़ में है। अंतिम नोबेल अर्थशास्त्र का नोबेल मेमोरियल पुरस्कार सोमवार को घोषित किया जाएगा। नोबेल पुरस्कार समारोह 10 दिसंबर को आयोजित किए जाते हैं। यह इस पुरस्कार के संस्थापक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि है, जिनका 1896 में निधन हुआ। पुरस्कार में 1.1 करोड़ स्वीडिश क्रोनर की राशि प्रदान की जाती है। साथ ही विजेता को 18 कैरेट का स्वर्ण पदक और प्रमाणपत्र दिया जाता है। पहला नोबेल पुरस्कार 1901 में भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा, साहित्य और शांति के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए प्रदान किया गया।

तुर्की के ड्रोन की खुली पोल

खर्तूम, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अफ्रीकी देश सूडान में दो साल से चल रहे गृहयुद्ध में ड्रोन और एयर डिफेंस सिस्टम जैसे विदेशी हथियारों का इस्तेमाल बढ़ गया है। ऐसे में इन हथियारों को बनाने वाले देशों के बीच प्रतिस्पर्धा और प्रभाव बढ़ाने की रस्साकशी है। इस प्रतिस्पर्धा में तुर्की के ड्रोन बाजार के लिए सूडान की लड़ाई बुरा सपना बन रही है। सूडान में चीनी एयर डिफेंस के सामने तुर्की के ड्रोन एक के बाद फेल हो रहे हैं। इससे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन के सामने अपने ड्रोन को दुनिया के सामने प्रभावी दिखाने की चुनौती बढ़ गई है।

इसी हफ्ते सरकार विरोधी ताकतों ने चीनी वायु रक्षा प्रणालियों का इस्तेमाल करके सरकारी सेना के अत्याधुनिक तुर्की अकिंसी हमलावर ड्रोन को गिरा दिया। एक प्रसिद्ध सैन्य विश्लेषक की ओर से सोशल मीडिया पर प्रकाशित फुटेज में कहा गया है कि इस ड्रोन को उत्तरी दारफुर में तथाकथित रैपिड सपोर्ट फोर्स ने मार गिराया है। सूडान में विद्रोही ताकतों के उन्नत तुर्की हमलावर ड्रोन को मार गिराए जाने की यह पहली घटना नहीं है। वॉशिंगटन पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सूडानी विद्रोही बलों ने अगस्त और सितंबर के बीच अकिंसी और बायरकटार टीबी2 सहित कम से कम तीन उन्नत तुर्की हमलावर ड्रोनों को मार गिराया है।

धर्मांतरण और भू-जल प्रबंधन पर बने नए कानून, सरकार जल्द करेगी लागू

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में धर्मांतरण रोकने, कोचिंग सेंटरों पर नियंत्रण और भू-जल प्रबंधन के लिए प्राधिकरण के गठन के लिए कानून बन गए। इनकी अधिसूचना जारी हो गई। इन सहित विधानसभा से मानसून सत्र में पारित सभी विधेयक अब कानून बन चुके हैं। धर्मांतरण रोकने के लिए विधानसभा ने 9 सितंबर को विधिविरुद्ध धर्म-संपरिवर्तन प्रतिषेध विधेयक पारित किया, वहीं कोचिंग सेंटरों के रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता संबंधी राजस्थान कोचिंग सेंटर (नियंत्रण और विनियमन) विधेयक, भू-जल प्रबंधन संबंधी राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक को भी मानसून सत्र में ही पारित किया। इन सहित मानसून सत्र में 9 विधेयक पारित किए गए थे, जिनके कानून बनने की अधिसूचना जारी हो गई।

दो बार गया प्रवर समिति में गया विधेयक

राजस्थान भू-जल (संरक्षण और प्रबंध) प्राधिकरण विधेयक ऐसा विधेयक रहा, जो विधानसभा में सहमति नहीं बन पाने से दो बार प्रवर समिति को भेजना पड़ा।

अब तय होगी लागू होने की तारीख

धर्मांतरण, कोचिंग सेंटर रजिस्ट्रेशन व भूजल प्रबंधन सहित अधिकांश कानून ऐसे हैं, जिनके लागू होने की तारीख के लिए राज्य सरकार अलग से अधिसूचना जारी करेगी।

ये विधेयक भी बने कानून

एम्स की तर्ज पर रिम्स स्थापना संबंधी राजस्थान आयुर्विज्ञान संस्थान जयपुर विधेयक, अवैध मछली पालन रोकने संबंधी राजस्थान मत्स्य-क्षेत्र (संशोधन) विधेयक, कारखानों में काम के घंटे बढ़ाने व महिलाओं को रात में भी काम करने की मंजूरी देने वाले कारखाना (राजस्थान संशोधन) विधेयक और पुराने औद्योगिक क्षेत्रों की भूमियों से संबंधित अधिकार रीको को देने संबंधी विधेयक के कानून बनने की अधिसूचना जारी हो गई, वहीं जीएसटी और सरकार के खर्चों से संबंधित विधेयक भी कानून बन गए।

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व मंत्री रामलाल जाट को मिली बड़ी राहत

अब नहीं होगी सीबीआई जांच; हाईकोर्ट का आदेश रद्द

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान के पूर्व राजस्व मंत्री रामलाल जाट को बड़ी राहत देते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया है। इस मामले में उनके खिलाफ धोखाधड़ी के एक मामले में सीबीआई जांच के निर्देश दिए गए थे। सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ (जिसमें न्यायमूर्ति बीआर गवई और संजय करोल शामिल थे) ने अपने फैसले में स्पष्ट किया कि कोई भी आपराधिक अदालत अपने द्वारा दिए गए फैसले की समीक्षा या उसे वापस नहीं ले सकती।

क्या है पूरा मामला?

यह मामला राजसमंद के माइनिंग व्यवसायी परमेश्वर जोशी द्वारा पूर्व मंत्री रामलाल जाट और अन्य के खिलाफ दर्ज की गई एक शिकायत से जुड़ा है। जोशी ने आरोप लगाया था कि रामलाल जाट ने उनकी ग्रेनाइट माइंस में 50 प्रतिशत शेयर अपने छोटे भाई के बेटे और उनकी पत्नी के नाम करवाए थे। इसके बदले में 5 करोड़ रुपये देने का वादा किया गया था, लेकिन शेयर ट्रांसफर के बाद भुगतान नहीं किया गया।

इस शिकायत के आधार पर 17 सितंबर 2022 को भीलवाड़ा के करेड़ा थाने में धोखाधड़ी और चोरी का मामला दर्ज किया गया था। परमेश्वर जोशी ने अपनी याचिका में दावा किया था कि मामले में प्रभावशाली लोगों की संलिप्तता के कारण निष्पक्ष जांच संभव नहीं है। उन्होंने जोधपुर हाईकोर्ट में इस मामले की जांच सीबीआई को सौंपने की मांग की थी। जोधपुर हाईकोर्ट के न्यायाधीश फरजंद अली ने उनकी याचिका को स्वीकार करते हुए सीबीआई जांच के आदेश दिए थे।

हाईकोर्ट के आदेश पर उठे सवाल

हाईकोर्ट के इस आदेश को राज्य सरकार और अन्य पक्षों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। इसके बाद हाईकोर्ट ने अपने ही आदेश को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू की, जिसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट के इस कदम को गलत ठहराते हुए कहा कि आपराधिक अदालतें अपने फैसलों की समीक्षा नहीं कर सकतीं।

सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि आपराधिक प्रक्रिया संहिता में किसी भी आपराधिक अदालत को अपने आदेशों की समीक्षा करने का अधिकार नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि केवल लिपिकीय गलतियों को ठीक किया जा सकता है, लेकिन फैसले को बदला या वापस नहीं लिया जा सकता।

अदालत ने यह भी कहा कि यदि किसी शिकायतकर्ता की याचिका पहले खारिज हो चुकी है, तो वह उसी मांग के साथ बार-बार याचिका दाखिल नहीं कर सकता। ऐसा करना न्यायिक प्रक्रिया का दुरुपयोग माना जाएगा। इसके साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान हाईकोर्ट के सीबीआई जांच के आदेश को रद्द कर दिया। इस फैसले से रामलाल जाट और अन्य आरोपियों को बड़ी राहत मिली है।

माइनिंग कारोबारी का पक्ष

मामले के शिकायतकर्ता राजसमंद के गढ़बोर निवासी परमेश्वर जोशी ने अपनी शिकायत में बताया था कि वे करेड़ा के रघुनाथपुरा में मैसर्स अरावली ग्रेनि मार्मो प्राइवेट लिमिटेड नामक कंपनी के माध्यम से ग्रेनाइट माइंस का कारोबार करते हैं। वे इस कंपनी में डायरेक्टर और शेयरहोल्डर हैं। कंपनी का रजिस्ट्रेशन श्याम सुंदर गोयल और चंद्रकांत शुक्ला के नाम पर हुआ था।

जोशी ने दावा किया था कि कंपनी के रजिस्ट्रेशन के समय उन्होंने 10 करोड़ रुपये की मांग की थी, जिसके बदले में माइंस के 50 प्रतिशत शेयर उनके और उनकी पत्नी भव्या जोशी के नाम कर दिए गए थे। हालांकि, जोशी का आरोप था कि शेयर ट्रांसफर के बाद भी उन्हें वादा किया गया 5 करोड़ रुपये का भुगतान नहीं किया गया, जिसके बाद उन्होंने धोखाधड़ी और चोरी का मामला दर्ज कराया।

कांग्रेस ने ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी, जहां घोटाले नहीं किए: किरोड़ीलाल

दौसा, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने भजनलाल सरकार के विकास कार्य गिनाने के साथ कांग्रेस को जमकर आड़े हाथों लिया।आत्मनिर्भर भारत अभियान को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में किरोड़ी मीना ने कहा कि कांग्रेस ने आकाश से लेकर पाताल तक ऐसी कोई जगह नहीं छोड़ी, जहां घोटाले नहीं किए। भाजपा की सरकार में एक भी दाग नहीं लगा है।

उन्होंने कहा कि एसएमएस में आग लगने के बाद कांग्रेस के नेता फोटो खिंचवाने चले गए, जबकि उनकी समय में ही आईसीयू व उपकरण घटिया लगे हुए थे। नकली खाद-बीज पकडने की कार्रवाई पर ही कांग्रेस सवाल उठाकर किसानों के विरोध में खड़ी है। कफ सिरप से मौत के मामले में डॉ. किरोड़ी ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है, इस पर कठोर कार्रवाई होगी। साथ ही कृषि मंत्री ने कहा कि एमएसपी पर खरीद दस दिन में चालू हो जाएगी, केन्द्र सरकार से परमिशन आने वाली है।

पीएम मोदी की तारीफ में गढ़े कसीदे

आत्मनिर्भर भारत अभियान को लेकर मंत्री ने कहा कि भारत को विश्व की तीसरी आर्थिक ताकत बनाने का प्रधानमंत्री मोदी का सपना है। अमेरिका जैसे देश ने 25 से ट्रैरिफ को 50 प्रतिशत कर दिया। देश की आर्थिक स्थिति को डामाडोल करने की कोशिश की है, लेकिन भारत पर इसका कोई फर्क नहीं पड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी जीएसटी को गब्बर सिंह टैक्स कहते थे, लेकिन आज सभी टैक्स को एक जगह कर इंस्पेक्टर राज को खत्म कर दिया गया और लोगों को महंगाई से राहत मिली। प्रधानमंत्री ने स्वदेशी को बढ़ावा दिया है।

परसादीलाल मीना के बयान पर किरोड़ी ने ये कहा

पूर्व मंत्री परसादीलाल मीना के बयान को लेकर डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने कहा कि यह सही है कि उन्होंने चुनाव में मदद की थी, लेकिन तब वे पार्टी में नहीं थे। परसादी ने सांसद के टिकट के लिए भी कहा था, लेकिन वे संघ की विचारधारा के हैं, इसलिए लेना उचित नहीं समझा।

खाद वितरण का लिया जायजा

कृषि मंत्री ने क्रय-विक्रय सहकारी समिति पहुंचकर डीएपी वितरण का जायजा लिया। जहां किसानों की भीड़ उनसे खाद दिलाने की मांग करने लगी। इस पर किरोड़ी ने कहा कि वैश्विक कारणों से दिक्कत हुई है, शीघ्र दूर हो जाएगी। दौसा के लिए विशेष रूप से खाद भिजवाया जाएगा।

अंता से नरेश मीणा को नहीं मिला टिकट

सुखजिंदर रंधावा ने ली चुटकी; बोले- ट्विटर पर विधायक पैदा नहीं होते

बीकानेर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान कांग्रेस के प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बीकानेर में नरेश मीणा पर तंज कसते हुए बड़ा बयान दिया। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में कहा कि ट्विटर पर एमएलए पैदा नहीं होते। मेरी गलती हो गई कि मैं नरेश मीणा का ट्वीट नहीं देख पाया। अगर पहले देख लिया होता, तो मैं उनसे मिलने चला जाता।

रंधावा ने कहा कि मैं छोटा आदमी हूं, और वो बहुत बड़े नेता हैं। रंधावा का यह बयान राजस्थान के सियासी हलकों में चर्चा का विषय बन गया है। रंधावा ने यह बयान गोविंद सिंह डोटासरा की मौजूदगी में दिया। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस में टिकट उसी को मिलता है, जो पार्टी के प्रति निष्ठावान हो और सभी को साथ लेकर चलने की क्षमता रखता हो।

कांग्रेस का नरेश मीणा को बड़ा झटका

बताते चलें कि बारां जिले की अंता विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए कांग्रेस ने एक बार फिर अपने दिग्गज नेता प्रमोद जैन भाया को उम्मीदवार घोषित किया है। बता दें, यह चुनाव न केवल भाया की राजनीतिक वापसी का अवसर है, बल्कि कांग्रेस के लिए 2023 की हार को उलटने का मौका भी है। दूसरी ओर, बीजेपी इस सीट को बचाने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा रही है।

पाकिस्तान से बाड़मेर क्यों आए कंजी भील और चमाल? बीएसएफ की पूछताछ

बाड़मेर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के एक हिंदू व्यक्ति और उसके सात साल के बेटे ने बाड़मेर जिले के पास भारतीय सीमा पार कर भारत में शरण ली। उसने अपनी सुरक्षा और धार्मिक उत्पीड़न से बचने की इच्छा जताते हुए यह कदम उठाया। दोनों की पहचान कंजी भील (47) और उसके बेटे चमाल (7) के रूप में हुई है।

बीएसएफ (बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स) के जवानों ने उन्हें जंपलिया सीमा चौकी के पास पाकिस्तान की ओर से प्रवेश करते हुए देखा और तुरंत रोक लिया। दोनों को पकड़ने के बाद कंजी भील ने अपनी समस्या बताई और यह स्पष्ट किया कि वह पाकिस्तान लौटना नहीं चाहता। उसने कहा कि उसकी पत्नी और दो अन्य बच्चे अभी भी पाकिस्तान में हैं, जबकि वह और उसका बेटा भारत आकर अपने रिश्तेदार के पास रहना चाहते हैं।

कंजी भी का कहना था कि उसका उद्देश्य अपने बेटे के भविष्य और अपनी सुरक्षा के लिए भारत में स्थाई रूप से रहना है। उसने बताया कि उसका इरादा बाड़मेर जिले के सोमरार गांव में अपने चचेरे बहन के घर जाने का था।

बीएसएफ ने उसकी बात की पुष्टि के लिए गांव के सरपंच से संपर्क किया, जिन्होंने बताया कि कंजी की चचेरी बहन पहले इस गांव में रहती थी। लेकिन उसकी मृत्यु कई साल पहले हो चुकी है। इसके बावजूद कंजी ने भारत में रहने की अपनी इच्छा व्यक्त की।

बीएसएफ सूत्रों ने बताया, कंजी और उनके बेटे का मुख्य उद्देश्य पाकिस्तान में हिंदुओं पर होने वाले धार्मिक भेदभाव और उत्पीड़न से बचना था। दोनों को जब हिरासत में लिया गया, तब उनकी जांच की गई और यह सुनिश्चित किया गया कि उनके पास कोई अवैध या आपत्तिजनक वस्तु न हो।

इसके बाद बीएसएफ ने दोनों को बाड़मेर के सेदवा पुलिस थाने के हवाले कर दिया। उन्हें जोधपुर के इंटरोंगेशन सेंटर में जांच के लिए भेजा जाएगा। जहां खुफिया एजेंसियां उनकी स्थिति का पूरी तरह से मूल्यांकन करेंगी।

चांदी के कड़े लूटने के लिए काट डाले दोनों पैर

महिला को मजदूरी के बहाने लाया था आरोपी

सवाई माधोपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के गंगापुर सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के गंगा जी की कोठी गांव में एक महिला के दोनों पैर काटकर चांदी के कड़े लूटने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है के एक शख्स महिला को मजदूरी करवाने के नाम पर गंगापुर सिटी लाया था। घायल महिला की पहचान कमला देवी, निवासी सीतोड़ गांव बामनवास के रूप में हुई है।

सूत्रों के अनुसार आरोपी ने महिला के दोनों पैर काट दिए और उसके चांदी के कड़े लूट लिए। गंभीर रूप से घायल महिला को पहले स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में गंभीर हालत के चलते उसे जयपुर रैफर कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, उदेई मोड़ पुलिस और सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और साक्ष्य जुटाने में लगी है। पुलिस के अनुसार कुछ ऐसे लोगों के नाम सामने आ रहे हैं जिन्होंने महिला को मजदूरी के लिए लाने में भूमिका निभाई थी। पूरे मामले की तफ्तीश जारी है।

फर्जी मार्कशीट से नौकरी हासिल करने वाली महिला अभ्यर्थी गिरफ्तार

अजमेर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। दसवीं की फर्जी मार्कशीट के आधार पर डाक विभाग की जीडीएस भर्ती में चयनित महिला अभ्यर्थी उच्चतम न्यायालय के आदेश पर सदर कोतवाली थाने में एक साल से लम्बित प्रकरण में हाजिर हुई। पुलिस ने आरोपी महिला को प्रकरण में गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसको न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

थानाप्रभारी धर्मवीरसिंह ने बताया कि जनवरी 2024 में दर्ज कूटरचित दस्तावेज से धोखाधड़ी के मामले में उच्चतम न्यायालय के आदेश की पालना में 7 अक्टूबर को कोटपुतली, बहरोड़ बर्डोद निवासी अंजू सैनी पत्नी संजय सैनी थाने में उपस्थित हुई। पुलिस ने प्रकरण में फरार चल रही अंजू को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

जहां से उसको न्यायिक अभिरक्षा में भेजने के आदेश दिए। उच्चतम न्यायालय ने 25 अगस्त 2025 को अंजू को 4 सप्ताह में प्रकरण के अनुसंधान अधिकारी के समक्ष पेश होने के आदेश दिए। आदेश की पालना में अंजू 7 अक्टूबर को अपने अधिवक्ता के साथ पेश हुई। जहां पुलिस ने उसको गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार मुख्य डाकघर अजमेर के जन सम्पर्क निरीक्षक अनुपम राठौड़ ने जनवरी 2024 में रिपोर्ट दी कि अलवर के बहरोड बर्डोद निवासी अंजू सैनी पत्नी संजय सैनी ने 10वीं की फर्जी अंकतालिका के आधार पर डाक विभाग की जीडीएस भर्ती 2023-अनुसूची जुलाई द्वितीय 2023 में आवेदन किया। राजस्थान परिमंडल के चुने गए अभ्यर्थियों की प्रथम सूची में अंजू सैनी की सहायक शाखा पोस्टमास्टर बरना के पद पर नियुक्ति हुई। नियुक्ति प्रकरण के प्रथम चरण के दस्तावेज सत्यापन के लिए अंजू 15 सितम्बर 2023 को उपस्थित हुई।

अंजू ने भारतीय विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा परिषद, नई दिल्ली बोर्ड की ओर से जारी 10वीं की मार्कशीट की फोटोप्रति पेश की। डाक विभाग ने सत्यापन के लिए उसे दिल्ली बोर्ड में भेजा। दिल्ली बोर्ड ने 26 अक्टूबर 2023 को भेजे गए पत्र के जवाब में 11 दिसम्बर 023 को स्पीड पोस्ट के माध्यम से सूचना दी कि अभ्यर्थी की अंकतालिका बोर्ड की ओर से जारी नहीं की गई है। बोर्ड के सक्षम अधिकारी ने मार्कशीट को झूठी करार दिया। रिपोर्ट पर सदर कोतवाली थाना पुलिस ने कूटरचित दस्तावेज से नौकरी हासिल करने का प्रयास का मुकदमा दर्ज किया।

बागोड़ा थाने का एएसआई रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार

एसीबी ने मौके से बरामद किए 50 हजार रुपये

जालौर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने जालौर में बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस थाना बागोड़ा के सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) कल्याण सिंह को 50 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

एसीबी मुख्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शिकायतकर्ता ने ब्यूरो को जानकारी दी थी कि आरोपी एएसआई उसके रिश्तेदार से संबंधित एक प्रकरण में दो व्यक्तियों का चालान नहीं करने और मामले में मदद करने की एवज में 65,000 की रिश्वत की मांग कर रहा था। इसमें से पहले ही 15,000 की राशि ले भी चुका था, जबकि शेष 50,000 की मांग जारी थी।

शिकायत की पुष्टि के बाद एसीबी जोधपुर रेंज के डीआईजी भुवन भूषण यादव के सुपरविजन में और एएसपी मांगीलाल राठौड़ के नेतृत्व में टीम गठित की गई। ट्रैप कार्रवाई के दौरान आरोपी एएसआई को शिकायतकर्ता से रिश्वत की राशि लेते हुए स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। टीम ने मौके से पूरे 50,000 रुपये बरामद कर लिए।

एसीबी की अतिरिक्त महानिदेशक स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आगे की पूछताछ और जांच जारी है। सूत्रों के अनुसार एसीबी अब आरोपी के बैंक खातों और संपत्ति की जांच करेगी ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने रिश्वतखोरी से और कितनी अवैध संपत्ति अर्जित की है।

डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 23.56 लाख की महाठगी

साइबर पुलिस ने गिरोह के एक सदस्य को दबोचा

जयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। साइबर थाना पुलिस ने डिजिटल अरेस्ट के नाम पर एक 75 वर्षीय बुजुर्ग से 23.56 लाख रुपये की बड़ी ठगी करने वाले संगठित गिरोह के एक और सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जयपुर में फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर की गई ठगी के मामले में की गई है।

डीआईजी साइबर क्राइम विकास शर्मा ने बताया कि 27 मई को जयपुर निवासी परिवादी ने साइबर थाना राजस्थान में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जालसाजों ने उन्हें मोबाइल फोन पर फर्जी पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर डिजिटल अरेस्ट करने की धमकी दी और उनसे 23,56,000 रुपये की साइबर ठगी की गई।

इस मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की और पूर्व में सुरेश कुमार, प्रहलाद कुमावत, ओमप्रकाश, भूपेश, वशुल सन्नी कुमार और रेहान मकन्दर को गिरफ्तार किया था।

अनुसंधान के दौरान पुलिस ने ठगी की गई राशि के लाभार्थियों पर ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान प्रथम लाभान्वित खाताधारक सुरेश उर्फ सुरेंद्र के खाते में प्राप्त कुल 23,56,000/- रुपये की राशि की जांच की गई। जांच में एक बाल अपचारी को निरुद्ध किया गया, जिसके खाते में इस ठगी की 89,335 की राशि प्राप्त हुई थी। इस बाल अपचारी के खाते में अन्य पीड़ितों की ठगी के 9,58,350 भी आना पाया गया।

बाल अपचारी ने पूछताछ में बताया कि उसने अपना बैंक खाता, एटीएम और मोबाइल सिम साइबर ठगी के गिरोह के सदस्य कमलेश कुमार सेरावत पुत्र नारायण लाल (22) निवासी मुन्या वाली ढाणी, भोपावास, सामोद, जयपुर को 4,000 के कमीशन पर दिया था।

गांजे के छोटे पैकेट बनाकर शहर भर में कर रहे थे सप्लाई

चार किलो गांजे के साथ युवक हिरासत में

उदयपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर में अंबामाता पुलिस और डीएसटी ने 4 किलो गांजे और धारदार हथियारों के साथ दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी गांजे को छोटे-छोटे पैकेटों में भरकर शहर के अलग-अलग इलाकों में बेचते थे। आरोपी जिस युवक से ये गांजा खरीदते थे, उसकी तलाश की जा रही है।

अम्बामाता थानाधिकारी मुकेश सोनी ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने सज्जन नगर निवासी निर्भय सिंह और अभय सिंह को हिरासत में लिया। दोनों के कब्जे से कुल 4 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा और मादक पदार्थों की तस्करी में इस्तेमाल किए जा रहे दो धारदार चाकू बरामद किए गए हैं।

पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने चौंकाने वाला खुलासा किया। उन्होंने बताया कि यह अवैध गांजा उन्होंने कोटड़ा निवासी मुस्तकीम से खरीदा था और वे गांजे को छोटे-छोटे पैकेट में बांटकर शहर के विभिन्न इलाकों में बेच रहे थे।

पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों से इस रैकेट में शामिल अन्य लोगों और गांजा सप्लाई करने वाले आरोपी से पूछताछ की जा रही है। इस कार्रवाई से शहर में मादक पदार्थों के अवैध कारोबार पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी।

बंद पड़े मकान के टैंक में मिली महिला की लाश, इलाके में सनसनी, पुलिस जांच में जुटी

अजमेर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के सदर कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार सुबह उस समय सनसनी फैल गई जब नगर निगम के कांजी हाउस गोदाम के पास स्थित एक पुराने बंद पड़े मकान के पानी के टैंक में एक महिला का शव मिला। महिला का आधा शरीर पानी में डूबा हुआ था और वह अर्धनग्न अवस्था में थी। इसके बाद स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई और उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। कोतवाली थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को जवाहरलाल नेहरू अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया।

घटनास्थल के पास शराब का ठेका होने से मामला और अधिक संदिग्ध हो गया है। पुलिस के पहुंचने तक बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ मौके पर जमा हो गई थी। प्रारंभिक जांच में यह पता चला है कि मृतका अक्सर इस इलाके में देखी जाती थी और आसपास के लोग उसे भलीभांति पहचानते थे।

पास स्थित शराब दुकान के संचालक भैरों सिंह ने बताया कि मृतका रोजाना उनकी दुकान पर शराब लेने आती थी। उसे ठेके के पास देखा गया था। भैरों सिंह के अनुसार महिला आदतन शराबी थी और खानाबदोश की तरह जीवन व्यतीत करती थी। गुरुवार सुबह जब स्थानीय लोग नगर निगम के गोदाम के पास से गुजरे, तो टैंक में महिला का शव देखकर हड़कंप मच गया। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई, जिसके बाद कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। कोतवाली थाना पुलिस के एएसआई बदरू सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में मृतका की उम्र लगभग 35 वर्ष बताई जा रही है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि महिला की मौत हादसे से हुई है या उसके साथ किसी प्रकार की अनहोनी वारदात हुई है। पुलिस ने आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है ताकि महिला के आखिरी समय की गतिविधियों का पता लगाया जा सके।

महिला की अर्धनग्न अवस्था और बंद पड़े मकान में शव मिलने से पुलिस भी मामले को गंभीर और संदिग्ध मान रही है। प्रारंभिक तौर पर हत्या या दुष्कर्म जैसी संभावना से भी इंकार नहीं किया जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो पाएगा। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है और महिला की पहचान तथा उसकी पृष्ठभूमि की जानकारी जुटाने का प्रयास किया जा रहा है।

तेलुगु छात्र अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के बजाय वैकल्पिक देशों की ओर

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा जैसी पारंपरिक उच्च शिक्षा गंतवियों द्वारा सख्त वीजा नीतियां लागू करने और बढ़ती लागत के कारण, भारतीय छात्र, विशेष रूप से तेलुगु भाषी राज्यों से, अब न्यूजीलैंड, जर्मनी, इटली और अन्य वैकल्पिक देशों की ओर देख रहे हैं।

अमेरिका में हाल ही में एच1बी वीजा शुल्क बढ़ना, छात्रों के नामांकन को सीमित करना और वीज़ा जारी करने की दर घटाना छात्रों में चिंता पैदा कर रहा है। ब्रिटेन में उच्च मुद्रास्फीति और कड़े आव्रजन नियम भी शिक्षा और जीवनयापन की लागत बढ़ा रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप कई छात्र अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा में पढ़ाई की अपनी योजनाओं पर पुनर्विचार कर रहे हैं।

न्यूजीलैंड ने नए नियम लागू किए हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय छात्र विश्वविद्यालय की छुट्टियों में पूर्णकालिक और सेमेस्टर के दौरान अंशकालिक काम कर सकते हैं। जर्मनी में भारतीय छात्रों की संख्या 2016 में 4.4 लाख से बढ़कर 2023 में 14 लाख से अधिक हो गई है, और सरकार अल्पकालिक शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए मुफ्त वीजा भी प्रदान कर रही है।

विदेशी शिक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, छात्र अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पढ़ाई के बाद नौकरी के अवसर, किफायती विकल्प और सुरक्षा को देखते हुए न्यूजीलैंड, जर्मनी, मलेशिया, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे देशों को प्राथमिकता दे रहे हैं। पूर्वी यूरोपीय देशों जैसे पोलैंड, सर्बिया, स्लोवाकिया और रोमानिया ने भी चिकित्सा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं।

बिजली के जाल से खेत मजदूर की मौत

जगतियाल, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एंदापल्ली मंडल के मारेडुपल्ली में एक खेत मजदूर बिंगी सतीश (35) की मौत बिजली के जाल में फंसने से हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, कोटा कनकैया नामक किसान ने जंगली सूअरों से फसल की सुरक्षा के लिए अपने खेत के चारों ओर बिजली के तार लगाए थे। सतीश खेत में कीटनाशक छिड़कने गए और भूलकर बिजली के तारों के संपर्क में आ गए, जिससे उन्हें तुरंत बिजली का झटका लगा और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी।

सांसद ईटेला राजेंद्र ने औद्योगिक क्लस्टर निर्माण का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मलकाजगिरी के सांसद ईटेला राजेंद्र ने आज मेडचल-मलकाजगिरी जिले के गीतानगर में नवजीवन नगर माइक्रो इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के बालानगर इंजीनियरिंग क्लस्टर प्रशासन भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर, भाजपा सांसद ने कहा कि राज्य और केंद्र दोनों सरकारें रोजगार सृजन के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने याद दिलाया कि अतीत में, केंद्र ने हमेशा राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं का समर्थन किया है, भले ही उसने सीधे तौर पर ऐसे कार्यक्रम शुरू नहीं किए हों। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जिन्होंने एक साधारण पृष्ठभूमि से शुरूआत की थी, ने कई कल्याणकारी और रोजगारोन्मुखी योजनाएं शुरू की हैं। उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने 2024-25 के बजट में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों में रोजगार सृजन के लिए 4 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए हैं।

भारत की जनसांख्यिकीय बढ़त पर प्रकाश डालते हुए, राजेंद्र ने कहा, भारत में दुनिया की सबसे ज़्यादा युवा शक्ति है। युवाओं की भागीदारी के बिना कोई भी राज्य या देश प्रगति नहीं कर सकता। कभी 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था रहा भारत अब चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। सांसद ने क्षेत्र के उद्योगपतियों को शुभकामनाएं दीं और आशा व्यक्त की कि वे और अधिक विकास और सफलता प्राप्त करेंगे। विधायक मल्लारेड्डी, एमएसएमई के संयुक्त निदेशक शिव शेषगिरी राव और कई अन्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

अगस्त 2027 तक पटरियों पर दौड़ने लगेगी बुलेट ट्रेन

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का दावा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि अगस्त 2027 तक देश की पहली बुलेट ट्रेन पटरियों पर दौड़ने लगेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए काम पूरी गति से चल रहा है और जल्द ही इसके पूरा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में केवल गुजरात में 2764 किलोमीटर का रेलवे ट्रैक बिछाया गया है। रेलवे ने गुजरात में भारी निवेश किया है। 86 नए रेलवे स्टेशन को बनाया जा रहा है और 332 फ्लाईओवर और अंडरपास बनाये जा रहे हैं।

इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि गुजरात ने जिस तरह की शानदार प्रगति की है, वह पूरी दुनिया में अध्ययन का विषय बन गई है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजनरी नेतृत्व को धन्यवाद देना चाहिए।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस (वीजीआरसी) में देश और दुनिया के निवेशकों को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि राज्य के औद्योगिक इकाइयों को गति देने के लिए फ्रेट कॉरोडोर में प्रतिदिन लगभग 400 ट्रेन चल रही हैं। 31 प्रोजेक्ट्स की डीपीआर बन रही है और इनके माध्यम से गुजरात में भारी निवेश होगा। इससे गुजरात के रेलवे ट्रैक को और अधिक मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जल्द ही गुजरात के बने सेमीकंडक्टर पूरे दुनिया में उपयोग किये जायेंगे। इस क्षेत्र में 1.25 लाख करोड़ रुपये का निवेश हो चुका है, जबकि जापान की कई बड़ी कंपनियां इस क्षेत्र में काम कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हमें क्वालिटी को लेकर और अधिक जागरूकता चाहिए। इससे हमें कई अन्य क्षेत्रों में विकास करने में मदद मिलेगी। केवल इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र में चार लाख करोड़ रुपये का निर्यात होने लगा है। उन्होंने कहा कि वे गुजरात के नेताओं से इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में विशेष ध्यान देकर विकास करने का अनुरोध करेंगे। दुनिया में इसकी बढ़ती मांग को देखते हुए भारत इसका बेहतर लाभ उठा सकता है। बिना नाम लिए अमेरिका सरकार पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। दुनिया के कई देश स्थापित मान्यताओं से अलग हटकर निर्णय ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थिति में हमें बड़ी लकीर खींचनी होगी। उन्होंने कहा कि यदि भारत को विकसित बनाना है तो इसमें विकसित गुजरात की प्रमुख भूमिका रहने वाली है।

वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस से राज्य के उत्तरी हिस्से को विकास के क्षेत्र में नई गति मिलने की उम्मीद है। कॉन्फ्रेंस में पार्टनर देशों जापान, दक्षिण कोरिया और वियतनाम से इस क्षेत्र में निवेश को लेकर संभावनाएं बढ़ी हैं। इन देशों के कई उद्योगपतियों ने यहां निवेश की संभावनाओं को लेकर सकारात्मक रुख दिखाया है। अडाणी ग्रुप के साथ साथ कई भारतीय उद्योगपतियों ने भी उत्तर गुजरात में निवेश को लेकर रुचि दिखाई है। वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस में जापान के भारत में राजदूत ने गुजराती भाषा में बोलकर लोगों का दिल जीत लिया। उनके संबोधन के दौरान लोगों ने बार-बार तालियां बजाकर उनका स्वागत किया।

पुराने शहर के व्यापारियों को लगातार बारिश से भारी नुकसान

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में पखवाड़े से अधिक समय से हो रही लगातार बारिश ने पुराने शहर के व्यापारियों के कारोबार को प्रभावित किया है। चारमीनार के आसपास 2 किलोमीटर के क्षेत्र में 10,000 से ज्यादा व्यापारी मोती, सोने के आभूषण, कपड़े, चूड़ियां, जूते और हस्तशिल्प जैसी वस्तुओं का व्यापार करते हैं। व्यापारियों का कहना है कि बारिश और पानी के तेज बहाव के वीडियो के प्रसार के कारण घरेलू पर्यटक शहर से दूर रहे। लाड बाजार और अन्य प्रमुख बाजारों में दशहरा की छुट्टियों के दौरान आमतौर पर भारी भीड़ रहती है, लेकिन इस बार पर्यटक और स्थानीय ग्राहक कम आए। इससे व्यापारी कर्मचारियों के वेतन, बिजली के बिल और दुकानों के किराए चुकाने में मुश्किलों का सामना कर रहे हैं। आने वाले दो हफ्ते में और भारी बारिश का अनुमान है, जिससे व्यापारियों को और नुकसान का डर है। कई व्यापारियों ने कहा कि उन्होंने त्योहारों के मौसम के लिए नया स्टॉक मंगवाने में भी रोक लगा दी है।

सुल्तान शाही में पार्सल डिलीवरी बॉय पर हमला, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुगलपुरा पुलिस ने दो दिन पहले सुल्तान शाही में एक पार्सल डिलीवरी बॉय पर हमला करने के आरोप में किशन और उनके बेटे अर्जुन को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, तल्लाबकट्टा निवासी नदीम कुरैशी मंगलवार शाम एक ग्राहक को पार्सल देने गए थे।

ग्राहक का इंतजार करते समय, दोनों आरोपी उनके घर के पास खड़े होने को लेकर उनसे विवाद करने लगे और फिर उन पर हमला कर दिया, जिससे नदीम घायल हो गए। पीड़ित की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

टीजी आईसीईटी 2025 में 7,500 एमबीए और एमसीए सीटें खाली

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटीग्रेटेड कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीजी आईसीईटी) 2025 के तीन राउंड काउंसलिंग के बाद भी राज्य में लगभग 7,500 एमबीए और एमसीए सीटें खाली रह गई हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग ने टीजी आईसीईटी विशेष चरण काउंसलिंग में भाग लेने वाले छात्रों के लिए सीट आवंटन जारी किया। कुल 37,860 सीटों में से 30,371 सीटें आवंटित की गईं, जबकि 7,489 सीटें खाली रहीं। इनमें 4,844 एमबीए और 2,645 एमसीए सीटें शामिल हैं।

केवल निजी कॉलेजों में ही नहीं, बल्कि विश्वविद्यालय कॉलेजों में भी कई सीटें खाली रहीं। 20 विश्वविद्यालय कॉलेजों में एमबीए की 133 सीटों और 17 विश्वविद्यालय कॉलेजों में एमसीए की 228 सीटें खाली रह गईं। कुल मिलाकर, 72 कॉलेजों को 100 प्रतिशत सीटें आवंटित की गई हैं। अनंतिम सीट आवंटन आदेश प्राप्त छात्रों को 13 अक्टूबर तक वेबसाइट पर ऑनलाइन रिपोर्ट करना और भुगतान करना होगा, अन्यथा उनका आदेश स्वतः रद्द हो जाएगा।

आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की तबीयत बिगड़ी

जोधपुर, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। जोधपुर अपने ही गुरुकुल की नाबालिग छात्रा के साथ यौन शोषण के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम की गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ गई। सूत्रों के अनुसार, जोधपुर सेंट्रल जेल में उन्हें अचानक सांस लेने में तकलीफ होने लगी, जिसके बाद जेल प्रशासन ने तत्काल उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल आरोग्यम में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार, आसाराम पिछले कुछ समय से कई बीमारियों से ग्रसित है और उसे अक्सर सांस लेने में दिक्कत होती है। जेल प्रशासन की ओर से बताया गया कि मेडिकल टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। फिलहाल सूत्रों से मिली जानकारी सामने आया है कि उनकी हालत गंभीर है। गौरतलब है कि आसाराम को 2018 में जोधपुर की विशेष पॉक्सो अदालत ने एक नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

बंद पडे नालों को साफ कराया गया

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आज जामबाग मंडल के पार्षद राकेश जायसवाल ने अधिकारियों को भाजपा प्रदेश कार्यालय और कट्टेलमंडी तथा इस्कॉन मंदिर के पास स्थित 2 बीएचके घरों के पास बंद पड़े नालों से लोग काफी दिनों से परेशान थे। इसकी शिकायत मिलने पर पार्षद राकेश जायसवाल ने अधिकारियों से बातचीत कर इस समस्या को हल करने के लिए कहा। उनके निर्देशों पर अमल करते हुए अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और बंद पडे नालों की रुकावटों को सफलतापूर्वक साफ किया गया। उनकी इस पहल पर नागरिकों ने राहत की सांस ली है। इस अवसर पर भाजपा नेता कृष्णा अन्ना, जल कार्य प्रबंधक कुल शेखर, रघु कांबले और अन्य भाजपा नेता भी उपस्थित थे।

आरक्षण में बाधा डालने के लिए बीआरएस और भाजपा जिम्मेदार : जूपल्ली

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार के मंत्री जूपल्ली कृष्ण राव ने बीआरएस और भाजपा पर तेलंगाना में पिछड़ी जातियों के लिए 42 प्रतिशत आरक्षण के कार्यान्वयन में बाधा डालने का आरोप लगाया। तेलंगाना उच्च न्यायालय में पत्रकारों से बात करते हुए, उन्होंने कहा कि केंद्र में भाजपा ने पिछड़ी जातियों के आरक्षण विधेयक को मंजूरी देने में देरी की, जबकि बीआरएस ने इसके खिलाफ उच्च न्यायालय में मामले दायर किए। राव ने 42 प्रतिशत आरक्षण देने की कांग्रेस सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि पिछड़ा वर्ग समुदाय बीआरएस और भाजपा नेताओं को जवाबदेह ठहराएगा। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के दृष्टिकोण के अनुरूप, वैज्ञानिक और व्यापक पिछड़ा वर्ग जाति जनगणना पूरी कर ली है।

आईसीएआर-क्रीडा में वृक्षारोपण अभियान

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वच्छता को संस्थागत बनाने के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विशेष अभियान 5.0 2 अक्टूबर से शुरू किया गया है जो 31 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

इसके अंतर्गत, भाकृअनुप-केंद्रीय शुष्कभूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (क्रीडा), के कर्मचारियों ने 9 अक्टूबर को क्रीडा परिसर में आयोजित पौधारोपण अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह कार्यक्रम राष्ट्रव्यापी पहल एक पेड़ माँ के नाम के तहत आयोजित किया गया था, जिसका उद्देश्य लोगों को अपनी माताओं के सम्मान में पेड़ लगाने और उनकी देखभाल करने के लिए प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाना और वृक्षारोपण के माध्यम से मातृत्व का सम्मान करना था। अभियान के दौरान, कर्मचारियों ने सामूहिक रूप से विभिन्न प्रकार के पौधे लगाए, जिससे पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता के प्रति सीआरआईडीए की प्रतिबद्धता और भी पुष्ट हुई।

एससी-एसटी छात्रों और अभिभावकों ने बीएएसएस योजना की बहाली की मांग

सूर्यापेट, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) समुदायों के छात्रों और उनके माता-पिता ने गुरुवार को सूर्यापेट कलेक्ट्रेट के सामने धरना दिया और सर्वश्रेष्ठ उपलब्ध स्कूल योजना (बीएएसएस) की तत्काल बहाली की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने तेलंगाना सरकार के उस फैसले पर नाराजगी जताई, जिसके तहत निजी स्कूलों में नामांकित गरीब छात्रों की फीस प्रतिपूर्ति बंद कर दी गई है।

आरटीआई अधिनियम पर युवाओं का सशक्तिकरण सत्र आयोजित

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य उच्च शिक्षा परिषद के अध्यक्ष प्रो.वी. बालाकिस्ता रेड्डी ने एमएलआर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आरटीआई अधिनियम- 2005 पर युवाओं का सशक्तिकरण नामक जागरूकता कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया।

कार्यक्रम में चेयरमैन मर्री लक्ष्मण रेड्डी, प्रिंसिपल डॉ.के. श्रीनिवास राव और एनएसएस प्रेरक वक्ता डॉ.एस. रवि तेजा ने उद्घाटन में भाग लिया। प्रो. रेड्डी ने सूचना के अधिकार (आरटीआई) अधिनियम की पारदर्शिता, जवाबदेही और सक्रिय नागरिकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया और कहा कि युवाओं को भारतीय संविधान और न्यायपालिका की समझ होना चाहिए ताकि वे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का प्रभावी प्रयोग कर सकें। इस सत्र में डीन डॉ.वी. राधिका देवी, विभागाध्यक्ष, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी श्री एन. उदय रंजन गौड़, संकाय सदस्य और 1,000 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

भारी बारिश और यूरिया की कमी से कपास किसानों को नुकसान का डर

खम्मम, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। खम्मम जिले के कपास किसान 88इस मौसम में लगातार भारी बारिश और यूरिया की कमी के कारण फसल खराब होने की आशंका का सामना कर रहे हैं। लंबे समय तक जलभराव और फूल आने के दौरान हुई बारिश ने फसल की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। कृषि अधिकारियों के अनुसार, कोत्तागुडेम में 1.72 लाख एकड़ और खम्मम में 2.25 लाख एकड़ में कपास की खेती की गई है। अधिकारी उम्मीद जताते हैं कि उपज में प्रति एकड़ एक या दो क्विंटल का अंतर आ सकता है, जो मुख्य रूप से निचले इलाकों तक सीमित रहेगा। हालांकि, तेलंगाना रैतु संघम के जिला सचिव बोंथु रामबाबू का कहना है कि उपज में प्रति एकड़ 50 से 60 प्रतिशत तक गिरावट हो सकती है। कई क्षेत्रों में फसल कटाई से पहले ही बह गई। कपास की कटाई में मजदूरों को 15 से 17 रुपये प्रति किलो देना पड़ता है। तीन क्विंटल कपास की कटाई पर लगभग 5,000 रुपये खर्च होते हैं, जो सुखने के बाद घटकर दो क्विंटल रह जाती है। इससे किसानों की प्रभावी कमाई केवल 3,000 रुपये रह जाती है। किसानों ने भारतीय कपास निगम से न्यूनतम नमी सीमा को आठ प्रतिशत से बढ़ाकर 20-25 प्रतिशत करने की मांग की है।

गर्भवती महिला को कीचड़ भरी सड़क पर पैदल चलकर एम्बुलेंस तक जाना पड़ा

संगारेड्डी, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांगटी मंडल के आदिवासी थांडा में उचित सड़क संपर्क न होने के कारण निकिता भाई नाम की गर्भवती महिला को बुधवार को एम्बुलेंस तक पहुंचने के लिए लगभग डेढ़ किलोमीटर की कीचड़ भरी सड़क पैदल चलनी पड़ी। पिछले दो महीनों की भारी बारिश के कारण कांगटी-पिटलम मार्ग से वाच्यु नायक थांडा को जोड़ने वाली सड़क पूरी तरह कीचड़युक्त हो गई थी। निकिता को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर उनके परिवार ने 108 एम्बुलेंस सेवा को फोन किया, लेकिन सड़क की खराब स्थिति के कारण एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच सकी।

सिद्दीपेट पुलिस आयुक्त ने नशा मुक्त और सुरक्षित जिला बनाने का रखा लक्ष्य

सिद्दीपेट, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस आयुक्त एसएम विजय कुमार ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता सिद्दीपेट को नशा मुक्त जिला बनाना और असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई करना होगी।

पहली बार मीडिया से बातचीत में, विजय कुमार ने ज़िले में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि पुलिस थानों में स्नेहिता सहायता केंद्र और भरोसा केंद्र स्थापित करके महिलाओं तक मदद पहुंचाई जाएगी। उन्होंने कानून-व्यवस्था बनाए रखने और जुआ गतिविधियों पर कार्रवाई करने की भी चेतावनी दी।

स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारी के संबंध में, उन्होंने कहा कि पुलिस ने संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर ली है। चुनाव की स्वतंत्रता और निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए पांच चौकियां और पूरे जिले में 26 उड़न दस्ते तैनात किए गए हैं, और राजनीतिक दलों, युवाओं और शिक्षित नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है।

राजभाषा पखवाडा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय मात्स्यिकी विकास बोर्ड में राजभाषा पखवाड़ा का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह मनाया गया।

वरिष्ठ कार्यपालक निदेशक और कार्यपालक निदेशक ने इस अवसर पर कहा कि सभी स्टाफ ने विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं में बढ़ चढ़कर भाग लिया, जो उनके हिंदी प्रेम को दर्शाता है। उन्होंने सभी स्टाफ का आह्वान किया कि वे इसी तन्मयता के साथ राजभाषा कार्यान्वयन में भी योगदान करें। अधिक से अधिक पत्राचार हिंदी में करें और हिंदी पत्राचार के लिए भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त ही नहीं बल्कि लक्ष्य से अधिक पत्र व्यवहार हिंदी में करें। कार्यपालक निदेशक ने कहा कि हिंदी दिलों को जोड़ने की सुगम, सरल भाषा है, जो विभिन्न भारतीय भाषाओं के बीच सेतु का काम करती है। राजभाषा पखवाड़ा के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

अग्रणी महिला मंच ने हिमायत नगर कार्यालय में करवा चौथ का उत्सव मनाया। अध्यक्ष सुमन भुवानिया, बबिता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, श्रद्धा सुखिया, रितु गोयल, वंदना पचारिया, संगीता जाजोड़िया, प्रीति गोयल, संतोष अग्रवाल, बृंदा पटेल, अंजना मेहता, राखी एवं अन्य उपस्थित थे।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी रैंकिंग जारी-बुमराह नंबर-1 टेस्ट गेंदबाज

सिराज 12वें स्थान पर:कुलदीप ने 7 स्थान की छलांग लगाई, बैटर्स में जायसवाल को नुकसान

ICC रैंकिंग

भारत के टॉप-5 टेस्ट बॉलर्स

रैंक	खिलाड़ी	पॉइंट्स
1	जसप्रीत बुमराह	885
12	मोहम्मद सिराज	718
17	रवींद्र जडेजा	669
21	कुलदीप यादव	644
47	वॉशिंगटन सुंदर	425

ICC रैंकिंग

भारत के टॉप-5 टेस्ट बैटर्स

रैंक	खिलाड़ी	पॉइंट्स
7	यशस्वी जायसवाल	779
8	ऋषभ पंत	761
13	शुभमन गिल	722
25	रवींद्र जडेजा	644
35	केएल राहुल	606

दुबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। आईसीसी ने अपनी ताजा रैंकिंग जारी की। टेस्ट बॉलर्स की रैंकिंग में मोहम्मद सिराज और कुलदीप यादव जैसे भारतीय गेंदबाजों को फायदा हुआ है, जबकि जसप्रीत बुमराह ने अपनी टॉप पोजिशन कायम रखी है।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले टेस्ट में 7 विकेट लेने वाले मोहम्मद सिराज करियर बेस्ट 12वीं रैंक पर आ गए हैं। उनके 718 रेटिंग पॉइंट्स हैं। स्पिनर कुलदीप यादव को 7 स्थान का फायदा हुआ है। वे 644 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 21वें स्थान पर हैं।

भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल को बैटर्स की रैंकिंग में 2 पायदान का नुकसान हुआ है। वे 779 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 7वें स्थान पर आ गए हैं। जायसवाल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अहमदाबाद में खेली गई इकलौती पारी में 36 रन ही बना सके थे।

एक अन्य भारतीय ओपनर केएल राहुल को 4 स्थानों का फायदा हुआ है। वे 606 अंक के साथ 35वें स्थन पर आ गए हैं। राहुल ने कैरेबियाई टीम के खिलाफ 100 रन की शतकीय पारी खेली थी। नाबाद 104 रन की पारी खेलने वाले रवींद्र जडेजा 644 रेटिंग पॉइंट्स के साथ 25वें स्थान पर आ गए हैं। उन्हें 6 पायदान का फायदा हुआ है। यह जडेजा की करियर बेस्ट रैंकिंग है। इस सूची में भारतीय कप्तान शुभमन गिल 13वें स्थान पर यथावत हैं।

ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में रवींद्र जडेजा में 187 हफ्ते से टॉप पर कायम हैं। उनके 430 रेटिंग पॉइंट्स हैं। रवींद्र जड़ेजा पहली बार 9 मार्च 2022 को दुनिया के नंबर-1 टेस्ट ऑलराउंडर बने थे, जिसमें उन्होंने जेसन होल्डर को पछाड़ा था।

जडेजा के अलावा, वॉशिंगटन सुंदर को 4 स्थान का फायदा हुआ है। वे 11वें स्थान पर आ गए हैं। सुंदर के पास 205 रेटिंग पॉइंट्स हैं। सुंदर ने वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 विकेट झटके थे।

रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड से धमकी

दाऊद के गैंग ने मांगे 5 करोड़, वेस्टइंडीज से जुड़ा कनेक्शन

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी रिंकू सिंह को अंडरवर्ल्ड से धमकी मिलने की खबर है. इस बारे में मुंबई की क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया है. मिली जानकारी के मुताबिक रिंकू सिंह को धमकी देने का काम दाऊद इब्राहिम गैंग का काम है. उन्होंने ही इस साल फरवरी से अप्रैल के बीच रिंकू सिंह की प्रमोशनल टीम को 3 धमकी भरे मैसेज भेजे थे. डी - कंपनी की ओर से मिली धमकी में रिंकू सिंह से 5 करोड़ रुपये की फिरौती मांगी गई है. बहरहाल, अब पुलिस ने इस मामले में 2 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है.

रिंकू सिंह को धमकी, 5 करोड़ की मांगी फिरौती

रिंकू सिंह हाल ही में एशिया कप खेलकर लौटे हैं. उन्हें वहां फाइनल में खेलने का मौका मिला था, जिसमें उन्होंने विजयी रन ठोका था. लेकिन, अब उन्हें लेकर मिली अंडरवर्ल्ड की धमकी जैसी सनसनीखेज खबर से खलबली मच गई है.

रिंकू सिंह को धमकी देने के मामले में पुलिस ने जिन 2 लोगों को गिरफ्तार किया है, उनमें से एक ने धमकी देने की बात कबूल भी कर ली है.

वेस्टइंडीज से ऐसे जुड़ा कनेक्शन

फिरौती मांगने वाले दोनों आरोपियों को वेस्टइंडीज से गिरफ्तार किया गया है, जिनके नाम मोहम्मद दिलशाद और मोहम्मद नवीद है. बताया जा रहा है कि वेस्टइंडीज ने उन दोनों आरोपियों को 1 अगस्त को भारत को सौंपा था.

इन दोनों आरोपियों को पूर्व विधायक बाबा सिद्दीकी की हत्या के बाद उनके बेटे जीशान सिद्दीकी से 10 करोड़ की फिरौती मांगने के एवज में पुलिस ने गिरफ्त में लिया था. पुलिस की पकड़ में आने के बाद दोनों आरोपियों में से एक ने बताया कि उन्होंने रिंकू सिंह को भी कॉल कर उनसे फिरौती मांगी थी.

मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बताया कि जीशान सिद्दीकी को धमकी भरे मेल फिरौती को लेकर 19 से 21 अप्रैल के बीच आए थे. जबकि रिंकू सिंह की प्रमोशनल टीम को फरवरी से अप्रैल के बीच फिरौती को लेकर 3 बार धमकी भरे संदेश आए.

'दिल्ली टेस्ट में भारत की प्लेइंग-11 नहीं बदलेगी'

बॉलिंग कोच बोले- पिच से पेसर्स को मदद नहीं, सुदर्शन-नीतीश को फिर मौका मिलेगा

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के बॉलिंग कोच रायन टेन डोश्चेट ने कहा कि दिल्ली टेस्ट में प्लेइंग-11 नहीं बदली जाएगी। साई सुदर्शन को एक और मौका मिलेगा। दिल्ली की पिच सूखी नजर आ रही है, यहां तेज गेंदबाजों को मदद मिलने की संभावना कम है।

भारत और वेस्टइंडीज के बीच नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में दूसरा टेस्ट 10 अक्टूबर से खेला जाएगा। भारत ने अहमदाबाद में पहला टेस्ट पारी और 140 रन से जीता था।

पिच पर कुछ भी कहना जल्दबाजी

डोश्चेट ने कहा, 'मुझे लगता है कि पिच पर कुछ भी कहना जल्दबाजी है। अभी तो पिच सूखी नजर आ रही है। इसलिए पेसर्स को मदद मिलने की संभावनाएं कम हैं। दिल्ली में इस तरह की पिच देखकर मुझे कुछ भी नया

नहीं लग रहा।'

बॉलिंग कोच ने आगे कहा, 'हम प्लेइंग-11 नहीं बदलेंगे। टीम इंडिया सीम बॉलिंग ऑलराउंडर को तैयार करने पर ध्यान दे रही है, इसलिए नीतीश को होम कंडीशन में मौके दिए जा रहे हैं। उन्हें यहां खेलने की आदत होगी, तभी वे विदेश के दौरों पर बेहतर कर पाएंगे।

नीतीश एक बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। उनसे पहले हार्दिक भी टेस्ट खेलते थे, लेकिन इंजरी और फिटनेस के कारण वे लंबा नहीं खेल सके। हम नीतीश की बॉडी को देखकर ही उन्हें मौके दे रहे हैं। ताकि वे ज्यादा से ज्यादा समय तक इंडिया के लिए खेल सकें। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में खुद को साबित किया है।'

ध्रुव भी संभाल सकते हैं नंबर-3 पोजिशन

बॉलिंग कोच ने आगे कहा, 'ध्रुव जुरेल ने पिछले सप्ताह बेहतरीन शतक लगाया। 3 और 4 नंबर की पोजिशन पर हमेशा फाइट रहती है। शुभमन नंबर-4 पर फिट हो चुके हैं। नंबर-3 पर साई को मौके मिल रहे हैं, लेकिन उन्हें भी पता है कि अगर परफॉर्म नहीं किया तो जगह छिन सकती है।

टीम इंडिया में एंट्री के लिए आपको पता रहता है कि इस तरह की मुश्किलें आएंगी। साई मेंटली मजबूत हैं, उन्हें बस रिलैक्स होकर अपना बेस्ट देने पर फोकस करना होगा। अगर वे अच्छा नहीं कर पाए तब जरूर मैनेजमेंट नंबर-3 पर जुरेल को फिट करने के बारे में सोचेगा।'

रायन ने आगे कहा, 'टीम इंडिया में हर जगह के लिए बहुत लड़ाई है। नंबर-3 पोजिशन पर पहले करुण नायर को मौके मिले, वे इंग्लैंड में कुछ खास नहीं कर सके, इसलिए अब साई (सुदर्शन) को मौके दिए जा रहे हैं।

साई को बस फोकस करते हुए खुद पर विश्वास करना होगा। मैनेजमेंट उन पर भरोसा दिखा रहा है। पहले टेस्ट में वे आगे की गेंद को बैकफुट पर खेल गए थे। इस तरह की गलतियां होते रहती हैं, लेकिन साई की टेक्निक में बहुत ज्यादा खामियां नहीं हैं। हम उन्हें मौके देकर आगे के लिए तैयार करना चाहता है।'

वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने कहा, 'हमारे लिए समय अच्छा नहीं जा रहा, प्लेयर्स में कॉन्फिडेंस की कमी भी साफ नजर आती है। ये ऐसी चीज है जो हर प्लेयर में अलग-अलग रहती है। मेरा ध्यान अब खिलाड़ियों की सोच मजबूत करने पर ज्यादा है।

वेस्टइंडीज के लिए कई दिग्गज प्लेयर्स खेले हैं। इसलिए टीम की हर परफॉर्मेंस पर मुझे सुनाया जाएगा। मुझे लगता है कि टीम की समस्या 2 साल पहले शुरू नहीं हुई। हमारे सिस्टम में खराब प्रदर्शन कैंसर की तरह फैल रहा है। हम बदलना चाह रहे हैं, फिलहाल के लिए मैं बस खिलाड़ियों का माइंडसेट बेहतर करने पर फोकस कर रहा हूं।'

'हमें उनकी जरूरत' वनडे में नए कप्तान बने शुभमन गिल का रोहित-कोहली पर बड़ा बयान

मुंबई, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। शुभमन गिल की कप्तानी में टीम इंडिया फिलहाल वेस्टइंडीज के साथ 2 मैचों की घरेलू टेस्ट सीरीज खेल रही है. फिलहाल टीम इंडिया ने 1 मैच जीतकर सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर रखी है. इस टेस्ट सीरीज के बाद टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया का दौरा करना है. इस दौरे पर रोहित शर्मा और विराट कोहली भी खेलते हुए दिखाई देंगे, दोनों दिग्गज खिलाड़ी वनडे टीम का हिस्सा हैं, हालांकि इस बार रोहित और विराट को शुभमन गिल की कप्तानी में खेलते हुए फैंस देखेंगे. वहीं अब इस ऑस्ट्रेलिया दौरे से पहले कप्तान शुभमन गिल ने रोहित-विराट को लेकरक बड़ी बात कही है.

रोहित-विराट को लेकर क्या बोले शुभमन गिल?

टीम इंडिया को दूसरा टेस्ट मैच वेस्टइंडीज के साथ दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेलना है. इस मैच से पहले जब कप्तान शुभमन गिल से उनकी भूमिका

बढ़ाए जाने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि "रोहित भाई ने टीम में जो दोस्ती कायम की है और जो उनका धैर्य है उसको मैं कायम रखना चाहता हूं. उनकी तरह ही मैं टीम और ड्रैसिंग रूम का माहौल शांत रखना चाहता हूं."

आगे गिल ने कहा "रोहित और विराट ने टीम इंडिया के लिए बहुत सारे मैच जीते हैं. इतना अनुभव और कौशल बहुत कम लोगों के पास होता है. हमें उनकी जरूरत है. ये दोनों पिछले कई सालों से टीम इंडिया की कड़ी बने हुए हैं और कई बार टीम को अच्छा प्रदर्शन करके अकेले मैच जिताया है."

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर होगी 3 मैचों की वनडे सीरीज

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम इंडिया 15 अक्टूबर को रवाना होगी. 2 जत्थे में टीम इंडिया के खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया पहुंचेंगे. इस दौरे पर पहले दोनों टीमों के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी. सीरीज का पहला मच 19 अक्टूबर को पर्थ में खेला जाएगा. इसके बाद दूसरा मैच 23 और तीसरा मैच 25 अक्टूबर को खेला जाएगा.

वुमेंस क्रिकेट के लिए जय शाह का बड़ा ऐलान

बदलाव की बयार में अब 'हर साल सम्मान'!

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। महिला वर्ल्ड कप 2025 के बीच आईसीसी ने धमाकेदार का ऐलान कर दिया है. जय शाह इस समय आईसीसी के चेयरमैन हैं. वो हमेशा से ही महिला क्रिकेट को बढ़ावा देते हुए नजर आए हैं. जब वो बीसीसीआई अध्यक्ष थे, तो उन्होंने वुमेंस प्रीमियर लीग की शुरुआत की थी. उन्होंने कुछ समय पहले ऐलान किया था कि महिला वर्ल्ड कप की इनामी राशि पुरुषों के बराबर होगी. अब आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने महिला क्रिकेट को लेकर एक और बड़ा कदम उठाया है.

आईसीसी ने किया वुमेंस क्रिकेट वीक का ऐलान

जय शाह ने इतिहास के पहले आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वीक को प्रस्तुत किया है. 16 से 22 अक्टूबर तक ये सेलिब्रेशन चलेगा और पूरी दुनिया में महिला क्रिकेट को अलग-अलग तरह से बढ़ावा दिया जाने वाला है. बता दें कि हर साल क्रिकेट वीक इवेंट का आयोजन किया जाएगा और इस साल महिला वर्ल्ड कप के बीच इसकी शुरुआत होगी, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोगों के बीच ये पहुंच पाए. जय शाह और उनकी टीम ने महिला क्रिकेट को आगे बढ़ाने और पूरी दुनिया में फैलाने के मकसद से खास इवेंट की शुरुआत की है. हर साल महिला क्रिकेट को सम्मान मिलेगा.

आईसीसी चेयरमैन जय शाह ने वुमेंस क्रिकेट वीक प्रस्तुत करने पर कहा, 'ये साल महिला क्रिकेट के लिए टर्निंग पॉइंट रहा है. भारी तादात में लोग मैच देखने आए हैं. शानदार परफॉर्मेंस देखने को मिली है और खेल को लेकर अलग ऊर्जा तैयार हो रही है. आईसीसी वुमेंस क्रिकेट वीक को प्रस्तुत करके हम नया कीर्तिमान बना रहे हैं. ये दुनिया भर के प्लेयर्स के लिए ही नहीं, बल्कि हर एक उस लड़की के लिए सेलिब्रेशन है, जो गेंद या बल्ला उठाकर बड़े सपने देख रही है. ये फुल मेंबर्स से लेकर एसोसिएट तक, सभी को इस खास इवेंट में हिस्सा लेने और महिलाओं के गेम के भविष्य को सही शेप देने में मदद करेगा.'

एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप में विवाद: वॉटर पोलो खिलाड़ियों ने कमर के नीचे ड्रेस पर तिरंगा लगाया, मंत्रालय ने मांगी रिपोर्ट

अहमदाबाद, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद में चल रही एशियन एक्वाटिक्स चैंपियनशिप के दौरान भारत की मेंस वॉटर पोलो टीम विवादों में घिर गई है। मैच के दौरान भारतीय खिलाड़ियों के स्विमिंग ट्रंक (तैराकी की आधिकारिक ड्रेस) पर भारत का तिरंगा लगा हुआ था।

इसे लेकर राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने के आरोप लगे हैं। नियमों के अनुसार, ध्वज को स्विमिंग कैप पर लगाया जाना चाहिए था।

मंत्रालय और आईओए ने रिपोर्ट मांगी

खेल मंत्रालय और भारतीय ओलिंपिक संघ ने स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया से रिपोर्ट

मांगी है। अधिकारियों ने कहा कि खिलाड़ियों को तिरंगा ट्रंक पर नहीं, बल्कि कैप पर लगाना चाहिए था।

भारतीय कानून का उल्लंघन

यह विवाद मुख्य रूप से भारत के ध्वज संहिता 2002 और प्रिवेंशन ऑफ इंसल्ट्स टू नेशनल ऑनर एक्ट, 1971' के उल्लंघन से जुड़ा है। जो राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान और उपयोग को लेकर सख्त नियम लागू करता है।

इन नियमों के अनुसार:

राष्ट्रीय ध्वज को कमर के नीचे पहने जाने वाले कपड़ों पर लगाना वर्जित है।

तिरंगे का डिजाइन अंडरगारमेंट्स, कुशन, नैपकिन या रूमाल जैसी वस्तुओं पर छापना या कढ़ाई करना गैरकानूनी है।

झंडे को जमीन पर गिराना या पानी में डुबोना भी अपमानजनक कृत्य माना जाता है।

आईओसी चार्टर क्या कहता है?

इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी के चार्टर के अनुसार, खिलाड़ियों या टीमों के लिए राष्ट्रीय झंडा लगाना अनिवार्य नहीं है। यह पूरी तरह खिलाड़ियों और उनके देश की पसंद पर निर्भर करता है।

वर्ल्ड एक्वाटिक्स का नियम क्या कहता है?

एसएफआई ने अपना बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने वर्ल्ड एक्वाटिक्स के नियमों के अनुसार ही कार्य किया। इन नियमों के मुताबिक, आप अपने देश के झंडे को स्विमिंग किट पर कही भी लगा सकते हो। वहीं भारतीय संविधान के अनुसार, टूर्नामेंट में देश का झंडा और कोड स्विम कैप पर 32 वर्ग सेंटीमीटर तक के आकार में लगाया जा सकता है।

आगे से तिरंगा केवल कैप पर दिखाया जाएगा

स्विमिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया ने गलती स्वीकार कर ली है और कहा कि आगे से तिरंगा केवल कैप पर लगाया जाएगा, न कि स्विमिंग ट्रंक पर। हमने नियमों की समीक्षा की है और हम भारतीय संवेदनशीलता को समझते हैं।

मोहम्मद शमी की टीम में एंट्री, बंगाल की 17 खिलाड़ियों के स्क्वॉड में किया गया शामिल

कोलकाता, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी पिछले कई समय से टीम इंडिया का हिस्सा नहीं बन सके हैं. चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल उनका आखिरी इंटरनेशनल मैच था. इसके बादशमी को इंग्लैंड दौरे के लिए टीम में जगह नहीं मिली थी. एशिया कप 2025 के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ खेली जा रही सीरीज में भी वह टीम का हिस्सा नहीं हैं. इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए चुनी गई टीम इंडिया में शमी का नाम शामिल नहीं है. इन सब के बीच शमी की एक टीम में एंट्री हो गई है.

लगातार टीम में जगह बनाने से चूकने के बाद भी मोहम्मद शमी ने हार नहीं मानी है. उन्होंने घरेलू क्रिकेट खेलने का फैसला लिया है. जिसके चलते बंगाल क्रिकेट संघ नेरणजी ट्रॉफी 2025-26 के लिए

शमी को टीम में शामिल किया है. बंगाल की तेज गेंदबाजी इकाई को मोहम्मद शमी के अलावा आकाश दीप के शामिल होने से जबरदस्त मजबूती मिली है. शमी के लिए ये टूर्नामेंट काफी अहम रहने वाला है. उनकी नजर रणजी ट्रॉफी में दमदार प्रदर्शन करके टीम इंडिया में वापसी करने पर रहेगी.

वहीं, लगातार शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को बंगाल टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है. इसी के साथ ही युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिषेक पोरेल को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है. कोचिंग स्टाफ में कोई बदलाव नहीं किया गया है. लक्ष्मी रतन शुक्ला हेड कोच बने रहेंगे, जबकि अरूप भट्टाचार्य और शिव शंकर पॉल सहायक कोच के रूप में अपनी सेवाएं देंगे. चरणजीत सिंह मथारू फील्डिंग कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे.

रणजी ट्रॉफी के इस सीजन में बंगाल को एलीट ग्रुप सी में गुजरात, हरियाणा, सेना, रेलवे, त्रिपुरा, उत्तराखंड और असम के साथ रखा गया है. बंगाल अपने अभियान की शुरुआत 15 अक्टूबर को कोलकाता के प्रतिष्ठित ईडन गार्डन्स स्टेडियम में उत्तराखंड के खिलाफ करेगा. इसके बाद 25 अक्टूबर से गुजरात के खिलाफ एक और घरेलू मुकाबला खेला जाएगा. ये शुरुआती मैच बंगाल के लिए अपनी लय हासिल करने और पॉइंट्स टेबल में मजबूत शुरुआत करने के लिए अहम होंगे.

बता दें, इस बार रणजी ट्रॉफी में कुल 38 टीमें हिस्सा लेंगी, जिनमें 32 टीमें एलीट डिवीजन (चार ग्रुप) और छह टीमें प्लेट डिवीजन में शामिल हैं. हर एक एलीट ग्रुप से टॉप-2 दो टीमें क्वार्टर फाइनल में जगह बनाएंगी, जबकि प्लेट डिवीजन की चार टीमें अपने वर्ग के नॉकआउट स्टेज में आगे बढ़ेंगी.

रणजी ट्रॉफी के लिए बंगाल की टीमः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), अभिषेक पोरेल, सुदीप कुमार घरामी, अनुस्तुप मजूमदार, सुदीप चटर्जी, सुमंत गुप्ता, सौरभ कुमार सिंह, विशाल भाटी, मोहम्मद शमी, आकाश दीप, सूरज सिंधू जायसवाल, शाकिर हबीब गांधी, इशान पोरेल, काजी जुनैद सैफी, राहुल प्रसाद, सुमित मोहंता और विकास सिंह.

अफगानिस्तान ने पहला वनडे जीता

बांग्लादेश को 5 विकेट से हराया; 222 रन का टारगेट 48वें ओवर में पूरा किया

अबू धाबी, 9 अक्टूबर (एजेंसियां)। अबू धाबी में खेले गए पहले वनडे मैच में अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को 5 विकेट से हरा दिया। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सभी विकेट खोकर 221 रन बनाए। टारगेट का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान ने 5 विकेट के नुकसान पर 226 रन बना कर लक्ष्य को हासिल कर लिया।

ऑलराउंडर अजमतुल्लाह उमरजई के शानदार प्रदर्शन ने अफगानिस्तान को 222 रनों का लक्ष्य हासिल करने में मदद की। उमरजई ने पहले गेंदबाजी में 3 विकेट लिए और फिर बल्लेबाजी में 44 गेंदों पर 40 रनों की आक्रामक पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 1 छक्का शामिल था। कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी 34 रन बनाकर नाबाद रहे, जबकि अनुभवी मोहम्मद नबी ने सैफ

हसन की गेंद पर विजयी छक्का जड़कर मैच को 48वें ओवर में खत्म किया।

यह मैच अफगानिस्तानी खिलाड़ियों के लिए काफी खास रहा। राशिद खान वनडे में 200 विकेट लेने वाले पहले अफगानी गेंदबाज बने। उन्होंने यह उपलब्धि सिर्फ 115 मैचों में हासिल की, जो किसी भी स्पिनर के लिए दूसरी सबसे तेज उपलब्धि है। इसके अलावा, रहमत शाह ने वनडे में 4,000 रन पूरे करने वाले पहले अफगानी बल्लेबाज बने।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश की टीम 48.5 ओवर में 221 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान मेहदी हसन मिराज (60 रन) और तौहीद हृदोय (56 रन) ने चौथे विकेट के लिए 101 रनों की साझेदारी कर बांग्लादेश की पारी को संभाला।

बांग्लादेश ने पहले 11.5 ओवर में 3 विकेट खो दिए थे। जिसमें सैफ हसन, तंजीद हसन और नजमुल हुसैन शांतो का विकेट शामिल है। सैफ हसन ने 26 रन बनाए। राशिद खान ने मेहदी हसन मिराज, जाकर अली और नुरुल हसन को आउट कर बांग्लादेश को बड़ा स्कोर बनाने से रोका।

222 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत शानदार रही। इब्राहिम जदरान और रहमानुल्लाह गुरबाज ने टीम को अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 52 रन की साझेदारी हुई। दोनों ने 9वें ओवर में 50 रनों की साझेदारी पूरी की। लेकिन तनवीर इस्लाम ने शानदार गेंदबाजी करते हुए जदरान को स्टंप करवाया। जादरान 25 गेंदों का सामना कर 23 रन बनाए। इसके बाद तनजिम हसन ने सेदिकुल्लाह अतल को आउट कर दूसरा झटका दिया।

2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य : रेवंत रेड्डी

सीएम ने अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के सामने एच-1बी वीजा शुल्क पर जताई चिंता

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के सीएम ए. रेवंत रेड्डी ने अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ और एच-1बी वीजा शुल्क में हालिया वृद्धि पर गंभीर चिंता जताई है। यह बात उन्होंने गुरुवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में अमेरिकी थिंक टैंक और व्यापारिक नेताओं के प्रतिनिधिमंडल से चर्चा के दौरान कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के फैसलों से भारत-अमेरिका संबंधों में भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है और दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने अमेरिका की प्रगति में तेलंगाना प्रवासियों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि एच-1बी वीजा शुल्क बढ़ने से प्रतिभाशाली पेशेवरों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। मुख्यमंत्री ने बैठक में 'तेलंगाना राइजिंग 2047' विजन को साझा करते हुए बताया कि राज्य सरकार का लक्ष्य 2034 तक 1 ट्रिलियन डॉलर और 2047 तक 3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाना है। उन्होंने अमेरिका के व्यापारिक नेताओं को इस विजन में ब्रांड एंबेसडर की भूमिका निभाने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि हैदराबाद आज न्यूयॉर्क और टोक्यो जैसे वैश्विक शहरों से प्रतिस्पर्धा कर रहा है और 'चीन+1' रणनीति के अंतर्गत तेलंगाना को एक प्रमुख वैकल्पिक निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने 'भारत फ्यूचर सिटी' परियोजना के लिए अमेरिकी उद्योग भागीदारों से सहयोग मांगा। उन्होंने बताया कि निकट भविष्य में सभी फॉर्च्यून 500 कंपनियों को फ्यूचर सिटी में निवेश के लिए आमंत्रित किया जाएगा।

साथ ही, उन्होंने मूसी नदी पुनरुद्धार परियोजना को राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा अवसर बताते हुए कहा कि रिवरफ्रंट विकास के जरिए हैदराबाद में रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जाएगा। इस उच्च स्तरीय अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल में प्रो. वाल्टर रसेल मीड, हडसन इंस्टीट्यूट, मार्क रोसेनब्लैट, रेशनलवेव कैपिटल पार्टनर्स, हारलन क्रो क्रो होल्डिंग्स रेवेनेल करी, ईगल कैपिटल मैनेजमेंट, हेनरी बिलिंग्सले, बिलिंग्सले कंपनी शामिल रहे।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार वेम नरेंद्र रेड्डी, मुख्य सचिव के. रामकृष्ण राव, विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव वी. शेषाद्रि, फ्यूचर सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी के आयुक्त के. शशांक समेत वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ओरल हैजा वैक्सीन शंचोल की वैश्विक आपूर्ति फिर से शुरू

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की प्रमुख फार्मा कंपनी शांता बायोटेक्निक्स ने जीवन रक्षक ओरल हैजा वैक्सीन शंचोल की वैश्विक आपूर्ति फिर से शुरू करने की घोषणा की है।

यह वैक्सीन विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से पूर्व-योग्यता प्राप्त है, जिससे यूनिसेफ, गवी और पीएएचओ जैसी वैश्विक एजेंसियां इसे उन देशों में उपयोग के लिए प्राप्त कर सकती हैं, जहां हैजा एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती है। शांता बायोटेक्निक्स के संस्थापक डॉ. केआई वरप्रसाद रेड्डी ने कहा कि शंचोल का उद्देश्य बार-बार हैजा के प्रकोप से जूझ रहे देशों के लिए किफायती और सुलभ समाधान प्रदान करना है। पिछले कुछ वर्षों में यूनिसेफ के माध्यम से लगभग 4 करोड़ खुराकें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं। जीसीबीसी वैक्सीन्स प्राइवेट लिमिटेड ने उत्पादन फिर से शुरू किया है और सुनिश्चित किया है कि शंचोल दुनिया भर में विश्वसनीय और किफ़ायती तरीके से उपलब्ध रहे।

सरकार सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ाने के लिए उत्सुक : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना सरकार राज्य में बिजली क्षेत्र को मजबूत करने के प्रयासों के तहत सौर ऊर्जा उत्पादन और उपयोग को बढ़ावा देने में गहरी रुचि रखती है। उपमुख्यमंत्री ने सचिवालय में जर्मनी के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। जर्मन प्रतिनिधियों ने कहा कि सौर ऊर्जा क्षेत्र में तेलंगाना सरकार की रुचि के बारे में जानने के बाद वे कुछ प्रस्ताव लेकर आए हैं। भट्टी विक्रमार्क ने उन्हें बताया कि राज्य वर्तमान में 29 लाख कृषि पंप सेटों को मुफ्त बिजली और गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट तक बिजली प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सरकार कृषि पंप सेटों और गृह ज्योति लाभार्थियों, दोनों को सौर ऊर्जा की आपूर्ति के तरीके तलाश रही है। भट्टी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य एक ऐसा मॉडल विकसित करना है जहां किसान और गृह ज्योति उपभोक्ता इस सौर पहल के तहत एक स्थिर मासिक आय अर्जित कर सकें। उपमुख्यमंत्री ने ऊर्जा विभाग के प्रमुख सचिव नवीन मित्तल को निर्देश दिया कि वे अध्ययन करें कि जर्मन सौर प्रौद्योगिकियों को तेलंगाना के विद्युत क्षेत्र में कैसे एकीकृत किया जा सकता है और यह आकलन करें कि जर्मन टीम के प्रस्ताव इस क्षेत्र को आर्थिक और तकनीकी रूप से कैसे मज़बूत बना सकते हैं। उन्होंने प्रमुख सचिव को जर्मन प्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों का अध्ययन करने के बाद एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने का भी निर्देश दिया। बैठक में ट्रांसको के सीएमडी डी. कृष्ण भास्कर, एसपीडीसीएल के सीएमडी मुशर्रफ फारुकी, रेडको के सीएमडी अनिला और जर्मन प्रतिनिधियों डॉ. सेबेस्टियन और डॉ. रघु चालिगंती सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

भुवनगिरी में सड़क हादसे में होमगार्ड की मौत

भुवनगिरी, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री भुवनगिरी जिले में गुरुवार तड़के नियमित वाहन जांच के दौरान होमगार्ड उपेंद्र चारी (36) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। घटना भुवनगिरी-चित्याल रोड पर रामायमपेट पुलिस स्टेशन के पास सुभाष सेंटर के पास हुई, जब एक तेज रफ़्तार कंटेनर लॉरी ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस के अनुसार, कंटेनर लॉरी का चालक ब्रेक लगाने में असफल रहा, जिससे वाहन होमगार्ड से टकराया और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर जाकर जांच की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रमन्नापेट सरकारी अस्पताल भेज दिया। ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया है।

हैदराबाद पुलिस की बड़ी कार्रवाई नाइजीरियन नागरिक देश से निर्वासित

> ड्रग तस्करी और अवैध प्रवास के आरोप

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने बड़ा एक्शन लेते हुए एक नाइजीरियन नागरिक को देश से निर्वासित कर दिया। विश्वसनीय खुफिया सूचना के आधार पर, हैदराबाद सिटी पुलिस की नारकोटिक्स एन्फोर्समेंट विंग (एच-न्यू) ने एक महत्वपूर्ण कार्रवाई करते हुए एक विदेशी नागरिक को गिरफ्तार कर उसे निर्वासित किया है।

पुलिस के अनुसार आरोपी नाइजीरियाई नागरिक, ओनुओरा सोलोमन चिबुएज़े (उम्र 46 वर्ष), को ड्रग तस्करी और अवैध प्रवास जैसे गंभीर आरोपों में पकड़ा गया। चिबुएजे, मूलतः नाइजीरिया के अनाम्ब्रा राज्य का निवासी है। वर्ष 2014 में वह मेडिकल वीजा पर भारत आया था, जिसकी वैधता 23 सितंबर 2014 तक थी। हालांकि, वीजा और पासपोर्ट दोनों की मियाद खत्म हो जाने के बावजूद वह पिछले 11 वर्षों से भारत में अवैध रूप से रह रहा था।

भारत आने के बाद, उसने दिल्ली, बैंगलोर और हैदराबाद जैसे शहरों में छोटे-मोटे रेस्टोरेंट में काम किया, लेकिन धीरे-धीरे ड्रग तस्करी जैसे आपराधिक गतिविधियों में लिप्त हो गया। जांच में सामने आया कि वह पुणे और मुंबई से गांजा खरीदकर हैदराबाद में ऊंचे दामों पर सप्लाई करता था, जिससे उसे त्वरित और अवैध रूप से पैसा कमाने में आसानी होती थी। एच-न्यू टीम ने उसे टोलीचौकी पुलिस थाना क्षेत्र में संदिग्ध अवस्था में घूमते हुए पाया। दस्तावेजों की जांच करने पर वह कोई वैध पासपोर्ट या वीजा प्रस्तुत नहीं कर सका।

गहन पूछताछ में उसने कबूल किया कि वह लंबे समय से भारत में अवैध रूप से रह रहा था और ड्रग नेटवर्क से जुड़ा हुआ था। उसे तत्काल हिरासत में लेते हुए विदेशी नागरिक क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) के समन्वय से निर्वासन प्रक्रिया शुरू की गई। एच-न्यू की टीम ने उसका यात्रा टिकट बुक कर आज सुबह उसे राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, हैदराबाद से उसके देश नाइजीरिया भेज दिया। इस संपूर्ण कार्रवाई का नेतृत्व एच-न्यू इंस्पेक्टर जी.एस. डैनियल और पुलिस उपनिरीक्षक सी. वेंकट रामुलु ने किया।

स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण संबंधी आदेश संख्या 9 पर उच्च न्यायालय की रोक

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार को झटका देते हुए, तेलंगाना उच्च न्यायालय ने बुधवार को राज्य सरकार के आदेश संख्या 9 पर अंतरिम रोक लगा दी, जिसमें स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग (बीसी) के लिए 42% आरक्षण का प्रावधान था।

मुख्य न्यायाधीश ए.के. सिंह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने दो दिनों तक दलीलें सुनने के बाद अंतरिम आदेश पारित किया। न्यायालय ने राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर एक विस्तृत प्रति-हलफनामा दाखिल करने और याचिकाकर्ताओं को प्रति-हलफनामे पर अपनी आपत्तियां/उत्तर अगले दो सप्ताह में दाखिल करने का निर्देश दिया, और मामले की सुनवाई छह सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। परिणामस्वरूप, स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी गई है, और चुनाव कराने के लिए आज पहले जारी की गई अधिसूचना पर भी रोक लगा दी गई है। इन आदेशों के साथ, तेलंगाना में स्थानीय निकाय चुनाव प्रक्रिया अस्थायी रूप से रुक गई है। जब मामला सुनवाई के लिए आया, तो राज्य के महाधिवक्ता बी. सुदर्शन रेड्डी ने दलील दी कि विधानसभा ने सर्वसम्मति से पिछड़ी जातियों की जनसंख्या सर्वेक्षण कराने का प्रस्ताव पारित किया है और इस उद्देश्य से घर-घर जाकर सर्वेक्षण किया गया था। उन्होंने बताया कि पाया गया कि तेलंगाना में पिछड़ी जातियाँ कुल जनसंख्या का 5%.6 प्रतिशत हैं और राज्य सरकार ने पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया है। इसी के अनुसार, राज्य विधानसभा में एक प्रस्ताव पारित किया गया था। एक अन्य वरिष्ठ अधिवक्ता रवि वर्मा ने दलील दी कि संविधान में आरक्षण की कोई 50 प्रतिशत सीमा नहीं है। कुल मिलाकर, कुल जनसंख्या का लगभग 85 प्रतिशत पिछड़ी जातियों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों का है। उन्होंने बताया कि पिछड़ी जातियों को 42 प्रतिशत आरक्षण देने के बाद कुल आरक्षण 6% प्रतिशत हो जाता है और शेष 15 प्रतिशत आबादी के लिए अभी भी 33 प्रतिशत आरक्षण खुला है। दोनों पक्षों को सुनने के बाद, पीठ ने अंतरिम रोक लगा दी और मामले की सुनवाई स्थगित कर दी।

स्कूल बस के इंजन से धुआं, 25 छात्र सुरक्षित

सिकंदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिकंदराबाद छावनी स्थित एओसी केंद्र में गुरुवार सुबह करीब 8 बजे 25 छात्रों को ले जा रही एक स्कूल बस के इंजन से धुआं निकलने से हल्की अफरातफरी मच गई। बस महेंद्र हिल्स की ओर जा रही थी जब चालक ने इंजन से धुआं निकलते देखा और छात्रों की सुरक्षा के लिए तुरंत दरवाजे खोल दिए। ड्यूटी पर मौजूद सेना के जवानों ने अग्निशामक यंत्रों से धुआं बुझाया, जबकि पास से गुजर रहे यात्री भी बच्चों की मदद करने लगे। तिरुमलागिरी के इंस्पेक्टर जी नागराजू ने बताया कि सभी छात्र सुरक्षित हैं और उन्हें दूसरी स्कूल बस में स्थानांतरित कर दिया गया। इस घटना में किसी को चोट नहीं आई। इस मार्ग पर कुछ मिनट के लिए यातायात रुक गया।

कविता ने ग्रुप-1 की नई परीक्षाएं कराने की मांग की

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-1 की परीक्षाओं और पदों के चयन के दौरान गंभीर अनियमितताएं हुईं। तेलंगाना जागृति की अध्यक्ष कलवकुंतला कविता ने कहा कि राज्य सरकार को तुरंत भर्ती प्रक्रिया रद्द करनी चाहिए और नई परीक्षाएं आयोजित करनी चाहिए। तेलंगाना जागृति के सहयोग से गुरुवार को हैदराबाद के सोमाजीगुडा स्थित प्रेस क्लब में एक गोलमेज बैठक आयोजित की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि कविता ने कहा कि ग्रुप-1 के मामले में अधिसूचना की तारीख से लेकर परिणाम तक, हर कदम पर गलतियां हुईं। मैंने विधान परिषद में इन चिंताओं को उठाया है, लेकिन सरकार की प्रतिक्रिया लापरवाही भरी रही है। इन मुद्दों को सामने लाना जरूरी है। सरकार को स्थिति सुधारने का दबाव महसूस करना चाहिए। मौजूदा नौकरियों की नियुक्तियां रद्द की जानी चाहिए और नए सिरे से परीक्षाएं आयोजित की जानी चाहिए। अगर तेलंगाना के छात्रों के साथ अन्याय होता है तो आत्मसंतुष्टि की कोई गुंजाइश नहीं है। तेलंगाना जागृति छात्रों को आश्वस्त करती है कि वह न्याय के लिए लड़ेगी।

छात्र अरुण तेजा ने वायसैट इंडिया चैलेंज 2025 में तीसरा स्थान हासिल

नई दिल्ली, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईटी कानपुर में एयरोस्पेस इंजीनियरिंग के दूसरे वर्ष के छात्र अरुण तेजा ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित वायसैट: स्पेस फॉर गुड इंडिया चैलेंज 2025 में तीसरा स्थान प्राप्त किया। तेजा ने अपनी परियोजना 'स्टेलर' के माध्यम से कक्षीय अंतरिक्ष बस्तियां स्थापित करने का प्रस्ताव रखा, जो अंतरिक्ष में विनिर्माण केंद्र के रूप में काम कर सकती हैं। यह प्रोजेक्ट आत्मनिर्भर अंतरिक्ष उद्योगों और आईएसएएम (इन-स्पेस सर्विसिंग, असेंबली और मैन्युफैक्चरिंग) अनुप्रयोगों को सक्षम करने का साधन है और इससे स्थायी अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होता है। तेजा ने बताया कि 'स्टेलर' का लक्ष्य कक्षीय संसाधन उपयोग, अंतरिक्ष में विनिर्माण और टिकाऊ ऊर्जा समाधानों को जोड़कर पृथ्वी के बाहर मानवता की उपस्थिति बढ़ाना है। इस परियोजना के लिए वायसैट ने उन्हें एक लाख रुपये का शैक्षिक अनुदान प्रदान किया। इस प्रतियोगिता में बिट्स पिलानी के मयंक गोलेछा विजेता रहे और निरमा विश्वविद्यालय की भूमि रैयानी को दूसरा स्थान मिला।

अपार्टमेंट में अजगर, पुलिस और वन विभाग ने पकड़ लिया

बाचुपल्ली, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बाचुपल्ली के एक आवासीय अपार्टमेंट में बुधवार सुबह अजगर देखे जाने से कुछ समय के लिए हड़कंप मच गया। रिपोर्ट के अनुसार, अपार्टमेंट की दूसरी मंजिल पर अजगर दिखाई दिया। घबराए हुए निवासियों ने पुलिस को सूचना दी।

एचएएम मॉडल के तहत तेलंगाना की सड़कों का व्यापक नवीनीकरण : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भर में हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल (एचएएम) के कार्यान्वयन के साथ अपने सड़क बुनियादी ढांचे में बड़े बदलाव के लिए तैयार है।

सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने घोषणा की कि सरकार अगले तीन वर्षों में चरणबद्ध तरीके से सड़कों का निर्माण और सुदृढ़ीकरण करेगी, जिससे तेलंगाना की सड़कें "दर्पण की तरह चिकनी" हो जाएंगी। एचएएम सड़क परियोजनाओं पर एक महत्वपूर्ण बैठक गुरुवार को डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने की और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क भी उपस्थित थे।

बैठक में विशेष मुख्य सचिव विकास राज, वित्त सचिव हरिता, आरएंडबी के मुख्य अभियंता जयभारती और बी.वी. राव और कई विभागीय इंजीनियरों सहित वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। सत्र के दौरान, विशेष मुख्य सचिव विकास राज ने एचएएम परियोजनाओं के प्रस्तावों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन दिया। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य सड़क निर्माण में राष्ट्रीय मानक स्थापित करना है, और मुख्य रूप से दुर्घटना-मुक्त, उच्च-गुणवत्ता वाली सड़कों पर ध्यान केंद्रित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा, अच्छी सड़कें विकास की नींव होती हैं। उन्होंने आगे कहा कि व्यापक कवरेज और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए परियोजनाओं को चरणबद्ध तरीके से क्रियान्वित किया जाएगा। पहले चरण में, सरकार ने 10,986 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से 5,587 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्यों को मंजूरी दी है। इसमें से लगभग 3,792 किलोमीटर सिंगल-लेन, डबल-लेन और फोर-लेन सड़कों का सुदृढ़ीकरण 4,416 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा, जबकि 1,795 किलोमीटर चौड़ीकरण कार्य 6,569 करोड़ रुपये की लागत से किए जाएंगे।

मंत्री ने कहा कि सरकार मंडल मुख्यालयों को जिला मुख्यालयों से जोड़ने वाली डबल-लेन सड़कों और जिला मुख्यालयों को राज्य की राजधानी से जोड़ने वाली फोर-लेन सड़कों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। सभी विधानसभा क्षेत्रों को समान प्राथमिकता दी जाएगी, जिससे एचएएम कॉरिडोर के माध्यम से निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि पहले चरण के लिए निविदाएं अगले एक से दो महीनों में आमंत्रित की जाएंगी। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि एचएएम सड़कों की योजना यातायात सर्वेक्षण के आंकड़ों के आधार पर बनाई जाए और परियोजना के क्रियान्वयन में सभी विधानसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व हो। उन्होंने कार्यों के शीघ्र और समन्वित क्रियान्वयन की आवश्यकता पर बल दिया।

मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने तेलंगाना के सड़क नेटवर्क को बेहतर बनाने में उनके सक्रिय सहयोग के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क का आभार व्यक्त किया। इससे पहले, मंत्री ने अपने कक्ष में वरिष्ठ आरएंडबी अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक की, जिसमें बाढ़ से क्षतिग्रस्त सड़कों पर ध्यान केंद्रित किया गया और उन्हें जल्द ही विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने दोहराया, राज्य की प्रगति के लिए गुणवत्तापूर्ण सड़कें महत्वपूर्ण हैं।

जुबली हिल्स उपचुनाव : कांग्रेस में नवीन यादव की उम्मीदवारी से मतभेद

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस आलाकमान ने जुबली हिल्स उपचुनाव के लिए नवीन यादव को उम्मीदवार बनाने का फैसला किया है, जिससे पार्टी में मतभेद और गहरा गए हैं। इस फैसले से कई वरिष्ठ नेताओं, खासकर पूर्व सांसद अंजन कुमार यादव, नाराज हैं। टीपीसीसी ने चार उम्मीदवारों के नाम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी को भेजे थे, जिसमें अंजन कुमार यादव, पूर्व मंत्री केएलएन यादव की बहू के. विजयलक्ष्मी और पूर्व मेयर बोंतु राममोहन भी शामिल थे। लेकिन अंततः नवीन यादव को उम्मीदवार चुना गया। इससे अंजन कुमार ने निर्वाचन क्षेत्र में सक्रिय कार्यक्रम आयोजित कर पार्टी के कुछ बयानों के खिलाफ अपनी प्रतिक्रिया दी। अंजन कुमार ने चुनाव में स्थानीय बनाम गैर-स्थानीय प्रतिनिधित्व और 'प्रति परिवार एक टिकट और एक पद' जैसे विवादास्पद मुद्दों पर सवाल उठाए और नियमों के चयनात्मक कार्यान्वयन पर आपत्ति जताई। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, अंजन कुमार की प्रतिक्रिया उपचुनाव में निर्णायक साबित हो सकती है, क्योंकि उनके पास जुबली हिल्स में मजबूत आधार और कई समुदायों में समर्थन है। नवीन यादव अपेक्षाकृत नए नेता हैं, जिन्होंने नवंबर 2023 में एआईएमआईएम छोड़कर कांग्रेस जॉइन की थी।

एरोला श्रीनिवास के पिता का निधन

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व एससी, एसटी आयोग के अध्यक्ष और बीआरएस नेता एरोला श्रीनिवास के पिता, एरोला विजयैया (75), गुरुवार सुबह चिन्नाकोदुर मंडल के गंगापुर गांव में बीमारी के कारण निधन हो गए। बीआरएस अध्यक्ष चंद्रशेखर राव और कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने श्रीनिवास और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने भी परिवार के प्रति दुख व्यक्त किया और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

व्यापारी का बंदूक की नोक पर अपहरण पुलिस ने अमीरपेट में बचाया

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मियापुर के व्यापारी मनोज कुमार (44) को उनके व्यापारिक साझेदारों के साथ वित्तीय विवाद के बाद बंदूक की नोक पर अपहरण कर लिया गया। बाद में मधुरानगर पुलिस ने अमीरपेट में उन्हें सुरक्षित बचा लिया। पुलिस के अनुसार, तीन लोगों ने मनोज कुमार को सुबह की सैर के दौरान पकड़ा और पहले उन्हें येल्लारेड्डीगुडा स्थित एक कार्यालय में ले जाकर 10 करोड़ रुपये का मामला निपटाने के लिए कहा। इसके बाद अपहरणकर्ताओं ने उन्हें एक कार में अमीरपेट ले जाकर रकम का तुरंत इंतजाम करने का दबाव डाला।

मनोज कुमार ने अपनी पत्नी को फोन कर मदद मांगी, जिनके सूचना देने पर पुलिस ने छापा मारा और उन्हें मुक्त कराया। पुलिस ने तीन आरोपियों को हिरासत में लिया है और 'जीरो एफआईआर' दर्ज कर मामले की आगे की जांच के लिए इसे मियापुर पुलिस को सौंप दिया है। घटना दो दिन पहले हुई थी, लेकिन इसका खुलासा बुधवार शाम को हुआ।

फोटोग्राफर जीत अमन को ग्लोबल पुरस्कार

पूर्णिमा के चांद के साथ तेंदुए की तस्वीर के लिए विशेष सम्मान

हैदराबाद, 9 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के वन्यजीव और प्रकृति फोटोग्राफर जीत अमन को बुधवार को केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने उनके फोटो पुरस्कार के लिए सम्मानित किया। जीत अमन को विशेष रूप से उनकी पूर्णिमा की पृष्ठभूमि वाले तेंदुए की तस्वीर के लिए यह पुरस्कार मिला।

ग्लोबल बिग कैट्स फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2025 में जीत की यह तस्वीर जूरी द्वारा चयनित आठ शीर्ष तस्वीरों में छठे स्थान पर रही। इस प्रतियोगिता में दुनिया भर के फोटोग्राफरों ने भाग लिया और कुल 1400 तस्वीरें भेजी गईं, जिनमें से शीर्ष 100 और फिर शीर्ष 8 विजेताओं का चयन किया गया। जीत अमन ने बताया कि उन्होंने जवाई बेरा (राजस्थान) में तेंदुए की तीन तस्वीरें ली थीं, जिसमें डूबते पूर्णिमा के चांद के सामने तेंदुआ दिखाई दे रहा था। उन्होंने मसाई मारा (केन्या) में चीते और पीलीहित टाइगर रिजर्व में नर चीते की अन्य तस्वीरें भी भेजी थीं।

इसके लिए उन्हें अतिरिक्त विशेष पुरस्कार भी मिला। जीत अमन हैदराबाद स्थित एनविरी इंडिया सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक भी हैं और उन्होंने दुनिया भर में कई वन्यजीव और प्रकृति स्थलों का दौरा किया है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.